त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट

एवं

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन

EPILEPSY Care & Research Foundation

के तत्वाधान में

Journey Starts in 1994

निः शुल्क मिर्गी निदान शिविर

रतन नगर, जिला-चुरू (राजस्थान) माह के प्रथम मंगलवार,

समय : प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक

SOCIAL AWARENESS GADGETS & PROGRAME

पता- 47, संजय मार्ग, हथरोई स्कीम, जयपुर (राजस्थान)

फोन : 0141-2368531, 2361744, मो: 098292 75749

E-mail: rsureka@rediffmail.com

परिचय

भारतवर्ष की जनसंख्या 133 करोड़ है जिसमें से करीब 0.5 से 0.9 जनसंख्या मिर्गी रोग से ग्रसित है। भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या गाँव में रहती है व 70 प्रतिशत चिकित्सक शहरों में अपने सेवायें देते हैं। न्यूरोलोजी विशेषज्ञ तो 100 प्रतिशत बड़े शहरों में ही उपलब्ध हैं। ग्रामीण हिस्सों में मिर्गी रोग के बारे में अनेक आशंकायें व गलत फहमियाँ है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट एवं ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन के प्रथम चेयरमेन स्व. श्री मूंगालाल सुरेका (रिटायर्ड आई.ए.एस.) ने 1994 में यह नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर का आयोजन शुरु किया और 27 वर्षों से लगातार नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर, रतन नगर, जिला चुरु, राजस्थान में प्रतिमाह प्रथम मंगलवार को आयोजित किये जा रहे हैं।

शिविर के मुख्य उद्देश्य

- आने वाले सभी रोगियों की जाच करना, मिर्गी रोगी को उचित निदान प्रदान करना।
- सभी रोगियों को सम्पूर्ण ईलाज नि:शुल्क उपलब्ध कराना, जिसमें प्रतिमाह रोगियों को पूरे माह की दवाईयाँ नि:शुल्क उपलब्ध करवाना।
- मिर्गी रोग के बारे में व्याप्त अनेक आशंकाओं व गलत अवधारणाओं को दूर करना जिसके लिए समय-समय पर प्रचार सामग्री (पम्पलेट, चार्ट, बैनर आदि), स्वास्थ्य प्रदर्शनी एवं वीडियो प्रदर्शनी व जनचेतना कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
- शिविर के तत्वावधान में स्थानीय एवं सुदूर कार्यरत चिकित्सकों के लिए समय-समय पर सतत् चिकित्सा कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
- इस शिविर में मिर्गी रोगियों के उचित ईलाज के लिए अनुसंधान किय जो रहे हैं।
- सुरक्षित गर्भावस्था एवं प्रसूति को सुनिश्चित करने के लिए इस शिविर में चिकित्सकों द्वारा मिर्गी रोग एवं सुरक्षित गर्भावस्था के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है।
- गरीब मिर्गी रोगी बच्चों को पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- मिर्गी रोगियों के पुनर्वास के लिए सम्पूर्ण प्रयास किये जाते हैं।

शिविर के चिकित्सक

मुख्य न्यूरोफिजिशियन

डॉ. आर.के. सुरेका

MD (Med.), DNB (Neurology), MAMS, MNAMS (Neuro)
भूतपूर्व प्रोफेसर, न्यूरोलोजी विभाग
एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर

अन्य चिकित्सक

फिजिशियन

डॉ. एफ.एस. गौरी
MBBS, MD (Medicine)

डॉ. रोहित सुरेका
MBBS, DNB (Medicine)

डॉ. रक्षित सुरेका
MDS

मनोचिकित्सक

डॉ. जय सिंह
MBBS, MD (Psychiatry)

डॉ. अभिनव सरीन
MBBS, MD (Pediatrics)

अन्य सहयोगी

श्री अशोक सुरेका, श्री प्रकाश सुरेका, श्री एस.के. सरावगी
डॉ. रक्षित सुरेका, श्री राजेन्द्र हीरावत
श्री ताजु खाँ, श्री मनोज जाँगिड़, विरेन्द्र सिंह, रोहित लुना
एवं 30 स्थानीय स्वयंसेवक

स्थान

राजकीय चिकित्सालय, रतन नगर, जिला-चुरू (राजस्थान)
प्राज्ञ मिर्गी केन्द्र, गुलाबपुरा, जिला-भीलवाड़ा, (राजस्थान)
महात्मा गांधी अस्पताल, सीतापुरा, जयपुर (राजस्थान)

दिन व समय

रतन नगर - प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार
गुलाबपुरा- प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार
महात्मा गांधी अस्तपाल: हर सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार
प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

शिविर की उपलब्धियाँ

मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेका के अनुसार अब तक 322 शिविर हो चुके हैं। इस शिविर में करीब 8450 मिर्गी रोगी पंजीकृत हैं जो भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार व बंगाल से उपचार हेतु आते हैं। इस शिविर में सभी रोगियों की जाँच एवं नि:शुल्क दवाईयाँ दी जाती है एवं 60 से 80 प्रतिशत रोगियों के मिर्गी के दौरे पूर्णत: नियंत्रण में है।

इन शिविरों में कई अनुसंधान किये जा चुके हैं, जो कि विभिन्न जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

- Clinical profile and spectrum of epilepsy - A Rural study in Rajasthan; JAPI 1999.
- Knowledge, Attitude and practice of epilepsy in Rural North West India; Annals of IAN 2007.
- Prevalence of Epilepsy in Rural Rajasthan - A door to door survey; JAPI 2007
- Rural Epilepsy Clinic; Rajasthan Medical Probe
- Economic burden and treatment profile of epileptic patients in rural India. EC Neurology 2019.
- Clinical and demographic Profile of epilepsy patients in rural India. RMJ 2019.

इस शिविर में 17 नवम्बर को 'राष्ट्रीय मिर्गी दिवस' के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष जन-चेतना कार्यक्रम आयोजित किया जाता है एवं बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए मिनरल वॉटर व नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था की जाती है।

प्रेरणा स्त्रोत

1994 में प्रथम कैम्प का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा

चैयरमेन श्री मूंगालाल जी सुरेका IAS Retd. द्वारा सम्बोधन

मिर्गी शिविर में माननीय स्वास्थ्य कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ (वर्ष 1995)

मिर्गी शिविर के वार्षिक समारोह में माननीय स्वास्थ्य कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ (वर्ष 1997)

प्रेरणा स्त्रोत

शिविर में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुरेश गुप्ता के साथ

शिविर में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दिनेश शर्मा के साथ

श्री प्रकाश सुरेका शिविर में माननीय स्वास्थ्य कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ के साथ

गुरुजी श्री प्रताजी का अभिवादन करते हुए

शिविर छाया चित्र

शिविर में
जन चेतना का
कार्यक्रम

शिविर में
नि:शुल्क भोजन
की व्यवस्था

शिविर छाया चित्र

जस्टिस करनी सिंह जी राठौड़ द्वारा
कैम्प का अवलोकन 2003 में

वर्ष 2003 में
जस्टिस श्री करनी सिंह राठौड़
का स्वागत करते हुए
डॉ. सरेका (वर्ष 2003)

स्वास्थ्य प्रदर्शनी का
निरीक्षण करते हुए

शिविर छाया चित्र

जिलाधीश चुरू के साथ

शिविर का अवलोकन

जिलाधीश चुरू श्री के.के. पाठक
द्वारा शिविर का अवलोकन

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट

एवं

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन

EPILEPSY Care & Research Foundation

के तत्वाधान में

National & International Epilepsy Day Celebrations

पता– 47, संजय मार्ग, हथरोई स्कीम, जयपुर (राजस्थान)
फोन : 0141-2368531, 2361744, मो: 098292 75749
E-mail: rsureka@rediffmail.com

छायाचित्र: राष्ट्रीय मिर्गी दिवस-2010
रतन नगर, चुरु

''फाइट अगेन्स्ट ऐपीलेप्सी''
जन चेतना हेतु मार्च

जन चेतना कार्यक्रम
स्थानीय विधायक
श्री मकबूल मंडेलिया

जन चेतना कार्यक्रम

राष्ट्रीय मिर्गी दिवसः वर्ष 2011
रतन नगर, चुरु

आचार्य श्री राधाकृष्ण (नानी बाई का मायरा) जी
का आशीर्वाद लेते हुए

मिर्गी शिविर के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए
जिलाधीश चुरू

रतन नगर, चूरू में आयोजित कार्यक्रम
वर्ष 2017

चूरू कलेक्टर श्री ललित जी गुप्ता
मिर्गी जागरूकता प्रर्दशनी
का विमोचन करते हुऐ

चूरू कलेक्टर श्री ललित जी गुप्ता
मिर्गी जागरूकता प्रर्दशनी
का अवलोकन करते हुऐ

चूरू कलेक्टर श्री ललित जी गुप्ता
प्रतिभावान छात्रों
को पुरस्कृत करते हुऐ

डॉ. रोहित सुरेका
श्री ललित जी गुप्ता का
अभिवादन करते हुऐ

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस : रतननगर, चुरू
वर्ष 2017

रतननगर (चुरू) में मुख्य अतिथि द्वारा मिर्गी ग्रसित बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण

रतननगर (चुरू) में मुख्य अतिथि मिर्गी जागरूकता प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 2020
पोस्टर प्रदर्शनी–चुरू

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 2020
पोस्टर प्रदर्शनी
डॉ. सुरेका के द्वारा

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 2020
जन चेतना दौड़

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 2021
जनचेतना कार्यक्रम चूरू

डॉ. आर.के. सुरेका
मिर्गी रोग के बारे मे जानकारी देते हुए

अर्न्तराष्ट्रीय मिर्गी दिवस 2022
जन जागरण

डॉ. आर.के. सुरेका
मिर्गी रोग के बारे मे जानकारी देते हुऐ

स्कूल के बच्चों को मिर्गी रोग के
बारे मे जानकारी देते हुऐ

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट

एवं

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन

के तत्वाधान में

Social Media Advancement

पता- 47, संजय मार्ग, हथरोई स्कीम, जयपुर (राजस्थान)
फोन : 0141-2368531, 2361744, मो: 098292 75749
E-mail: rsureka@rediffmail.com

मिर्गी रोगियों के लिए वेबसाइट

वर्ष-2010

मिर्गी रोगियो के लिये App Launch

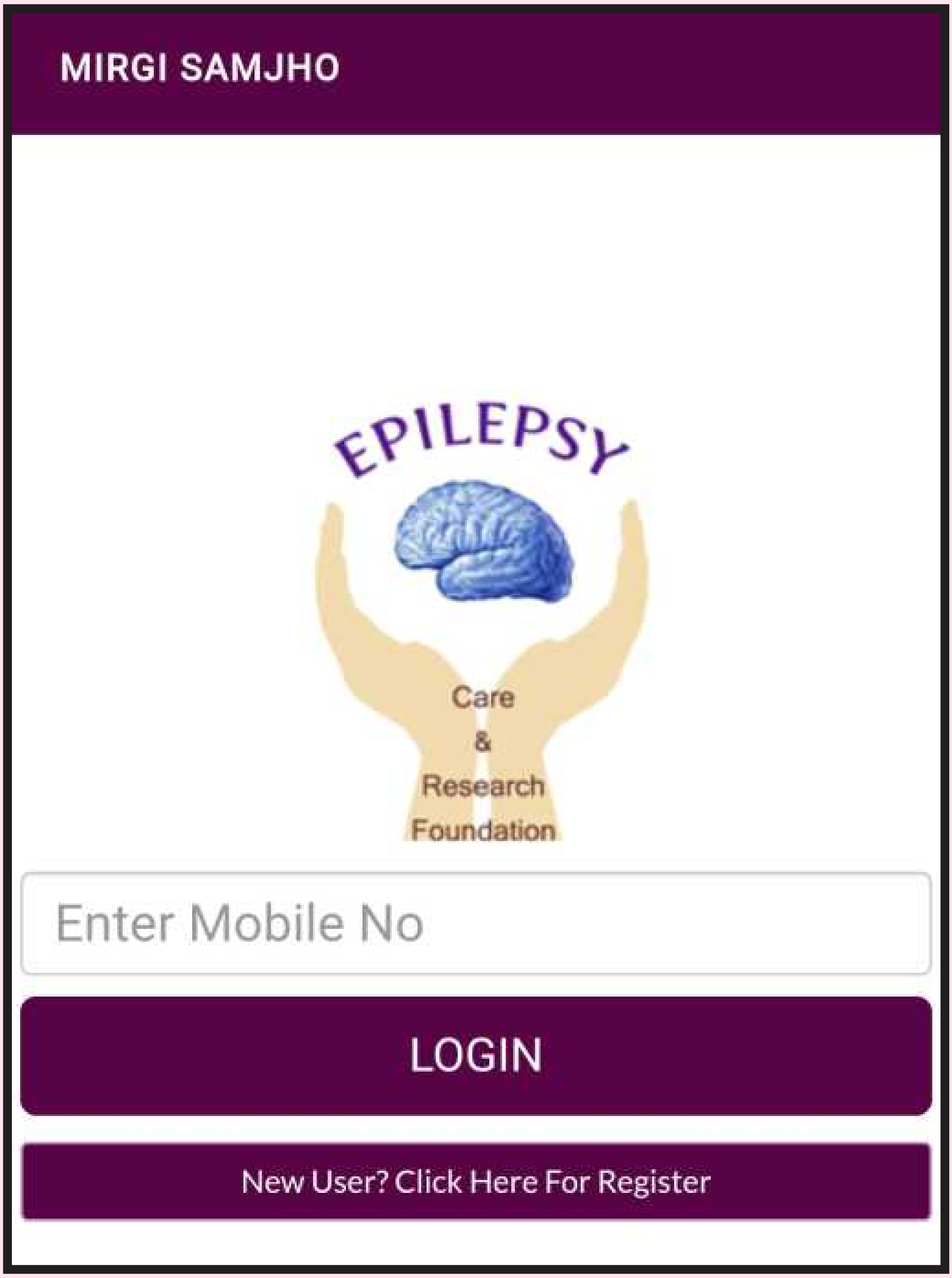

रोगियों व उनके परिवार जनों के लिये
Helpline No. Launch

मिर्गी रोग पुस्तिका का विमोचन

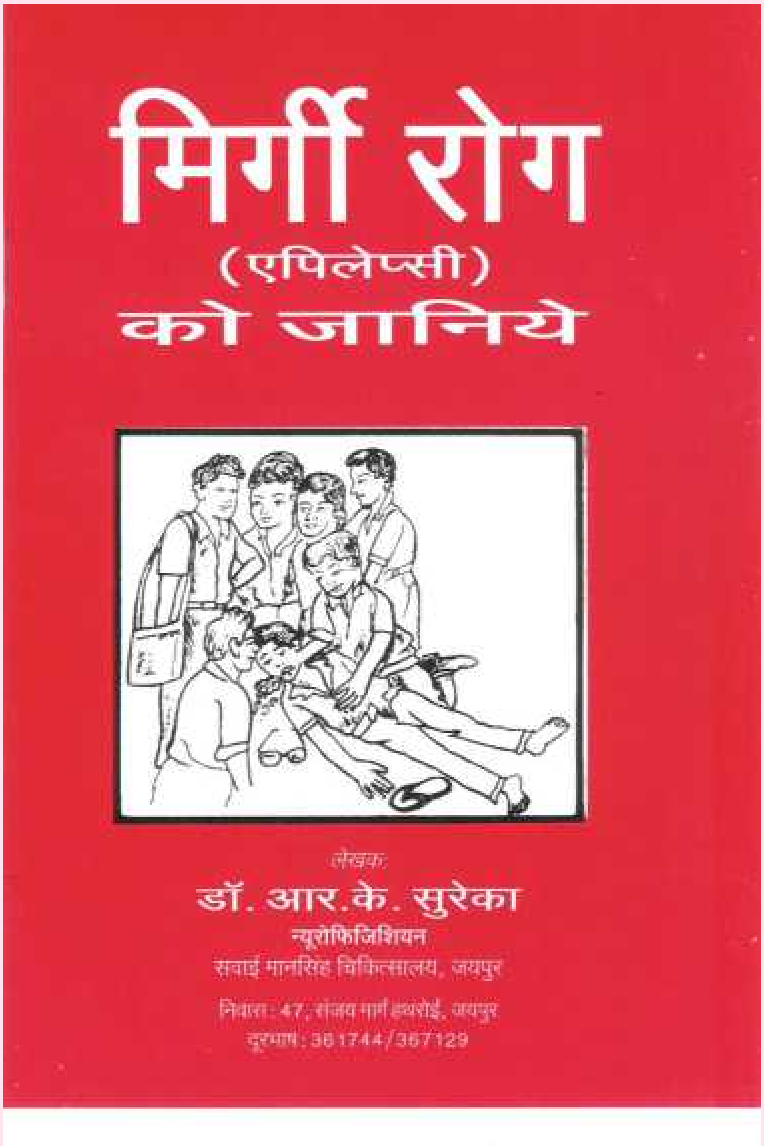

मिर्गी रोगियो के लिये Website

मिर्गी रोगियो के लिये लघु फिल्म की सीडी का श्री काली चरण सर्राफ हैल्थ मिनिस्टर राजस्थान के आवास पर विमोचन करते हुए।

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट

एवं

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन

के तत्वाधान में

Rewards & Acknowledgement

पता– 47, संजय मार्ग, हथरोई स्कीम, जयपुर (राजस्थान)
फोन : 0141-2368531, 2361744, मो: 098292 75749
E-mail: rsureka@rediffmail.com

Guinness World Record

वर्ष - 2018

GUINNESS WORLD RECORDS™

CERTIFICATE

The largest epilepsy training session had 737 participants, and was achieved by Swasthya Kalyan Homoeopathic Medical College & Research Centre and Rajendra Kumar Sureka (both India), in Jaipur, India, on 23 March 2017.

OFFICIALLY AMAZING™

© GUINNESS WORLD RECORDS LIMITED 2016. THIS CERTIFICATE DOES NOT NECESSARILY DENOTE AN ENTRY INTO ANY PRODUCTS DISTRIBUTED OR OWNED BY GUINNESS WORLD RECORDS LIMITED AND MUST NOT BE REPRODUCED WITHOUT PRIOR WRITTEN PERMISSION OF GUINNESS WORLD RECORDS LIMITED.

WWW.GUINNESSWORLDRECORDS.COM

लिम्का बुक अवार्ड

वर्ष - 2016

Limca
Book of Records

National Record

Under the auspices of **Epilepsy Care & Research Foundation**, on the first Tuesday of every month a free epilepsy camp is held at Ratannagar district, Churu, Rajasthan since 1994 in which the following facilities are being rendered - free checkups of all epilepsy patients by **Dr RK Sureka** Retired Professor of Neurology at SMS Medical College, Jaipur & the Chief Neurophysician Epilepsy Care & Research Foundation, free investigations of all epilepsy patients as far as possible and free medicines for a month to all patients. About 260 camps have been already held.

Vijaya Ghose
Editor, Limca Book of Records

"LIMCA BOOK OF RECORDS" IS THE COPYRIGHT OF THE COCA-COLA COMPANY. "LIMCA" IS THE REGISTERED TRADEMARK OF THE COCA-COLA COMPANY.
THIS CERTIFICATE DOES NOT NECESSARILY DENOTE AN ENTRY INTO LIMCA BOOK OF RECORDS.

गणतंत्र दिवस वर्ष 2010
के अवसर पर माननीया राज्यपाल
श्रीमती प्रभा राव से स्टेट
अवार्ड लेते हुए

राजभवन में माननीया राज्यपाल
माननीय मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव
के साथ

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस-2013 के
अवसर पर माननीय राज्यपाल
श्रीमती मार्गेट अल्वा
द्वारा पुस्तक
"A Handbook of Epilepsy"
का विमोचन

जन सेवा के लिये मिले प्रशस्ति पत्र

वर्ष - 2010

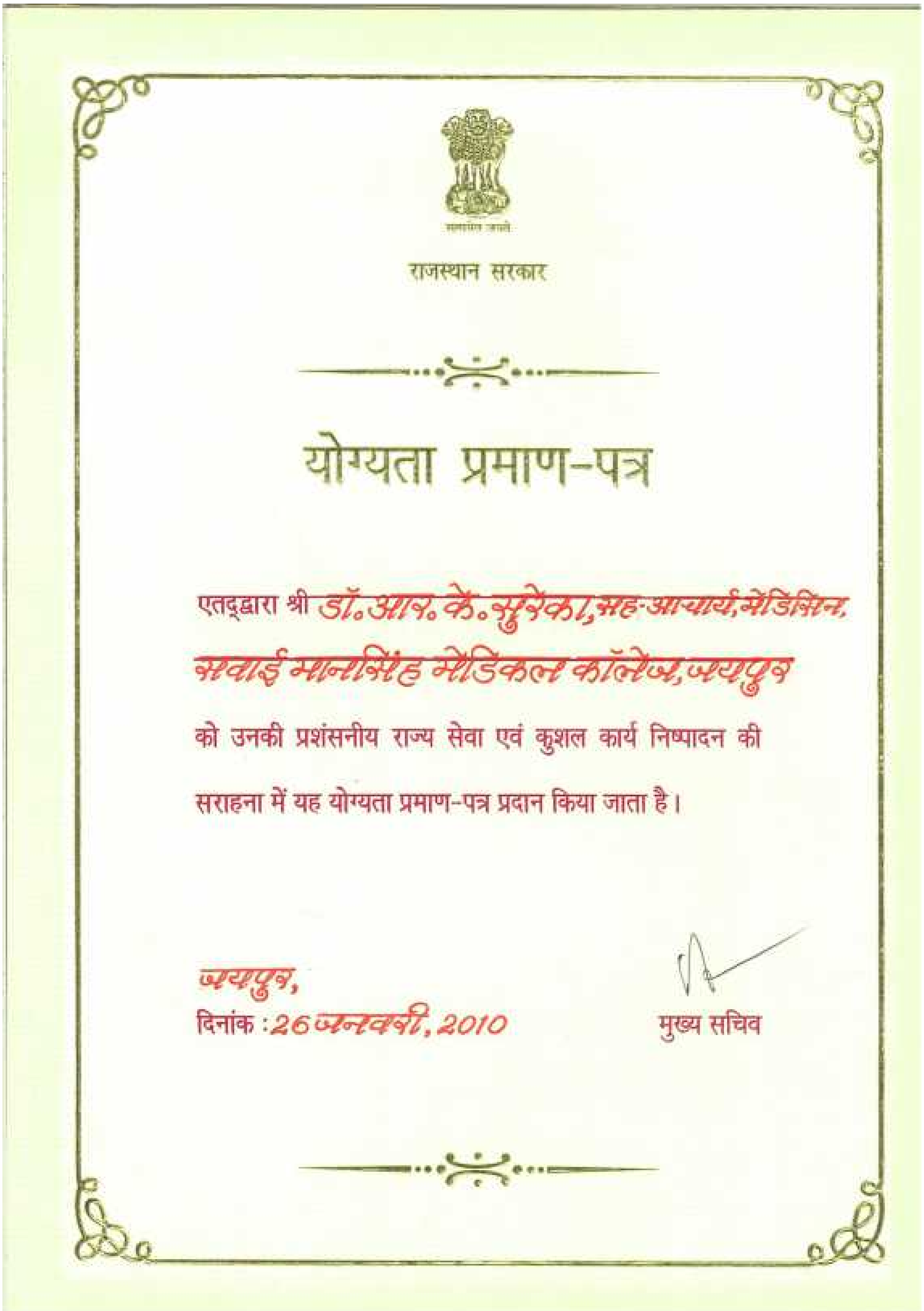

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

योग्यता प्रमाण-पत्र

एतद्द्वारा श्री डॉ. आर. के. सुरेका, सह-आचार्य, मेडिसिन, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर को उनकी प्रशंसनीय राज्य सेवा एवं कुशल कार्य निष्पादन की सराहना में यह योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

जयपुर,

दिनांक : 26 जनवरी, 2010

मुख्य सचिव

जन सेवा के लिये मिले प्रशस्ति पत्र

वर्ष - 2004

राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

जिला प्रशासन, चूरू

प्रशस्ति-पत्र

श्री / श्रीमती / सुश्री डॉ॰ आर॰ के॰ सुरेका

पद / पता न्यूरो फिजिशियन, एस॰ एम॰ एस॰ अस्पताल, जयपुर

को कस्बा रतननगर में पिछले वर्षों से लगातार मिर्गी के रोगियों का निःशुल्क उपचार एवं दवाईयां वितरित कर चिकित्सा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए जिला प्रशासन द्वारा यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

स्थान : स्टेडियम, चूरू

दिनांक : 15 अगस्त, 2004.

जिला कलेक्टर,
चूरू

जन सेवा के लिये मिले प्रशस्ति पत्र

वर्ष – 1998

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

50

प्रशस्ति – पत्र

आप डॉ॰ आर॰ के॰ सुरेका, न्यूरो फिजीशियन

पद/पता रा॰ एस॰ एम॰ एस॰ चिकित्सालय, जयपुर

ने विशेष अनुसंधान कर मिर्गी रोग के 284 रोगियों

का ग्राम रतननगर में उपचार कर –

सराहनीय कार्य किया है । जिसके लिए आपको जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाता है ।

(ए. सी. भट्ट)

जिला कलेक्टर, चूरू

स्थान : चूरू

दिनांक : 26 जनवरी, 1998.

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट

एवं

EPILEPSY Care & Research Foundation

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन

के तत्वाधान में

Journey Starts in 1994

निः शुल्क मिर्गी निदान शिविर

रतन नगर, जिला-चुरू (राजस्थान) माह के प्रथम मंगलवार,

समय : प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक

पता- 47, संजय मार्ग, हथरोई स्कीम, जयपुर (राजस्थान)
फोन : 0141-2368531, 2361744, मो: 098292 75749
E-mail: rsureka@rediffmail.com

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1994-95

ग्रामीणों को सस्ती चिकित्सा सुलभ कराने हेतु संकल्पित : राठौड़

चूरू जिले के रतननगर कस्बे में भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई, जयपुर व श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क एक दिवसीय रोग निदान एवं उपचार शिविर का निरीक्षण करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़-(फोटो: जगदीश सोनी)

चूरू, 5 सितम्बर (सोनी)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा है कि राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का 60% बजट ग्रामीण क्षेत्रों में खर्च कर असहाय एवं गरीब लोगों को सस्ती एवं सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

श्री राठौड़ रविवार को चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में राज्य सरकार की भ्रमणशील चिकित्सा इकाई, जयपुर एवं श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क एक दिवसीय रोग निदान एवं उपचार शिविर के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

श्री राठौड़ ने कहा कि लोकतांत्रिक गणराज्य में राज्य सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ... नागरिकों को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार आदि सुविधा सुलभ ... उन्होंने कहा कि राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोगों को उनके द्वार पर ही चिकित्सा ... पर प्रयत्नशील है।

भ्रमणशील चिकित्सा इकाई गांव-गांव पहुंच कर जटिल से जटिल रोगों का उपचार कर पीड़ितों को राहत पहुंचायेगी। उन्होंने कहा कि नर्सिंग ... सेवा है। ... को ध्यान में रखकर निदेशक को निर्देश ... कि वे इस शिविर में रोगियों को 5 ... के स्थान पर दस दिन की दवाइयां ... दें।

... करते हुए आशा व्यक्त की कि इस ट्रस्ट के माध्यम से रतननगर के जन कल्याणकारी कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा।

समारोह में भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई के निदेशक श्री बी.एस. भाटी ने बताया कि इकाई प्राकृतिक आपदा के समय भी अपनी त्वरित सेवा के लिए सदा तैयार रहती है। उन्होंने बताया कि इकाई का गठन 1956 में किया गया था और अब तक इकाई द्वारा 2 लाख 35 हजार जटिल रोगों के ऑपरेशन किये जा चुके हैं।

प्रारम्भ में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मूंगालाल सुरेका ने बताया कि इस शिविर में प्रदेश के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं सुलभ कराई गई है ताकि गरीबों को घर बैठे ही मुफ्त चिकित्सा सुविधा सुलभ कराई जा सके।

समारोह में ... नगरपालिका अध्यक्ष श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोक कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये। ... रोग निदान केन्द्रों का अवलोकन करते हुए रोगियों एवं चिकित्सकों से भी बातचीत की।

राजस्थान पत्रिका
दिनांक 6 सितम्बर 94

... परिवर्तन की कार्यवाही की जा रही है।

रतननगर में चिकित्सा शिविर

[कार्यालय संवाददाता]

जयपुर, 5 सितंबर। चूरू जिले के रतननगर में रविवार को राज्य सरकार की भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई और श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क रोग निदान एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्घाटन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने किया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डाक्टरों ने मरीजों की जांच की और निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में बाहर डाक्टरों ने चिकित्सा की।

चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मूंगालाल सुरेका के अनुसार शिविर में करीब दो हजार मरीजों ने इलाज करवाया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि ऐसे शिविर दूरदराज के गांवों में लगाए जाने चाहिए तथा सरकार की ओर से भी इस काम में मदद की जाएगी।

रतननगर में निःशुल्क रोग निदान व उपचार शिविर का रविवार को उद्घाटन करते हुए चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़।

ग्रामीणों के दरवाजे पर इलाज सुविधा देने का प्रयास: राठौड़

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1994-95

दैनिक युगपक्ष, 6 सितम्बर, 1994, पृष्ठ—2

'चिकित्सा का 60 प्रति. खर्च गांवों पर'

भ्रमणशील चिकित्सा इकाई के शिविर में संबोधित करते हुए राठौड़ फोटो — जगदीश

चूरू [निप्र]। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा है कि राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का 60 प्रति. बजट ग्रामीण क्षेत्रों में खर्च कर असहाय एवं गरीब लोगों को सस्ती एवं सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

राठौड़ रविवार को रतन नगर कस्बे में राज्य सरकार की भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई, जयपुर एवं श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क एक दिवसीय रोग निदान एवं उपचार शिविर के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई के निदेशक बी. एस. भाटी ने बताया कि इकाई प्राकृतिक आपदा के समय भी अपनी त्वरित सेवा के लिए सदा तैयार रहती है। उन्होंने बताया इकाई का गठन 1956 में किया गया था और अब तक इकाई द्वारा 2 लाख 35 हजार जटिल रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवायें सुलभ कराई गई है।

राजस्थान

राठौड़ ने कहा

60 फीसदी खर्च होगा

र शिविर आयोजित

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1996

रतननगर में मिर्गी चिकित्सा केन्द्र स्थापित

चूरू, 18 जुलाई [नि.सं.]। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा केन्द्र स्थापित किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एम.एल. सुरेका ने गुरुवार को यहां बताया कि इस केन्द्र की विधिवत स्थापना आगामी चार अगस्त को की जाएगी। माह में एक दिन न्यूरोलाजी विशेषज्ञ की सेवाएं इस केन्द्र में उपलब्ध रहेंगी। चार अगस्त को ही रतननगर में एक दिवसीय निःशुल्क न्यूरोलाजी शिविर भी लगाया जाएगा जिसमें लकवा, सिरदर्द, मिर्गी, कमर दर्द व नस संबंधी बीमारियों का उपचार किया जाएगा। राजकीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में लगने वाले शिविर का उद्घाटन चिकित्सा राज्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़ करेंगे।

जयपुर पत्रिका 19.7.96

चिकित्सा शिविर आयोजित

चूरू, 4 अगस्त [नि.सं.]। चिकित्सा व स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने रविवार को रतन नगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर उद्घाटन का उद्घाटन किया। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में रोगियों का सर्वेक्षण करवाया जाएगा और उसी के अनुसार रोग निदान शिविर लगाये जायेंगे। राज्य में जिलों के चिकित्सालयों में मेडिकेयर रीलिफ सोसायटी बनाये जाने की जानकारी देते हुए राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि चिकित्सा सेवाओं जन- जन की सहभागिता समाहित हो। रतननगर में राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष 35 लाख रुपए चिकित्सा सेवाओं पर व्यय किये जाने की जानकारी देते हुए राठौड़ ने बताया कि अगले माह मूत्र रोग चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा।

पूर्व सांसद जगदीश प्रसाद माथुर ने चिकित्सा शिविरों के माध्यम से रोगियों के उपचार किये जाने की परंपरा को वास्तविक भारतीय संस्कृति बताया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मूंगा लाल सुरेका ने पूर्व में चिकित्सा शिविर एवं रतनगर में मिर्गी रोग निदान केन्द्र स्थापित किये जाने की जानकारी दी। पत्रिका 5.8.96

मिर्गी निदान शिविर

चूरू, 8 सितम्बर [नि.सं.]। निकटवर्ती पालिका क्षेत्र रतननगर में चूरू राजकीय चिकित्सालय में त्रिवेणी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष मूंगालाल सुरेका द्वारा संचालित यह शिविर ग्रामीण क्षेत्र में मिर्गी रोगियों के लिए राज्य में अपने तरह का पहला शिविर है जो प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को लगाया जा रहा है। शिविर में सेवा देने वाले न्यूरोलोजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने मिर्गी के संदर्भ में बताया कि नियमित उपचार से सत्तर प्रतिशत रोगी पूर्णतया स्वस्थ हो जाते हैं तथा अन्य मिर्गी रोगी गहन चिकित्सा के माध्यम से ठीक हो सकते हैं। पत्रिका 9.9.96

रतननगर में मिर्गी रोगियों के लिए चिकित्सा शिविर आज

जयपुर, 6 सितम्बर [वि.]। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को चूरू जिले के रतननगर में मिर्गी रोगियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा।

ट्रस्ट के अध्यक्ष मूंगालाल सुरेका ने बताया कि शिविर में सवाई मानसिंह चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध होंगी।

पत्रिका 7-9-96

सूर्यरेखा सीकर
9-9-96

चूरू के निकट रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर में डॉ. आर. के. सुरेका [illegible]

मिर्गी चिकित्सा शिविर

चूरू 9 सितम्बर [illegible]। निकटवर्ती रतन नगर कस्बे में शनिवार त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर लगाया गया।

ट्रस्ट के संस्थापक और [illegible] प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी मूंगा[illegible] सुरेका ने बताया कि शिविर में लगभग [illegible] सौ रोगी आये जिसमें 125 रोगियों [illegible] निःशुल्क दवा दी गई। यह शिविर हर माह के प्रथम शनिवार को लगाया जायेगा। [illegible] रोलाजिस्ट डा. आर. के. सुरेका ने [illegible] कि मिर्गी रोग लम्बे उपचार के [illegible] हो सकता है। सूर्यरेखा सीकर 10-9-96

सूर्यरेखा सीकर
9-9-96

[illegible]

निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर

10-9-96

चूरू (निप्र)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर लगाया गया। ट्रस्ट के संस्थापक मूंगालाल सुरेका ने बताया कि शिविर में 800 रोगी आये जिनमें से 125 रोगियों को निःशुल्क दवा दी गई। यह शिविर हर महीने के प्रथम शनिवार को लगाया जायेगा।

10.10. दैनिक भास्कर

शहर के निकटवर्ती कस्बे रतन नगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ। शिविर के संचालक पूर्व आईएएस मूंगालाल सुरेका के सौजन्य से ग्रामीण क्षेत्र के मिर्गी रोगियों के लिए निर्धारित इस शिविर में न्यूरोलोजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने बताया कि राज्य के ऐसे छोटे कस्बे में अपने किस्म का यह पहला शिविर है और अब रतननगर के राजकीय चिकित्सालय में माह के प्रथम शनिवार को लगाया जाएगा।

इसी संदर्भ में डा. ने बताया कि प्रत्येक शिविर में लगभग आठ सौ रोगी आ रहे हैं। रोगियों की जांच के बाद 125 मिर्गी रोगियों को निःशुल्क दवा दी गई। शिविर में पहले आयोजित शिविर के रोगी ने बताया कि एक माह में नियमित दवा लेने से उसके स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है। इससे लगता है कि इस रोग से छुटकारा जल्दी मिल जाएगा। शिविर में स्थानीय अस्पताल कर्मियों का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। दैनिक जागरण 10-9-96

मिर्गी रोगियों के लिए निःशुल्क शिविर 2 को

31.10.96 दैनिक जागरण

चूरू, 30 अक्टूबर (संस)। रतननगर स्थित राजकीय चिकित्सालय में 2 नवंबर को त्रिवेणी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मिर्गी रोगियों के उपचार का निःशुल्क शिविर लगाया जाएगा।

ट्रस्ट के अध्यक्ष मूंगालाल सुरेका के अनुसार मिर्गी रोगियों के निःशुल्क उपचार के लिए प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को यह शिविर रतननगर के राजकीय अस्पताल में आयोजित किया जाता है। शिविर में डा. राजेंद्र कुमार सुरेका रोगियों की निःशुल्क जांच करेंगे तथा मिर्गी रोगियों के लिए निःशुल्क दवा की व्यवस्था होगी। गत माह के शिविर में 125 रोगियों को निःशुल्क दवा दी गई।

शिविर 4 को

जिले के रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला निशुल्क मिर्गी निदान शिविर 4 जनवरी को लगेगा। एम.एम.एस. अस्पताल , जयपुर के न्यूरोलाजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने बताया कि दिसंबर माह में आयोजित शिविर में 125 रोगियों का उपचार किया गया था तथा उन्हें एक माह दी दवा निशुल्क दी गई थी। तरननगर में अब तक आए रोगियों में 70 से 80 प्रतिशत तक रोगियों को फायदा हुआ है। दै. जागरण 4.1.97

निशुल्क मिर्गी निदान शिविर चार को

चूरू, 2 जनवरी (नि. सं.)। जिले के रतन नगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला निशुल्क मिर्गी निदान शिविर आगामी चार जनवरी को लगेगा। एस. एम. एस. अस्पताल, जयपुर के न्यूरोजालिस्ट डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि दिसम्बर माह में आयोजित इस शिविर में 125 रोगियों का उपचार किया गया तथा उन्हें एक माह की दवा निशुल्क दी गई। रतननगर में अब तक आये रोगियों में 70 से 80 प्रतिशत तक रोगियों को फायदा हुआ है। आसपास सीकर 3.1.97

नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर चार को: जिले के रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबिल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर आगामी 4 जनवरी को लगेगा। एस.एम.एस. अस्पताल जयपुर के न्यूरोलाजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि दिसम्बर माह में आयोजित इस शिविर में 125 रोगियों का उपचार किया गया तथा उन्हें एक माह की दवा नि:शुल्क दी गई।
दैनिक युगपक्ष 3.1.97

नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर चार को: जिले के रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबिल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर आगामी 4 जनवरी को लगेगा। एस.एम.एस. अस्पताल जयपुर के न्यूरोलाजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि दिसम्बर माह में आयोजित इस शिविर में 125 रोगियों का उपचार किया गया तथा उन्हें एक माह की दवा नि:शुल्क दी गई।
दैनिक युगपक्ष 3.1.97

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 1997

समाचार जगत - 4-2-97

रतन नगर कस्बे में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ. आर.के. सुरेका एक शिशु की जांच करते हुए। छाया : जगदीश सोनी

मिर्गी रोग निदान शिविर में 125 रोगियों की जांच

समाचार जगत सेवा

चूरू, 3 फरवरी।

श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हर माह के प्रथम शनिवार को लगाए जाने वाले मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में शनिवार को 125 मिर्गी रोगियों की जांच कर उन्हें दवा दी गई।

एस.एम.एस. हॉस्पिटल (जयपुर) के न्यूरोलाजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने शिविर स्थल पर बताया कि गत अगस्त माह से हर महीने लगाए जा रहे इस शिविर में चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के रोगी आते हैं जिनकी जांच कर उन्हें एक माह की दवा नि:शुल्क दी जाती है। पिछले अगस्त माह से अपना उपचार करा रहे कुछ रोगियों को बताया कि उन्हें काफी फायदा हुआ है। रतननगर के राजकीय अस्पताल में लगने वाले इस शिविर में सेवा निवृत्त शिक्षक प्रताप सिंह राठौड़, युवा कार्यकर्ता कपिल कुमार तथा उनके सहयोगी शिविर संचालन में अपनी नि:शुल्क सेवाएं देते हैं। अस्पताल का स्टाफ भी मदद करता है।

डॉ. सुरेका के अनुसार मिर्गी का रोग नियमित दवा लेने से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रति रोगी प्रति माह 100 से 150 रुपए तक दवा का खर्च होता है जो ट्रस्ट द्वारा मुफ्त दी जाती है। उपखण्ड अधिकारी

दैनिक भास्कर 4-2-97

चूरू जिले के रतननगर कस्बे में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ. आर.के. सुरेका रोगी की जाँच करते हुए

125 मिर्गी रोगियों का उपचार

चूरू (निप्र)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबिल ट्रस्ट की ओर से हर माह के प्रथम शनिवार को लगाये जाने वाले मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में 125 मिर्गी रोगियों की जाँच कर उन्हें दवा दी गयी। एस.एम.एस. हॉस्पिटल (जयपुर) के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने शिविर स्थल पर बताया कि गत अगस्त माह से हर महीने लगाये जा रहे इस शिविर में चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के रोगी आते हैं जिनकी जाँच कर उन्हें एक माह की दवा नि:शुल्क दी जाती है। पिछले अगस्त माह से अपना उपचार करा रहे कुछ रोगियों ने बताया कि उन्हें काफी फायदा हुआ है। रतननगर के राजकीय अस्पताल में लगने वाले इस शिविर में सेवानिवृत्त शिक्षक प्रताप सिंह राठौड़, युवा कार्यकर्ता कपिल कुमार तथा उनके सहयोगी शिविर संचालन में अपनी नि:शुल्क सेवाएं देते हैं। अस्पताल का स्टॉफ भी मदद करता है। डॉ. सुरेका के अनुसार मिर्गी का रोग नियमित दवा लेने से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रति रोगी प्रति माह से 100 से 150 रुपये तक दवा का खर्च होता है जो ट्रस्ट द्वारा मुफ्त दी जाती है। उपखंड अधिकारी राजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी शिविर का जायजा लिया। यह शिविर अगले माह 1 मार्च को आयोजित होगा।

रतननगर में 125 मिर्गी रोगियों का उपचार

चूरू, 2 फरवरी (सारस्वत)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबिल ट्रस्ट की ओर से हर माह के प्रथम शनिवार को लगाये जाने वाले मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में शनिवार को 125 मिर्गी रोगियों की जांच कर उन्हें दवा दी गई।

चूरू जिले के रतननगर कस्बे में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में डा. आर.के. सुरेका का मिर्गी रोगी की जांच करते हुए। फोटो:- विजय स्टूडियो

एस.एम.एस. हॉस्पिटल (जयपुर) के न्यूरोलाजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने शिविर स्थल पर बताया कि गत अगस्त माह से हर महीने लगाये जा रहे इस शिविर में चूरू, झुंझनूं और सीकर जिलों के रोगी आते हैं जिनकी जांच कर उन्हें एक माह की दवा निशुल्क दी जाती है. पिछले अगस्त माह से अपना उपचार करा रहे कुछ रोगियों ने बताया कि उन्हें काफी फायदा हुआ है. रतन नगर के राजकीय अस्पताल में लगने वाले इस शिविर में सेवा निवृत्ति शिक्षक प्रताप सिंह राठौड़, युवा कार्यकर्ता अपिल कुमार तथा उनके सहयोगी शिविर संचालन में अपनी निशुल्क सेवाएं देते हैं। अस्पताल का स्टाफ भी मदद करता है।

डा. सुरेका के अनुसार मिर्गी का रोग नियमित दवा लेने से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रति रोगी प्रति माह 100 से 150 रुपये तक दवा का खर्च होता है जो ट्रस्ट द्वारा मुफ्त दी जाती है। उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी शनिवार को शिविर का जायजा लिया। यह शिविर अगले माह एक मार्च को आयोजित होगा।

सूर्यरेख सीकर 3-2-97

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1997

नि:शुल्क शिविरों में 143 मिर्गी रोगियों को उपचार

मासिक मिर्गी रोग शिविर में रोगियों की संख्या बढ़ी

दैनिक भास्कर, शेखावाटी संस्करण 26-7-97

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों को एक वर्ष पूर्ण

चूरू, 25 जुलाई (नि.प्र.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर महीने के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों का एक वर्ष पूरा हो गया है।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी मूंगालाल सुरेका के अनुसार अगस्त-96 से प्रारंभ हुए इस सेवा कार्य के अंतर्गत अब तक बारह शिविर आयोजित किए जा चुके हैं तथा मिर्गी रोग निदान की लगभग एक लाख एलोपैथिक गोलियां निःशुल्क वितरित की जा चुकी हैं। शिविर में चूरू, सीकर, झुंझुनूं, बीकानेर एवं गंगानगर जिलों के साथ-साथ हरियाणा के रोगी भी लाभान्वित हो रहे हैं। शिविरों के माध्यम से अब तक 250 रोगियों को मुफ्त दवा दी जाती है। जयपुर के न्यूरोलाजिस्ट डॉ. आर. के. सुरेका हर माह अपनी सेवाएं इस शिविर में देते हैं। श्री सुरेका ने बताया कि आगामी दो अगस्त को आयोजित होने वाले शिविर के साथ यह सेवा कार्य दूसरे वर्ष में प्रवेश करेगा। दो अगस्त के शिविर का उद्घाटन चिकित्सा राज्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़ करेंगे।

दैनिक जागरण - 27-7-97

एक वर्ष पूर्ण

निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबिल ट्रस्ट के सौजन्य से हर महीने के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों का एक वर्ष पूरा हो गया है।

दै. जागरण 27-7-97

पत्रिका - 27-7-97

मिर्गी रोग की एक लाख गोलियों का नि:शुल्क वितरण

चूरू, 26 जुलाई [नि.सं.]। निकटवर्ती रतन नगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेब्लि ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों का एक वर्ष हो गया है तथा अब तक कुल बारह शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी मूंगालाल सुरेका के अनुसार अगस्त, 96 से प्रारंभ हुए इस सेवा कार्य के अन्तर्गत मिर्गी रोग निदान की लगभग एक लाख एलोपैथिक गोलियां नि:शुल्क वितरण की जा चुकी है। सुरेका ने बताया कि आगामी दो अगस्त को आयोजित होने वाले शिविर का उद्घाटन चिकित्सा राज्यमंत्री राजेन्द्र राठौड़ करेंगे तथा इस अवसर पर जयपुर के न्यूरोलॉजिस्ट डा. दिनेश शर्मा व डा. सुरेश गुप्ता भी भाग लेंगे।

पत्रिका 27-7-97

आस-पास – 27-7-97

नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविरों का एक वर्ष पूर्ण

चूरू, 26 जुलाई (नि.सं.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में स्त्रीमती त्रिवेणी देवी सुरे का चेरिटेबिल ट्रस्ट के सौजन्य से हर महीने के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों के एक वर्ष पूरा हो गया हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तता भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी मूंगालाल सुरेका के अनुसार अगस्त 96 से प्रारम्भ हुये इस सेनवा कार्य के अन्तर्घत अब तक बारह शिविर आयोजित किये जा चुके हैं तथा मिर्गी रोग निदान की लगभग एक लाख एलोपैथिक गोलिया नि:शुल्क वितरित की जा चुकी हैं। शिविर में चूरू, सीकर, झुंझुनूं, बीकोर एवं गंगानगर जिलों के साथ-साथ हरियाणा के रोगी भी लाभान्वित हो रहे हैं। शिविरों के माध्यम से अब तक 250 रोगियों का पेजीयन किया जा चुका हैं तथा हर माह औसतन 150 रोगियों को मुफ्त दवा दी जाती हैं। जयपुर के न्यरोलाजिस्ट डॉ. आर. के. सुरेका हर माह अपनी संवाएं इस शिविर में देते हैं। श्री सुरेका ने बताया कि आगामी दो अगस्त को आयोजित होने वाले शिविर के साथ यह सेवा कार्य दूसरे वर्ष में प्रवेश करेगा। दो अगस्त के शिविर का उद्घाटन चिकित्सा राज्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़

प्रदेश के हर जिले में विशेष चिकित्सा शिविर की योजना : राठौड़

सभी जिलों में इस वर्ष विशेष चिकित्सा शिविर लगेंगे

मिर्गी रोग निदान शिविर कल: श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरीटेबिल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को निकटवर्ती रतन नगर कस्बे में आयोजित होने वाला निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर इस माह छह दिसम्बर को आयोजित होगा। शिविर के प्रभारी चिकित्सक डा. आर. के. सुरेका के अनुसार गत माह आयोजित शिविर में लगभग तीन सौ रोगी आये जिनमें दो सौ चालीस रोगियों को निःशुल्क दवा दी गई। पत्रिका 5-12-97

मिर्गी रोग का निदान संभव है नियमित उपचार से

(नगर प्रतिनिधि)

जयपुर, 12 दिसम्बर। नियमित उपचार लेने पर सत्तर प्रतिशत मिर्गी रोगियों के रोग पर काबू पाया जा सकता है।

यह तथ्य चूरू जिले के रतन नगर कस्बे में स्थित एक ग्रामीण अनुसंधान केन्द्र के अध्ययन से सामने आया। गुरुवार को यहां मिर्गी रोग के राष्ट्रीय चिकित्सकों की एक गोष्ठी में सवाई मानसिंह अस्पताल के न्यूरोफिजीशियन डॉ. आर.के. सुरेका ने इस अध्ययन की जानकारी देते हुए बताया कि बिना बड़ी-बड़ी जांचों के नियमित उपचार से सत्तर प्रतिशत मिर्गी रोगियों के रोग पर काबू के साथ बीस प्रतिशत रोगियों के भी दौरे बहुत कम हो गए हैं।

अध्ययन के अनुसार एक वर्ष में 284 मरीजों का इलाज किया गया, जिसमें 191 पुरुष व 93 स्त्रियां थीं। इनमें सत्तर प्रतिशत मरीजों के दौरे पूर्णतया नियंत्रित किए जा सके, जिनमें पचास प्रतिशत मरीजों की बीमारी एक दवाई के सेवन से नियंत्रित की जा सकी और पन्द्रह प्रतिशत को दो से अधिक दवाइयां दी गईं। दै. नव. 13-12-97

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1998

मिर्गी रोग पर अनुसंधान

[illegible]

पत्रिका 9-1-98

समाचार जगत, 3-6-98

मिर्गी रोग निदान शिविर 6 को

समाचार जगत सेवा

चूरू, 2 जून। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को निकटवर्ती रतन नगर कस्बे में आयोजित होने वाला निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर इस माह 6 जून को लगाया जाएगा।

शिविर के प्रभारी चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका (जयपुर) से प्राप्त जानकारी के अनुसार हर माह आयोजित होने वाले इन शिविरों में चूरू, झुंझुनूं, सीकर, नागौर, बीकानेर, हनुमानगढ़, और गंगानगर जिलों के मिर्गी रोग से ग्रस्त रोगी बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हैं।

1

शिविर आज: निकटवर्ती रतनगढ़ कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर तीन जनवरी को आयोजित किया गया है। शिविर के प्रभारी चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका के अनुसार इस शिविर से सैंकड़ों रोगी लाभान्वित होंगे। पत्रिका 3-1-98

आस-पास, 3-6-98

रतननगर में मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर 14 को

चूरू, 11 फरवरी (संस)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को निकटवर्ती रतननगर में आयोजित किए जाने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर किन्हीं अपरिहार्य कारणों से 7 फरवरी को आयोजित नहीं किया जा सका। अब यह शिविर 14 फरवरी को आयोजित होगा।

शिविर के प्रभारी डा. आर.के. सुरेका (जयपुर) ने बताया कि अगले माह से प्रथम शनिवार को आयोजित करने का क्रम पूर्ववत् जारी रहेगा। जागरण 12-2-98

निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर

चूरू, 2 जून (न.सं.)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह के प्रथम शनिवार को निकटवर्ती रतन नगर कस्बे में आयोजित होने वाला निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर इस माह 6 जून को लगाया जायेगा।

शिविर के प्रभारी चिकित्सक डॉ. आर. के. सुरेका (जयपुर) से प्राप्त जानकारी के अनुसार हर माह आयोजित होने वाले इन शिविरों में चूरू, झुंझुनूं, सीकर, नागौर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और गंगानगर जिलों के मिर्गी रोग से ग्रस्त रोगी बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हैं।

2

दैनिक भास्कर, 2-7-98

मिर्गी रोग निदान शिविर 6 को

चूरू, 1 जून (निप्र)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेखा ट्रस्ट के सौजन्य से माह के प्रथम शनिवार को निकटवर्ती रतननगर कस्बे में आयोजित होने वाला निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर इस माह 6 जून को लगाया जाएगा। हर माह आयोजित होने वाले इन शिविरों में चूरू, झुंझुनू, सीकर सहित कई जिलों के रोगी लाभान्वित होते हैं। ५

दैनिक जागरण, 25-7-98

शिविर के 2 वर्ष पूरे

जिले के रतननगर कस्बे में चल रहे नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर को 2 वर्ष पूरे हो गए है। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 425 रोगियों का इलाज किया गया व सभी को पूरे 2 वर्षों तक नि:शुल्क दवाईयां दी गईं। ३

पत्रिका, 25-7-98

मिर्गी निदान शिविर एक को

चूरू, 24 जुलाई [नि.सं.]। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती कस्बे रतननगर में दो वर्षों से अनवरत चल रहे नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में चार सौ 25 रोगियों का नि:शुल्क दवाइयां दी तथा उन्होंने प्रत्येक रोगी का सुविधानुसार इलाज किया। उन्होंने बताया कि अगला शिविर रतननगर में एक अगस्त को होगा जिसका निरीक्षण चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र राठौड़ करेंगे। पत्रिका ५

23 July 98

मिर्गी रोगी निराश न हों

भारतवर्ष की जनसंख्या 94 करोड़ में से करीब 53 लाख मिर्गी के रोगी हैं। भारत की 70 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है व 70 प्रतिशत चिकित्सक शहरों में अपनी सेवाएं देते हैं, न्यूरोलोजी विशेषज्ञ तो 100 प्रतिशत बड़े शहरों में ही उपलब्ध हैं। इस वजह से गांवों में करीब 38 लाख मिर्गी के रोगी अच्छी चिकित्सा से वंचित रहते हैं। ग्रामीण हिस्सों में मिर्गी रोग के बारे में अनेक आशंकाएं व गलतफहमियां हैं। इस रोग को देवी-देवताओं के प्रकोप या भूत-प्रेतों की नजर व अन्य रूढ़िवादी कारणों से होना माना जाता है और इसके इलाज के लिए भी देवी-देवताओं को खुश करना, झाड़ा-फूंकी करना व जूता सुंघाना आदि आज भी किया जा रहा है। मिर्गी रोग के इलाज के लिए भी भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर निशुल्क मिर्गी निदान शिविर राजस्थान प्रदेश के चूरू जिले के रतननगर कस्बे में प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को पिछले 2 वर्षों से लगाया जा रहा है। इसमें सभी मरीजों को निशुल्क दवाइयां श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह दी जा रही हैं। इसके मुख्य चिकित्सक सवाई मानसिंह चिकित्सालय के न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका हैं।

इस शिविर में पिछले 2 वर्षों में 425 रोगियों का निदान व उपचार किया गया। मिर्गी रोग के मुख्य कारण सिर में चोट लग जाना, अनुवांश खराबी हो जाना, प्रसव के समय बच्चे को श्वास नहीं आना, मस्तिष्क में रसौली हो जाना, मस्तिष्क में कीटाणुओं का संक्रमण हो जाना व शराब का सेवन इत्यादि पाए गए। स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों में रोग ज्यादा पाया गया, इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि स्त्रियां अपनी बीमारी को छिपाती हैं व चिकित्सा नहीं करवाती हैं। इस शिविर में रोगी चूरू, सीकर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, बीकानेर व हिसार जिलों से अपना इलाज करवाने आते हैं। डॉ. सुरेका के अनुसार मिर्गी रोग-लाइलाज नहीं है व नियमित रूप से दवाई लेने से 2 से 3 वर्ष में मिर्गी रोग का संपूर्ण इलाज भी संभव है। इस शिविर में आने वाले रोगियों में 52 प्रतिशत मरीजों के मिर्गी के दौरे दवाई लेने के पश्चात पूर्णरूप से नियंत्रित हो गए और अन्य 30 प्रतिशत मरीजों के दौरों पर आंशिक नियंत्रण प्राप्त किया गया। मिर्गी के 80 प्रतिशत रोगी 30 वर्ष से भी कम आयु के थे। इस रोग के बारे में यह पाया गया कि इस रोग का जितनी जल्दी इलाज करवाया जाए उतनी ही जल्दी दौरे नियंत्रित हो जाते हैं।

इस शिविर में पाया गया कि 50 से 60 प्रतिशत लोगों में केवल एक ही दवाई से दौरों को नियंत्रित किया जा सकता है। इस शिविर में यह बात उभर कर सामने आई है कि मिर्गी रोग का इलाज गांव में भी संभव है जहां पर बड़ी-बड़ी जांचें व विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध नहीं है फिर भी मात्र 100 से 150 रुपए प्रति माह का खर्चा कर नियमित दवाई लेने से मिर्गी नियंत्रित की जा सकती है। डॉ. सुरेका ने बताया है कि रोगी को मिर्गी का दौरा पड़ने पर रोगी को करवट से लिटा देना चाहिए और यह देखना चाहिए कि उसको चोट नहीं लग जाए, उसके कपड़े ढीले कर देने चाहिए। उसके मुंह में पानी, चम्मच व कपड़ा आदि नहीं डालना चाहिए।

उसके मुंह के झाग साफ कर देने चाहिए। थोड़ी देर में ही स्वत: ही मरीज का दौरा समाप्त हो जाता है व उसे चिकित्सक को दिखाकर नियमित दवाई दिलानी चाहिए। इस शिविर में पेंपलेट, चार्टस व वीडियो प्रदर्शन के द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा भी दी जाती है और मिर्गी के रोग के बारे प्रचलित सभी भ्रांतियां दूर की जाती हैं। मिर्गी का रोगी एक साधारण रोगी की तरह है। वह शादी कर सकता है, खेल-कूद सकता है, बच्चे पैदा कर सकता है। सिकंदर, नेपोलियन, दनियेल व जूलियस सीज़र आदि महान हस्तियां भी मिर्गी रोग से ग्रसित थीं, फिर भी उन्होंने विश्व में अपना नाम कमाया।

□ डॉ.आर. के. सुरेका
47, संजय मार्ग, हथरोई गढ़ीय, जयपुर

दैनिक जागरण, 5-8-98

निशुल्क मिर्गी निदान शिविर आयोजित

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 1999

मिर्गी शिविर में 286 मरीजों की जांच कर नि:शुल्क दवाएं दी गई

डा. सुरेका की पुस्तक रोगियों को दी गई

286 मिर्गी रोगियों को दवा प्रदान

दै. भुजपक्ष 9.3.99

चूरू (सोनी)। रतननगर पालिका मुख्यालय पर स्थित राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में नियमित आयोजित होने वाले मिर्गी निदान चिकित्सा शिविर के अंतर्गत विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने 286 मिर्गी रोगियों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई।

डा. एफ. एच. गौरी के अनुसार मिर्गी निदान नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के अंतर्गत मिर्गी रोग से ग्रसित कुल पांच सौ साठ पंजीकृत रोगियों में से 263 रोगियों का मिर्गी रोग अब नियंत्रित है तथा 62 रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो चुके हैं। सुरेका ट्रस्ट द्वारा इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से लाभान्वित हो रहे मिर्गी रोगियों में 65 प्रतिशत पुरुष व 35 प्रतिशत पुरुष रोगी हैं। डॉ. सुरेका ने शनिवार को आयोजित हुए चिकित्सा शिविर के अवसर पर मिर्गी रोग संबंधित पुस्तक का वितरण किया।

समाचार जगत, जयपुर, 4 अगस्त 1999

मिर्गी रोग निदान शिविर में छह सौ 50 रोगी पंजीकृत

चूरू (ब्यूरो)। मिर्गी रोग असाध्य नहीं है तथा नियमित रूप से परहेज के साथ दवा के सेवन से इसका पूर्णतया निदान सम्भव है। यह जानकारी निकटवर्ती कस्बे रतन नगर में संचालित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान के मासिक शिविर के मुख्य चिकित्सक डा. आर के सुरेका ने ...

दैनिक नवज्योति-15-11-1999

पौने तीन सौ रोगी लाभान्वित

चूरू, 8 मार्च (निसं.)। रतननगर पालिका मुख्यालय पर स्थित राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में नियमित आयोजित होने वाले मिर्गी निदान चिकित्सा शिविर के अन्तर्गत विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने दो सौ 86 मिर्गी रोगियों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाईयां उपलब्ध करवाई।

डॉ. एफ. एच. गौरी के अनुसार मिर्गी निदान नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के अन्तर्गत मिर्गी नेत्र से ग्रस्त कुल पांच सौ सात पंजिकृत रोगियों में से 263 रोगियों का मिर्गी रोग अब नियंत्रित हैं तथा 62 रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो चुके हैं। सुरेका ट्रस्ट द्वारा इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से लाभान्वित हो रहे मिर्गी रोगियों में 65 प्रतिशत पुरुष व 35 प्रतिशत स्त्री रोगी हैं। डॉ. सुरेका ने शनिवार को आयोजित हुए चिकित्सा शिविर के अवसर पर मिर्गी रोग सम्बन्धित पुस्तक का वितरण किया और पत्रकारों को बताया कि मिर्गी रोग साध्य हैं तथा इसका नियमित इलाज करवाने वाला रोगी पूर्ण रूप से स्वस्थ हो सकता हैं।

आस पास 9.3.99

दैनिक नवज्योति शेखावाटी विशेष 9.4.99

• चूरू • झुंझुनूं · सीकर • चूरू •

मिर्गी रोग निदान शिविर में ढाई सौ रोगियों की जांच

दै. नवज्योति 15-11-99

रतननगर में नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगा

चूरू, 14 नवम्बर (न्यूज सर्विस)। निकटवर्ती कस्बा रतन नगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर शनिवार को आयोजित किया गया।

शिविर के प्रमुख चिकित्सक व न्यूरोलोजिस्ट डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी एक आम आदमी की भांति जीवन यापन कर सकता है तथा अन्य स्वस्थ व्यक्तियों की तरह ही अपना कार्य कर सकता है। उन्होंने बताया कि कुछ परिस्थितियों जैसे की न सोना या कम सोना, नशीले पदार्थों का प्रयोग, मद्यपान, अत्यधिक मानसिक तनाव, भूखे रहना, तेज ज्वर, अत्यधिक पास से टेलीविजन देखना आदि अवस्थाओं में मिर्गी रोगियों को मिर्गी के दौरे बढ़ सकते है इसलिए इन अवस्थाओं से परहेज कर मिर्गी रोग का शीघ्र इलाज करवाना चाहिए।

शिविर में राजस्थान व आस-पास के राज्यों के मिर्गी के 725 रोगी पंजीकृत है जिनमें 70 प्रतिशत रोगियों को 20 वर्ष से कम उम्र में मिर्गी का पहला दौरा पड़ा था तथा अब 60 प्रतिशत रोगियों में मिर्गी का कोई कारण नहीं पाया गया।

शिविर में डॉ. सुरेका ने बताया कि यदि मिर्गी का रोगी नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करें तथा सावधानियां रखे तो 80 प्रतिशत रोगियों के दौरे नियंत्रित किए जा सकते है। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष तक नियमित दवाएं लेने से 60 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्णत: ठीक हो जाते है।

शिविर में डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा चिकित्सा अधिकारी, डॉ. प्रीतम मीणा, सेवा निवृत व्याख्याता प्रताप सिंह राठौड़ तथा समाज सेवी प्रकाश सुरेका ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

पत्रिका - 15-11-1999

मिर्गी रोग शिविर लगा

चूरू, 14 नवम्बर [नि.सं.]। मुख्यालय के निकटवर्ती कस्बे रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से हर माह आयोजित होने वाले निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर शनिवार को आयोजित किया गया।

शिविर के प्रमुख चिकित्सक व न्यूरोलोजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी एक आम आदमी की भांति जीवन पालन कर सकता है तथा अन्य स्वस्थ व्यक्तियों की तरह ही अपना कार्य कर सकता है। उन्होंने बताया कि कुछ परिस्थितियों जैसे कि न सोना या कम सोना, नशीले पदार्थों का प्रयोग, मद्यपान, अत्यधिक मानसिक तनाव, भूखे रहना, तेज ज्वर, अत्यधिक पास से टेलीविजन देखना आदि अवस्थाओं में किसी रोगियों को मिर्गी के दौरे पड़ सकते हैं। इसलिए इन अवस्थाओं से परहेज कर मिर्गी रोग का शीघ्र इलाज करवाना चाहिए।

शिविर में राजस्थान व आसपास के राज्यों के मिर्गी के 725 रोगी पंजीकृत हैं, जिनमें 70 प्रतिशत रोगियों को 20 वर्ष से कम उम्र में मिर्गी का पहला दौरा पड़ा था तथा अब 60 प्रतिशत रोगियों में मिर्गी का कोई कारण नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि सर में चोट लग जाना, मस्तिष्क ज्वर, कृमि के लार्वों द्वारा मस्तिष्क का संक्रमण व रसौली आदि से भी मिर्गी के दौरे पड़ सकते हैं। डा. सुरेका ने बताया कि यदि मिर्गी का रोगी नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करे तथा सावधानियां रखे तो 80 प्रतिशत रोगियों के दौरे नियंत्रित किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष तक नियमित दवाएं लेने से 60 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्णतः ठीक हो जाते हैं। शिविर में डा. श्याम सुन्दर शर्मा चिकित्सा अधिकारी, डा. प्रीतम मीणा, सेवानिवृत्त [illegible] प्रताप सिंह राठौड़ तथा समाजसेवी प्रकाश सुरेका ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

पत्रिका 15-11-99

समाचार जगत - 4-8-1999

मिर्गी रोग निदान शिविर में छह सौ 50 रोगी पंजीकृत

चूरू (ब्यूरो)। [illegible]

समाचार जगत 4-8-99

सीकर

राज्य सरकार गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध-चौधरी

आस-पास - 15-11-1999

मिर्गी रोग असाध्य नहीं -डा. सुरेका

चूरू, 2 अगस्त [नि.सं.]। मिर्गी रोग असाध्य नहीं है तथा नियमित रूप से परहेज के साथ दवा के सेवन से इसका पूर्णतया निदान सम्भव है। यह जानकारी निकटवर्ती कस्बे रतननगर में संचालित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान के मासिक शिविर के मुख्य चिकित्सक डा. आर.के. सुरेका ने जनहित में दी।

डा. सुरेका ने सन्दर्भ शिविर के संचालन के सफलतम तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 'पत्रिका' को बताया कि सन् 1996 से त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रारम्भ हुए निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में अब तक छह सौ पचास रोगी पंजीकृत हुए हैं जिनमें गंगानगर, हनुमानगढ़, भादरा, चूरू, बीकानेर, सिरसा, सीकर, झुंझुनूं आदि क्षेत्रों के मरीज शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि पंजीकृत मरीजों में साठ फीसदी रोगियों के मिर्गी दौरे पूर्णतया नियंत्रित हैं तथा तीस फीसदी मरीजों के दौरे अस्सी प्रतिशत तक नियंत्रित हो गए हैं।

डा. सुरेका ने बताया कि ट्रस्ट व सरकार के सहयोग से लगभग एक लाख अस्सी हजार गोलियां एप्टोइन, बहत्तर हजार गार्डिनाल, बारह हजार कार्बामेजेपिन व दस हजार गोलियां सोडियम वेल्प्रोएट पिछले एक वर्ष के दौरान मिर्गी रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।

उन्होंने बताया कि माह के प्रत्येक प्रथम शनिवार को आयोजित यह शिविर आगामी सात अगस्त को प्रातः नौ बजे से आरम्भ होगा।

दैनिक नवज्योति
आस-पास 15-11-99

चूरू : निकटवर्ती ग्राम रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में मरीजों को देखते हुए डॉ. आर. के. सुरेका।

मिर्गी निदान उपचार शिविर संपन्न

संवाद सहयोगी

चूरू, 4 जनवरी। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजित मासिक नि:शुल्क मिर्गी निदान उपचार शिविर संपन्न हुआ।

पिछले 4 वर्ष से प्रतिमाह लगाए जाने वाले इस शिविर के मुख्य चिकित्सक व न्यूरोलाजिस्ट डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि इस शिविर में लगभग 80 प्रतिशत रोगियों के दौरे काबू में हो गए।

उन्होंने बताया कि महिलाएं जो इस रोग से ग्रस्त हैं, अन्य लोगों की भांति विवाह कर सकती हैं। उनसे उत्पन्न संतानें भी स्वस्थ रहती हैं। अगले माह 5 फरवरी 2000 में शनिवार को यह शिविर पुनः लगेगा। दैनिक जागरण 5-1-2000

दैनिक भास्कर 6-2-2

मिर्गी रोग शिविर संपन्न : जिला मुख्यालय के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से गत चार वर्षों से प्रतिमाह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर शनिवार को संपन्न हुआ। शिविर के मुख्य चिकित्सक व न्यूरोलोजिस्ट डा. आर.के. सुरेका ने बताया कि यहां 750 मिर्गी रोगी पंजीकृत हैं। उन्होंने इस अवसर पर मिर्गी रोग से बचने के उपाय सुझाएं। शिविर में 280 मरीजों को पूरे माह की नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, डा. पवन प्रकाश गोयल, रतननगर के चिकित्सा अधिकारी डा. श्यामसुंदर शर्मा, डा. प्रीतम मीणा भी इस मौके पर उपस्थित थे। दैनिक 6-2-2k

पत्रिका- 6-2-2000

रतननगर में मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू, 5 फरवरी (नि.सं.)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर शनिवार को संपन्न हुआ।

तननगर में चार वर्षों से माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि शिविर में डॉ. पवन प्रकाश गोयल, डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, समाज सेवी प्रताप सिंह राठौड़ व प्रीतम मीणा का सहयोग रहा। शिविर में 280 रोगियों को पूरे माह की नि:शुल्क दवाई दी गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि यहां मिर्गी के साढ़े सात सौ रोगी पंजीकृत है, जिनका नियमित इलाज चल रहा है इनमें से अनेक रोगी अब पूर्णतया स्वस्थ

रतननगर में मिर्गी रोग निदान शिविर

पत्रिका 6-2-2000

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2000

नव वाणिज्य दूत - 7-2-2000

मिर्गी के रोगियों के लिये शिविर लगा

चूरू, (नि.सं.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से गत 4 वर्षों से प्रतिमाह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाला निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर शनिवार को सम्पन्न हुआ।

शिविर के मुख्य चिकित्सक व न्यूरोलोजिस्ट डॉ.आर.के.सुरेका ने बताया कि यहां 750 मिर्गी रोगी पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि कुछ सावधानियां बरतने से मिर्गी के दौरो से बचा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी यदि नियमित रूप से दवाईयों का सेवन करें, भूखा न रहे, रात को देर से ना सोयें, शराब का सेवन ना करें तो मिर्गी के दौरो से बच जा सकता है।

उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को तालाब आदि में नहीं नहाना चाहिये, तैरना नहीं चाहिए, आग के आगे काम नहीं करना चाहिये, ऊंचे पहाड़ो पर नही जाना चाहिये तथा टीवी को नजदीक से नहीं देखना चाहिये। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी अन्य आम आदमी की तरह अपना जीवन जी सकता है व अपनी रोजी रोटी कमा सकता है।

शिविर में 280 मरीजों को पूरे माह की निशुल्क दवाईयां वितरित की गई। शिविर में समाज सेवी प्रताप सिंह राठौड़, डॉ. पवन प्रकाश गोयल, रतननगर के चि.अ.डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ. प्रीतम मीणा का पूर्ण सहयोग रहा।

नव वाणिज्य दूत 7-2-2000

पत्रिका 10-4-2000

रतननगर में मिर्गी रोग निदान शिविर

राष्ट्रदूत - 2-7-2000

मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न

चूरू, (नि.सं.)। निकटवर्ती रतननगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न हुआ।

शिविर प्रभारी डा: आर.के.सुरेका (न्यूरोफिजिशियन सवाईमानसिंह चिकित्सालय-जयपुर) ने बताया कि मिर्गी के कारणों में गन्दी सब्जियां व फल खाना भी हो सकता है जिसमें जीवाणु दिमाग में पहुंचकर मिर्गी रोग का कारण बनते हैं। मिर्गी रोग का इलाज जितना जल्दी शुरू किया जाये- फायदा उतना ही जल्दी होता है। इस रोग में इलाज के लिये दवाईयां कम से कम 4-5 साल लेनी पड़ती है।

डा: सुरेका ने बताया कि रोगी को वाहन नहीं चलाना, चाहिये टीवी दस फुट से देखना चाहिये व तालाब झरने, तरणताल में स्नान नहीं करना चाहिये।

कैम्प में डा: आनन्द शर्मा, डा: राजेश शर्मा, डा: पवन गोयल, प्रतापसिंह राठोड़, आमीनखां व समाज सेवी प्रकाश सुरेका व सुरेन्द्र कुमार सरावगी ने भी सहयोग दिया।

आस-पास खबर - 2-7-2000

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2000

समाचार जागत 4-7-2000

रतन नगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न

रतननगर कस्बे में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगी की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

दैनिक जागरण - 4-9-2000

चूरू में समाजसेवी त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट रतननगर द्वारा डा.आर.के. सुरेका ने निशुल्क मिर्गी रोग के निदान शिविर में रोगियों की ईईजी की जांच की।

राष्ट्रदूत- 13-8-2000

रतनगर में हर माह लगने वाले चिकित्सा शिविर में डॉ. सुरेका मरीज महिला की जांच करते हुए। डा. सुरेका अपनी माताजी के नाम से बनाए गये ट्रस्ट की ओर से मुफ्त इलाज करते हैं।

राष्ट्रदूत 13.8.00

प्रादेशिक

मिर्गी के दौरे मानसिक तनाव के कारण पड़ते हैं

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2000

दैनिक युगपक्ष पृष्ठ-2, 5 सितम्बर 2000

मिर्गी रोगियों की जांच व दवा दी गई

दैनिक युगपक्ष- 5-9-2000

नियमित उपचार से मिर्गी रोग का निदान संभव:डॉ. सुरेका

दैनिक युगपक्ष - 13-11-2000

नियमित उपचार से मिर्गी रोग का निदान संभव-डॉ. सुरेका

प्रातःकाल 4-12-2000

प्रादेशिक

मिर्गी के दौरे मानसिक तनाव के कारण पड़ते हैं

समाचार जेक 5-9-20

दैनिक नवज्योति- 4-9-2000

चिकित्सा विज्ञान की नई तकनीक गांवों तक पहुंचाएं - चौधरी

आस-पास सीकर - 3-9-2001

निःशुल्क मिर्गी कैम्प सम्पन्न

दैनिक नवज्योति - 8-11-2001

सलाह अनुसार दवा के सेवन से मिर्गी का उपचार संभव

अधिक टी.वी. देखना भी मिर्गी रोग को बुलावा

Dainik Navjyoti 18/XI/2001

प्रतिशत रोगियों में दौरों का पूरा इलाज सम्भव

अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस

दैनिक नवज्योति, चूरू 8-4-02

चूरू रतन नगर के त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। फोटो: जगदीश सोनी

सीकर-चूरू-झुंझुनूं

नियमित उपचार से मिर्गी रोग का निदान संभव- डा. सुरेका

दैनिक नवज्योति ▪ जयपुर, शुक्रवार, 8 नवम्बर 2002

लाइलाज नहीं है मिर्गी रोग

नगर प्रतिनिधि

जयपुर, 7 नवम्बर। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के न्यूरोलोजी विभाग के डॉ. आर.के. सुरेका का सुझाव है कि किसी व्यक्ति को यदि अचानक मिर्गी का दौरा पड़े तो घबराना नहीं चाहिए। दो-चार मिनट बाद मरीज सामान्य हालत में आ जाता है और उसके बाद उसे तुरन्त चिकित्सक को दिखाया जा सकता है।

डॉ. सुरेका ने न्यूरोलाजी विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त कर राजस्थान में प्रथम डीएनबी होने का गौरव हासिल किया है। इसमें विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक पानगड़िया का मार्गदर्शन भी उन्हें मिला। वे पिछले 14 वर्षों से न्यूरोलोजी विभाग में हैं और इस दौरान करीब 50 लेख राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। वे पिछले आठ वर्षों से चूरू के निकट गांव में निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि मिर्गी के 60-70 फीसदी मामलों में तो रोग का मूल कारण ही पता नहीं चल पाता। 10-20 प्रतिशत लोगों में यह रसौली, दिमाग में कीड़े, सिर की अन्दरूनी चोट और दिमाग की टीबी के कारण होता है। करीब 60 प्रतिशत लोगों में यह दवा से बिल्कुल ठीक हो जाती है, जबकि 30 फीसदी में इसे नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. सुरेका के अनुसार मिर्गी का दौरा पड़ने पर मरीज को एक बार आराम से लेटा देना चाहिए। उसे जूता न सुंघाएं और न ही मुंह में कपड़ा ठूंसें, मुंह में तरल पदार्थ भी नहीं डालना चाहिए। दौरे के दौरान मरीज कुछ देर के लिए बेहोश हो जाता है और होश में आते ही उसे तुरन्त चिकित्सक को दिखाना चाहिए। उनका कहना है कि मिर्गी का अब जांच से आसानी से पता भी चलने लगा है जिससे उपचार आसान हुआ है। कुछ लोगों को पहले भी अहसास हो जाता है जिसमें चक्कर आना, आंखों के आगे तारे और अजीब चित्र दिखाई देना भी है। 5/11/02

जब दौरा पड़ जाए

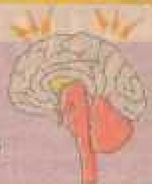

क्या करें ✓

- मरीज को आराम से लेटा दें
- होश में आने पर चिकित्सक को दिखाएं

क्या न करें ✗

- जूता सुंघाना
- मुंह में कपड़ा ठूंसना
- तरल पदार्थ पिलाना

दैनिक नवज्योति - 6-8-2003

चूरू लोकदूत - 4-10-2003

107वां नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर सम्पन्न

चूरू लोकदूत हिन्दी दैनिक

दैनिक नवज्योति - 3-8-2003

दैनिक नवज्योति — जयपुर, रविवार, 3 अगस्त, 2003 ~ 3

तेरह सौ पचास मिर्गी रोगियों का पंजीकरण

राष्ट्रदूत - 3-10-2003

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्री गोवर्धन दास झींमी देवी सुरेखा राजकीय विद्याश्रम का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति करणी सिंह राठौड़। फोटो : महेन्द्र सोनी

सुरेखा विद्याश्रम स्कूल के भवन का लोकार्पण

चूरू, (नि.सं.)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति करणी सिंह राठौड़ ने कहा कि अपनी जन्म भूमि से दूर रहकर हम अपने क्षेत्र की सेवा करना ही सही मायने में सामाजिक सेवा है। न्यायाधिपति गुरुवार को मुख्यालय के निकटवर्ती कस्बे रतनगर में गोवर्धन दास झींमी देवी सुरेखा राजकीय विद्याश्रम के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर जिला सैशन न्यायाधीश मो. हनीफ, स्थानीय विधायक राजेन्द्र राठौड़, जिला प्रमुख रामदेव सिंह ढाका, अपर जिला सैशन न्यायाधीश गोपेश चन्द्र दीक्षित, अधिवक्तागण एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

दैनिक नवज्योति - 14-9-2003

समाचार–पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2003

जाम छलकाने पर मिर्गी की आशंका

नगर प्रतिनिधि

जयपुर, 9 नवम्बर। जाम छलकाने पर लोग भले ही खुद को मस्त महसूस करते हों लेकिन यह मिर्गी रोग का भी कारण बन सकता है। नींद पूरी न लेने, अत्यधिक मानसिक तनाव और बहुत नजदीक से टीवी देखने से भी मिर्गी हो सकती है। रोग होने पर इसकी दवा अपने आप बंद करने से भी दौरा पड़ सकता है।

मिर्गी रोग के उपचार में लगे सवाई मानसिंह चिकित्सालय की न्यूरोलॉजी इकाई के डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि यह बीमारी असाध्य नहीं है। सवाल इसके बेहतर उपचार का है। कई लोग भ्रांतियों का शिकार होकर गलत राह चुनते हैं जिससे मामला गम्भीर हो जाता है। इस रोग के प्रति जागरूकता लाने के लिए डॉ. सुरेका ने एक पुस्तक भी लिखी है और पिछले दस वर्षों से चूरू जिले के रतन नगर कस्बे में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शिविर भी आयोजित करते आ रहे हैं। इस शिविर में आने वाले रोगियों को वे एक माह तक मिर्गी रोग की दवा भी निःशुल्क देते हैं। अपने अनुभव बताते हुए डॉ. सुरेका ने बताया कि इस शिविर में अब तक 1400 रोगी पंजीकृत हैं, जिनमें से करीब 60 से 70 प्रतिशत रोगियों के दौरे सम्पूर्ण नियंत्रित हैं। अन्य 20 से 25 प्रतिशत मरीजों के दौरे भी बहुत कम हो गए हैं व इस प्रकार 90 प्रतिशत रोगी दवाई लेते हुए मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है, बच्चे पैदा कर सकता है और महिला बच्चों को दूध पिला सकती है।

मिर्गी शिविर हर माह के प्रथम शनिवार को चूरू जिले में रतन नगर कस्बे में लगाया जा रहा है। दै.भा. 10.11.03

■ मिर्गी रोगियों के हालचाल पूछते डॉ. सुरेका

दैनिक नवज्योति - 1-11-2003

आगे निकलने की होड़ में 'स्ट्रेस'

परिवार के लिए समय निकालने से राहत

नगर प्रतिनिधि

[illegible]

दैनिक नवज्योति - 10-11-02

राजस्थान पत्रिका - 1-11-2003

रतननगर के राजकीय अस्पताल में शनिवार को लगे मिर्गी रोग निदान शिविर में जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

मिर्गी रोग निदान शिविर

तीन सौ को दवाई

चूरू, 1 नवम्बर 03

रतननगर कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में श्रीमती शिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को मिर्गी रोग निदान का निःशुल्क शिविर लगाया गया।

शिविर में डॉ. आर.के. सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच [illegible] किया। शिविर में आने वाले तीन सौ रोगियों को एक माह की दवा दी जाती है तथा दूसरे माह फिर उनकी जांच कर दवा दी जाती है।

डॉ. मुकुट [illegible], अमोल खां, राजू खां और प्रकाश सुरेका ने शिविर में सहयोग दिया।

दैनिक नवज्योति - 15-12-2003

राजस्थान पत्रिका - 13-12-2003

चार सौ मिर्गी रोगियों की जांच

चूरू लोकदूत - 14-12-2003

दैनिक युगपक्ष - 16-12-2003

चूरू के रतननगर में चिरंजी देवी सुरेका वेरिटेबल ट्रस्ट आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका

मिरगी जांच कैंप में भारी भीड़

चूरू (निप्र)। रतननगर में चिकित्सालय में लगने वाले निःशुल्क मिरगी कैंप में इस बार भारी भीड़ रही। करीब 400 रोगियों का सुचारु पंजीकरण किया गया। इस बार यह कैंप दूसरे शनिवार को आयोजित किया गया। प्रधान चिकित्सक एवं एसएमएस में सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि लगातार कैंप में मरीजों की संख्या कुल 1500 तक पहुंच चुकी है जिसमें से 1100 रोगियों का इलाज पूर्ण रूप से पूरा हो गया है तथा इलाज बंद हो चुका है। कैंप में डॉ. एन.एस. गोठे ने विशेष सेवाएं प्रदान की तथा समाजसेवी सुरेन्द्र सारस्वत, प्रकाश सुरेका, आमीन खां, राजू खां व ज्ञानी देवी ने सहयोग दिया। अगला कैंप 3 जनवरी 2004 को लगेगा। दै. युगपक्ष 16-12-03

सुरेका ट्रस्ट द्वारा आयोजित मिर्गी कैम्प में भीड़ उमड़ी

दैनिक नवज्योति 17-11-2003

रुढ़िवाद के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मिर्गी रोगी ज्यादा

नगर प्रतिनिधि

जयपुर, 16 नवम्बर। ग्रामीण इलाकों में मिर्गी रोगी अधिक हैं और वहां इस मर्ज के प्रति रूढ़िवादी मान्यताओं के चलते उसका समय पर उपचार नहीं हो पाता। आमतौर पर बेहतर चिकित्सा, नियमित दवा के जरिए दो से तीन साल में इस रोग से निजात दिलाया जा सकता है। सवाई मानसिंह अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि गांवों में अभी भी यह धारणा प्रचलित है कि यह रोग दैवीय या भूत-प्रेत का प्रकोप है। इसके लिए झाड़ा-फूंकी, जूता सुंघाना जैसे काम किए जाते हैं जिसका कोई असर नहीं होता। मर्ज बढ़ता ही जाता है। चिकित्सा से ही इससे निजात मिल सकती है।

डॉ. सुरेका के अनुसार मिर्गी रोग के इलाज के लिए भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर चूरू जिले के रतननगर कस्बे में प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को पिछले 9 वर्षों से लगाया जा रहा है। मिर्गी रोग के मुख्य कारण सिर में चोट लग जाना, जन्मजात खराबी हो जाना, प्रसव के समय बच्चे को श्वांस नहीं आना, मस्तिष्क में रसौली हो [illegible]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2004

दैनिक नवज्योति - 7-1-2004

झुंझुनूं-हनुमानगढ़ ~ जयपुर, बुधवार, 7 जनवरी, 2004 ~ 5

राजस्थान पत्रिका, सीकर - 6-6-2004

चूरू के रतननगर कस्बे में शनिवार को आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

मिर्गी शिविर में 402 लाभान्वित

चूरू, 5 जून। रतननगर के राजकीय चिकित्सालय में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में चार सौ दो रोगियों को लाभान्वित किया गया।

चिकित्सालय में प्रत्येक माह के पहले शनिवार को आयोजित होने वाले शिविर में जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल के मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने रोगियों की जांच व [illegible] किया। शिविर में डॉ. सुरेका ने रोगियों को नियमित दवा लेने की हिदायत देते हुए कहा कि नियमित इलाज से मिर्गी रोग से रोगी को मुक्ति मिल सकती है। शिविर में डॉ. एम.एल. मीरी, डॉ. आनन्द शर्मा, डॉ. जयसिंह ने रोगियों की जांच की। (नि.सं.)

चूरू लोकदल - 5-7-2004

चूरू लोकदल 5 जुलाई, 2004

नि:शुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर में 350 रोगी लाभान्वित

चूरू, 4 जुलाई (निसं) जिला मुख्यालय के समीपवर्ती कस्बे रतननगर में श्रीमती

त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गत दिवस आयोजित नि:शुल्क मासिक मिर्गी रोग निदान शिविर अन्तर्गत 350 रोगियों की चिकित्सकीय जांच कर नि:शुल्क दवा वितरित की गई।

शिविर में मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजीशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि अब केवल एक गोली रोजाना रात्रि को लेने से मिर्गी का उपचार सम्भव है। उन्होंने बताया कि सस्ती और सुलभता से मिलने वाली इस गोली के कारण मरीज द्वारा दवाई का सेवन सरल हो जाता है।

उन्होंने बताया कि छिपी हुई मिर्गी के निदान हेतु एक नई तकनीक तलाश की गई है। उन्होंने बताया कि एम्बुलेटरी ई.ई.जी. नामक जांच से रोगी को दिन या रात में आने वाले छोटे-छोटे दौरों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। शिविर में डॉ. एफ. एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, कुलदीप सिंह महरोक, प्रकाश सुरेका, आमीन खां, सुरेन्द्र सरावगी, जाफर ताजूखां व भंवरी बाई आदि ने सहयोगी भागीदारी की।

राजस्थान पत्रिका - सीकर 6-3-2004

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

दैनिक नवज्योति - चूरू - 10-3-2004

चूरू के रतननगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। -फोटो : नवज्योति

समाचार चौकी - चूरू
4 अप्रेल 2004

निःशुल्क निदान चिकित्सा शिविर सम्पन्न

चूरू 3 अप्रैल (नि.स.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में निःशुल्क निदान चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ।

शिविर श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस शिविर में अनेक रोगियों ने अपना उपचार कराया। शिविर में दक्ष चिकित्सकों द्वारा सेवाएं दी जा रही है। शिविर में रोगियों के चेहरों पर भारी उत्साह देखा गया। शिविर में राजकीय चिकित्सालय के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह ने भी सेवाएं देकर रोगियों की जांच की।

इस अवसर पर प्रताप सिंह, डॉ. कुलदीप महराक ने भी सेवा देकर शिविर का पुण्य कमाया।

चूरू के रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जाँच करते जयपुर एस.एम.एस. के न्युरों फिजीशियन डॉ. आर. के.सुरेका प्रेसफोटो :- महेन्द्र सोनी

चूरू में मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच की गई।

मिरगी कैम्प में उमड़ी भीड़

चूरू, (निसं.)। प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से रतन नगर में आयोजित मिरगी रोग निदान शिविर में भारी भीड़ उमडी। इस बार मरीजों की संख्या 402 रही। प्रधान चिकित्सक डा. राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि कैम्प में चूरू के आस पास के अलावा हरियाणा, बीकानेर, पंजाब व आसपास के क्षेत्रों से बहुत से नये रोगी हर बार आते हैं। डा. सुरेका ने बताया कि मिरगी का रोग पूरी दवाई समय पर लेने पर नियंत्रित रह सकता है। इस कैंप में इस बार हमने पाया कि रोगी को एक तरह की गोली दिन में एक बार देने पर भी मिरगी नियंत्रित की जा सकती है।

दैनिक युगपक्ष - 8-6-2004
बीकानेर

मिरगी कैंप में उमड़ी भारी भीड़

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2004

सीमा सन्देश, श्रीगंगानगर - 6-7-2004

सीमा सन्देश श्रीगंगानगर 06 जुलाई, 2004

एक गोली रोज से भी मिर्गी का इलाज सम्भव : डॉ. सुरेका

चूरू। गांव रतननगर के श्रीमती त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। (फोटो : जगदीश सोनी)

चूरू, 5 जुलाई (सोनी)। श्रीमती त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में हर माह प्रथम शनिवार को चूरू जिले के रतननगर कस्बे में लगने वाले निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर के मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेका ने यह जानकारी दी कि अब केवल एक गोली रोज रात को लेने से भी मिर्गी रोग का इलाज सम्भव है। आजकल इस तरह की औषधियों का निर्माण हुआ है, जिन्हें एक ही बार लेकर पूरे दिन उनका असर रहता है। इस तरह की औषधियां काम में लेने से मरीज द्वारा दवाई का सेवन सरल हो जाता है। खास बात यह है कि यह दवाईयां ज्यादा महंगी भी नहीं है। इस शिविर में हर माह की भांति तीन सौ पचास मरीजों को निःशुल्क दवाई श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में वितरित की गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि छिपी हुई मिर्गी रोग के निदान के लिए तकनीक खोज निकाली गई है। एम्बुलेटरी, ईईजी, नाक की जांच से मरीज को दिन या रात में छोटे से छोटे दौरे की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

शिविर में डॉ. एफ.एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, आमीन खां, सुरेन्द्र सरावगी, जाफर, ताजू खां, झंवरी बाई, डॉ. कुलदीप सिंह महरोक ने अपना सहयोग प्रदान किया।

समाचार जगत 17 अगस्त 2004 (5)

डॉ. सुरेका सम्मानित

चूरू, (ब्यूरो)। स्थानीय खेल स्टेडियम में स्वाधीनता दिवस के अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए मुख्य अतिथि सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री राजेन्द्र राठौड द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. आर.के. सुरेका सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर में न्यूरोफिजिशियन है।

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 5 सितम्बर, 2004

चार सौ मिर्गी रोगी लाभान्वित

चूरू, 4 सितम्बर

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में शनिवार को श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निःशुल्क मिर्गी रोग उपचार चिकित्सा शिविर में चार सौ मिर्गी रोगियों को लाभान्वित किया गया।

एस.एम.एस. जयपुर के वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच व उपचार किया। शिविर में एक हजार मिर्गी रोगी पंजीकृत है। डॉ. सुरेका ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से नियमित रूप से दवा लेने वाले अनेक मिर्गी रोगी पूर्णतया स्वस्थ हो चुके है। लगातार तीन साल तक दवा लेने वाले मिर्गी रोगी स्वस्थ हो सकते है। मिर्गी रोग अभिशाप नहीं है। यह साधारण रोग है। इसका उपचार संभव है।

चूरू जिले के रतननगर में शनिवार को निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मरीजों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

पत्रिका, सीकर - 8 अगस्त, 2004

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में शनिवार को श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

मिर्गी रोग शिविर में चार सौ लाभान्वित

चूरू, 7 अगस्त

[illegible]

भास्कर, सीकर - 6 नवम्बर 2004

मिर्गी रोग पर प्रदर्शनी वीडियो शो आज

चूरू, 5 नवम्बर (नि.सं.)। विश्व मिर्गी दिवस के अवसर पर श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में छः नवम्बर को रतननगर के राजकीय चिकित्सालय में निशुल्क प्रदर्शनी व विडियो शो भी आयोजित किया गया है। इस प्रदर्शनी में मिर्गी रोग के कारण उपचार व सामाजिक चेतना के बारे में विस्तृत जानकारी दी व निशुल्क दवा भी वितरित की जायेगी।

समाचार-चौकी - चूरू

4 अप्रेल 2004

नि:शुल्क निदान चिकित्सा शिविर सम्पन्न

चूरू 3 अप्रैल (नि.स.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में नि:शुल्क निदान चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ।

शिविर श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस शिविर में अनेक रोगियों ने अपना उपचार कराया। शिविर में दक्ष चिकित्सकों द्वारा सेवाएं दी जा रही हैं। शिविर में रोगियों के चेहरों पर भारी उत्साह देखा गया। शिविर में राजकीय चिकित्सालय के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह ने भी सेवाएं देकर रोगियों की जांच की।

इस अवसर पर प्रताप सिंह, डॉ. कुलदीप महरांक ने भी सेवा देकर शिविर का पुण्य कमाया।

चूरू के रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगीयों की जॉच करते जयपुर एस.एम.एस. के न्युरों फिजीशियन डॉ. आर. के.सुरेका प्रेसफोटो :– महेन्द्र सोनी

चूरू में मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच की गई।

मिरगी कैम्प में उमड़ी भीड़

चूरू, (निसं.)। प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से रतन नगर में आयोजित मिरगी रोग निदान शिविर में भारी भीड़ उमडी। इस बार मरीजों की संख्या 402 रही। प्रधान चिकित्सक डा. राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि कैम्प में चूरू के आस पास के अलावा हरियाणा, बीकानेर, पंजाब व आसपास के क्षेत्रों से बहुत से नये रोगी हर बार आते हैं। डा. सुरेका ने बताया कि मिरगी का रोग पूरी दवाई समय पर लेने पर नियंत्रित रह सकता है। इस कैंप में इस बार हमने पाया कि रोगी को एक तरह की गोली दिन में एक बार देने पर भी मिरगी नियंत्रित की जा सकती है।

दैनिक युगपक्ष - 8-6-2004
बीकानेर

मिरगी कैंप में उमड़ी भारी भीड़

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2004

दैनिक नवज्योति | जयपुर, सोमवार, 6 दिसम्बर, 2004 | 10

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।
-फोटो: जगदीश सोनी

राजस्थान पत्रिका | सीकर, रविवार, 5 दिसम्बर, 2004 | चूरू-झुंझुनूं | 13

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।
पत्रिका फोटो

राजस्थान पत्रिका | सीकर, रविवार, 2 जनवरी, 2005

शिविर में चार सौ रोगी लाभान्वित

चूरू, 1 जनवरी

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर ने 11वें वर्ष में प्रवेश किया तथा नए वर्ष के पहले शनिवार को आयोजित शिविर में चार सौ रोगियों को लाभान्वित किया गया। पूर्व आई.ए.एस. मूंगालाल सुरेका की प्रेरणा से दस वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर मिर्गी रोगियों के लिए वरदान साबित हुआ। वर्ष के प्रथम शनिवार को आयोजित शिविर में जयपुर एस.एम.एस. अस्पताल के मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. सुरेका ने रोगियों की जांच व उपचार किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि शिविर में लगभग दो हजार मिर्गी रोगी पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि यह असाध्य रोग नहीं है। नियमित उपचार व दवा लेने वाला रोगी इस रोग से मुक्ति पा सकता है। उन्होंने बताया कि शिविर में नियमित आने वाले रोगियों में बीस प्रतिशत रोगी पूर्णतया स्वास्थ्य हो चुके है। शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ. जी.सी. जाला ने भी रोगियों की जांच की। [नि.सं.]

चूरु के निकटवर्ती रतननगर कस्बे के शनिवार को राजकीय अस्पताल में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में एक रोगी की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

दैनिक समाचार चौकी | चूरू, 4 जनवरी, 2005

चूरू रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। प्रेसफोटो :- महेन्द्र सोनी

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2005

महका भारत · 6-2-2005

मिर्गी रोग अभिशाप नहीं - डॉ. सुरेका

चूरू, 5 फरवरी

जयपुर एस.एम.एस. अस्पताल के प्रमुख न्यूरोफिजीशियन डॉ. आर.के. सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग एक मस्तिष्क रोग है यह रोग अभिशाप नहीं है।

[रतननगर में निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित]

डॉ. सुरेका शनिवार को निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मिर्गी एवं हिस्टीरिया रोग में काफी फर्क है लेकिन कई बार अशिक्षित चिकित्सक (नीम-हकीम) द्वारा हिस्टीरिया के रोगियों को मिर्गी की दवा शुरू कर देते हैं। जो रोगियों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। उनका कहना था कि हिस्टीरिया एक तनावजनित मानसिक रोग है जिसका इलाज मनोचिकित्सक से करवाना चाहिए।

शनिवार को आयोजित इस निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जिले के अलावा आस-पास के जिलों के सैकड़ों मिर्गी रोगी आए और डॉ. सुरेका से चिकित्सकीय परामर्श लिया। शिविर में आए समस्त मिर्गी रोगियों को ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.पी. मुडानिया, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह सहित कई चिकित्सकों एवं कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया। [नि.सं.]

सीकर, रविवार 6 फरवरी, 2005 राजस्थान पत्रिका

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

दैनिक नवज्योति • जयपुर, सोमवार, 7 फरवरी, 2005

दैनिक नवज्योति 7 फरवरी

शिविर: रतननगर के अस्पताल में ... मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। फोटो:जगदीश सोनी

राजस्थान पत्रिका • सीकर, रविवार 5 जून, 2005

चूरू के रतननगर कस्बे में शनिवार को सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मिर्गी रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

मिर्गी रोग लाइलाज नहीं-डॉ. सुरेका

चूरू, 4 जून। ... न्यूरोफिजीशियन डॉ. आर.के. सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग ... [illegible] ... [नि.सं.]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2005

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 3 अप्रेल, 2005

चूरू के रतननगर कस्बे में शनिवार को राजकीय नेत्र चिकित्सालय में श्रीमती त्रिवेनी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में एक रोगी की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

सीकर क्रय केन्द्र पर 234 बोरी सरसों की खरीद

सीकर, 2 अप्रेल। राज्य सरकार द्वारा स्थापित सरसों खरीद केन्द्र पर अभी तक सिर्फ 20 किसानों से 234 बोरी सरसों की खरीद की गई है।

केन्द्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीकर क्रय-विक्रय सहकारी समिति के प्रशासक एन.के. मीणा ने बताया कि शनिवार को 93 बोरी सरसों की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तक 141 बोरी सरसों की खरीद हुई थी, जिनका 2 लाख 3 हजार 745 रुपए का भुगतान बैंक द्वारा संबंधित किसानों को कर दिया गया है।

मिर्गी रोग शिविर में चा

चूरू, 2 अप्रेल। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेनी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से एक दशक से जारी मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर के क्रम में शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में चार सौ रोगियों को लाभान्वित किया गया। एस.एम.एस. जयपुर के मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच एवं उपचार किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग ठीक हो सकता है, आवश्यकता है उन्हें नियमित दवा लेने के साथ-साथ जांच कराने की है।

शिविर में डॉ. एस.एच. गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह ने भी रोगियों की जांच की। इसके अलावा सार्वजनिक ...

राजस्थान पत्रिका | सीकर | रविवार | अक्टूबर 2, 2005

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

मिर्गी के दौरे आने पर जूता सुंघाना गलत-सुरेका

[illegible]

सिटी भास्कर

14 नवम्बर 2005

कम उम्र में ज्यादा होती है एपिलेप्सी

सिटी रिपोर्टर

[illegible]

चूरू, (राजस्थान) 3 जुलाई, 2005 पृष्ठ 4

चूरू के रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। छायाचित्र :- महेन्द्र सोनी

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से चिकित्सा की आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते हुए डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

चिकित्सा शिविर में चार सौ लाभान्वित

मिर्गी उपचार की नई दवाइयां उपलब्ध -डॉ. सुरेका

चूरू, 3 सितम्बर (कासं)। [illegible]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2005-2006

राजस्थान पत्रिका
13 नवम्बर 2005

राज्य का बचपन मिर्गी रोग की चपेट में!

Jaipur Live
13 Nov. 2005

'3 out of 1,000 persons have epilepsy'

HT Live Correspondent

THE PREVALENCE rate of epilepsy in rural Rajasthan is three out of 1,000 persons. Giving this information, Dr R K Sureka of SMS Hospital told mediapersons that 58 per cent patients had onset of seizures before the age of 20 years.

A study conducted at Ratan Nagar in Churu tehsil revealed that the average age of onset was 18.2 years. The male female ratio was 11:1. Generalised tonic clonic seizure was the commonest type of seizure in all age groups.

Partial seizures were present in 22 per cent cases. The study showed that 81 per cent were Hindus and about 17 per cent patients were Muslims. Mental retardation was seen in 12.8 per cent cases. The study revealed that only 18 per cent patients were employed and more than half of the patients were illiterate.

The study was conducted on patients of active epilepsy. Active epilepsy was defined as person with epilepsy who has had at least one epileptic seizure in previous 5 years regardless of antiepileptic drug treatment. Patients of febrile and pseudo-seizure were excluded from the study.

The study was conducted in three steps. It was conducted at Free Rural Epilepsy camp by Dr Sureka, which is being held at Community Health Centre, village Ratan Nagar on the first Saturday of every month for the last 11 years. It was conducted during the period from January to October 2005.

Population under this community health centre, Ratan Nagar in Churu Tehsil is 1,72,440 and population is distributed in 58 villages.

राजस्थान पत्रिका | सीकर | रविवार | 8 जनवरी, 2006

चिकित्सा शिविर में मिर्गी रोगी हुए लाभान्वित

चूरू, 7 जनवरी [प.सं.]। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में 450 रोगियों को लाभान्वित किया गया। शनिवार को आयोजित शिविर में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने रोगियों की जांच की तथा उन्हें इस रोग से मुक्ति के लिए नियमित दवा लेने की सलाह दी। उन्होंने मिर्गी रोगियों एवं उनके अभिभावकों से कहा कि इस रोग से रोगी पूरी तरह मुक्ति पा सकती है। इसके लिए नियमित दवा लेना व जांच कराना आवश्यक है। शिविर में डॉ. जी.सी. जाला, डॉ. अभिनव सुरेका के अलावा कार्यकर्ता सुरेन्द्र स्वामी, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह, मनोज कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

चूरू के रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका। पत्रिका फोटो

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 7 मई 2006

निशुल्क मिर्गी शिविर में साढ़े चार सौ लाभान्वित

राजस्थान पत्रिका

उपचार के साथ-साथ रोगियों को दी स्वास्थ्य शिक्षा

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 6 अगस्त 2006

मिर्गी रोग लाइलाज नहीं-डॉ. सुरेका

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2006-2007

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 3 सितम्बर 2006

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में रविवार को सुरेका मेडिकेयर ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

साढ़े चार सौ रोगी लाभान्वित

राजस्थान पत्रिका 4 सितम्बर 2006

मिर्गी रोग निदान शिविर में साढ़े चार सौ रोगी लाभान्वित

राजस्थान पत्रिका रविवार 3 दिसम्बर 2006

मिर्गी रोग निदान शिविर में 438 लाभान्वित

सुरेका स्मृति निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर संपन्न

दैनिक चूरू लोकदूत

2312 मिर्गी रोगियों के लिया परामर्श

दैनिक उद्योग आस-पास

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 5 अक्टूबर 2006

ढाई हजार मिर्गी रोगियों का उपचार

रतननगर में मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर

चूरू, 14 अक्टूबर [पत्रिका]। एक दशक से रतननगर में श्रीमती शिवपी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से निरन्तर आयोजित हो रहे निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में शनिवार को नियमित उपचार करने वाले मिर्गी रोगियों की संख्या ढाई हजार पर पहुंच गई। मिर्गी रोगियों का नियमित उपचार कर रहे एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रो. डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग का उपचार नवीनतम तकनीक व नवीन चिकित्सा प्रणाली से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नियमित दवा लेने वाले रोगी ठीक हो रहे हैं।

नियमित दवा से इस रोग पर नियंत्रण संभव है।

उन्होंने शनिवार को शिविर में रोगियों की जांच की तथा उन्हें निःशुल्क दवा दी। शिविर में डॉ. एस.एन. गौरी, डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, प्रताप सिंह राठौड़, आमीन खां, नरेश कुमार, राजू खां, जगदीश देवड़ा, दिनेश व भंवरी देवी ने भी सेवाएं दीं।

मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 7 जनवरी 2007

मिर्गी रोगियों का उपचार

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2007

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 11 फरवरी 2007

मिर्गी रोगी हुए लाभान्वित

चूरू, 10 फरवरी [प.सं.]। रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 414 रोगियों को लाभान्वित किया गया।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने रोगियों की जांच व उनका उपचार किया। रिमझिम वर्षा के बाद भी शिविर में रोगी आए जिनका उपचार किया गया तथा दवा वितरित की गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि 11 वर्षों से चले आ रहे शिविर में 2325 रोगी पंजीकृत हैं। इनमें अधिकांश रोगी ठीक हो गए हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में महिलाओं को मिर्गी रोग से बचाव व नियमित दवा लेने आदि की आवश्यक हिदायतें दी गई। शिविर में डॉ. एफ.एच. गौरी, डॉ. जयसिंह ने भी रोगियों की जांच की। आमिन खां, जाफर अली, विनोद जांगिड़, झंवरी देवी, गजराज सिंह, ताजू खां, जगदीश देवड़ा ने सेवाएं दीं।

चूरू के निकटवर्ती रतननगर में त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट के आयोजित निःशुल्क शिविर में मिर्गी रोगियों को जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 8 अप्रैल, 2007

शिविर

मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगी हुए लाभान्वित

चूरू, 7 अप्रैल [प.सं.]

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 6 जून, 2008

मिरगी रोग चिकित्सा के लिए अब सर्जरी भी

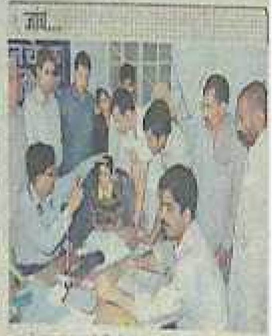

राजस्थान पत्रिका सीकर रविवार 11 मार्च, 2007

सुरेका ट्रस्ट के तत्वावधान में

मिर्गी रोगी हुए लाभान्वित

दैनिक नवज्योति जयपुर

पीड़ितों की सेवा में दानदाता आगे आएं : मेघवाल

दैनिक नवज्योति जयपुर, रविवार, 6 अप्रैल, 2008

चिकित्सा शिविर आयोजित

रतननगर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में हर बार लगने वाला श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिरगी निदान कैम्प लगाया गया। कैम्प में 431 मरीजों को निःशुल्क परामर्श व दवाईयां वितरित की। कैम्प में प्रधान चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका एसो. प्रोफेसर एस.एम.एस. अस्पताल जयपुर ने चिकित्सकीय परामर्श दिया। गरीबों के लिए विशेष रूप से ई.ई.जी. जांच की निःशुल्क व्यवस्था की गयी साथ ही भोजन, जलपान की भी व्यवस्था की गई।

चूरू के रतननगर में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक। फोटो सोनी

सीकर रविवार 6 मई, 2007 राजस्थान पत्रिका

रतननगर में मिर्गी रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के. सुरेका।

मिर्गी रोगियों की जांच की

चूरू, 5 मई [प.सं.]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2007

चूरू लोकदूत   चूरू 17 जून, 2007

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से निकटवर्ती रतननगर कस्बे में निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर

[illegible]

[illegible]

दैनिक उद्योग आस-पास

सीकर, रविवार, 17 जून 2007

गरीब व पीड़ितों की सेवा मानवता का सबसे बड़ा धर्म-मेघवाल

चूरू, 16 जून (नि.स.)। जिला कलक्टर अर्जुन मेघवाल ने कहा है गरीब पीड़ित लोगों की सेवा करना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। अतः स्वयंसेवी संस्थाओं एवं दानदाताओं को ऐसे पुनीत कार्य में आगे आकर अपनी अहम् भूमिका निभानी चाहिए। जिला कलक्टर शनिवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में राजकीय चिकित्सालय रतनगढ़ में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान व उपचार शिविर में मुख्य न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेका द्वारा गत 13 वर्षों से यहां गरीब और पीड़ित लोगों को मिर्गी रोग से मुक्ति दिलाने के लिए निःशुल्क दवाएं एवं अपनी सेवाएं दे रहे हैं यह बहुत बड़ा पुण्य का काम कर रहे हैं। अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। मेघवाल ने कहा कि जो व्यक्ति एवं संस्था अपनी आय का कुछ हिस्सा गरीबों की सेवा के लिए खर्च करता है तो उसकी आय में उत्तरोत्तर वृद्धि होती है। डॉ. आर. के.सुरेका ने बताया कि त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गत 13 वर्षों से प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में अब तक 2 हजार 500 से अधिक पंजीकृत रोगी हैं, इसमें से 500 रोगियों को निःशुल्क

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

दवा वितरण की गई। सुरेका ने बताया कि पंजीकृत रोगियों में से 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो गये हैं। उन्होंने बताया कि चूरू तहसील में मिर्गी रोगियों का सर्वे करवाया गया, इसमें से प्रति हजार 3 रोगी सर्वे में पाये गये हैं। इस शिविर में डॉ. एन.एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. जी.सी.झाला, समाजसेवी प्रकाश, सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, प्रताप सिंह राठौड़, ताजूखां, छगन लाल और नथमल सहित अस्पताल के कर्मिकों ने इस शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में शनिवार को 400 रोगियों का पंजीयन किया जाकर उन्हें परामर्श दिया गया एवं निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई।

चूरू : रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में रोगियों को दवा वितरित करते जिला कलेक्टर अर्जुन मेघवाल।

सीकर • गुरुवार • 13 सितम्बर, 2007

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी रोग निदान शिविर में 420 लाभान्वित

चूरू, 12 सितम्बर [प.सं.] सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बुधवार को रतननगर में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में 420 मिर्गी रोगी लाभान्वित हुए।मुख्य चिकित्सक न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर.के.सुरेका ने बताया किपिछले तेरह वर्षों से लगाया जाने वाला यह 155 वां शिविर है। शिविर में नियमित उपचार करवा रहे 80 से 90 प्रतिशत लोगों के मिर्गी दौरे नियंत्रण में है। शिविर में मिर्गी का उपचार करवाने वाले रोगियों को योगाभ्यास भी कराया जाता है। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग अब लाईलाज नहीं है। दवा के नियमित प्रयोग से रोग पर काबु पाया जा सकता है। सुरेन्द्र सरावगी की देखरेख में चल रहे योग शिविर का जिला कलक्टर अर्जुन मेघवाल, पुलिस अधीक्षक गिरधारीलाल शर्मा, श्रीमती चांद कवंर राठौड़ ने अवलोकन कर मिर्गी रोग से संबंधित मरीजों से बातचीत की।

सीकर • रविवार • 14 अक्टूबर, 2007

राजस्थान पत्रिका

नियमित दवाई लें मिर्गी रोगी-डा. सुरेका

रतननगर, 13 अक्टूबर (प.सं.)श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में निशुल्क मिर्गी रोग निवारण शिविर लगाया गया।

शिविर में कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए करीब 450 मिर्गी रोगियों की डा. राजेन्द्र सुरेका ने जांच की और दवाई दी। डा. सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोगी महिला को गर्भावस्था के दौरान भी नियमित रूप से दवाई लेनी चाहिए। शिविर में डा. एन.एच. गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डा. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, आमीन खां, समाजसेवी प्रताप सिंह राठौड़, ताजू खां, मनोज बोरड़, भंवरी देवी, परमेश्वरी, राजेन्द्र व विनोद माथुर सहित कई व्यक्तियों ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2007-2008

सीकर * सोमवार * 5 नवम्बर, 2007

राजस्थान पत्रिका

मिरगी रोगी छात्रों को सहायता देगा सुरेका फाउण्डेशन

जिला कलेक्टर अर्जुन मेघवाल शनिवार को रतननगर में मिरगी रोग निदान शिविर में चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए। पत्रिका फोटो

चूरू, 4 नवम्बर [प.सं.]

नवगठित एम.एल. सुरेका मेमोरियल एपिलेप्सी फाउण्डेशन प्रतिवर्ष दो मिरगी रोगी छात्रों की फीस व किताबों का खर्चा वहन करेगा। यह घोषणा रतननगर में शनिवार को मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. सुरेका ने निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में की।

शिविर में 472 रोगियों की जांच की गई। शिविर त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से लगाया गया था। शिविर में पर्यावरण एवं मिरगी रोग विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें मिरगी रोग का इलाज करवा रहे छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के 6 से 12 वर्ष ग्रुप में संगम यादव प्रथम, किरण द्वितीय व नरेन्द्र कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12 से 16 वर्ष ग्रुप में मनीष प्रथम, राकेश द्वितीय व कान्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में जिला कलेक्टर अर्जुन मेघवाल ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि इलाज, स्वास्थ्य शिक्षा के साथ शिक्षा को भी सुरेका फाउण्डेशन द्वारा जोड़ा जाएगा। समाज सेवी समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, डॉ. एफ.एच. गौरी, ताजू खां को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशान्त खत्री, डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. जाला भी उपस्थित थे। आमीन खां, विनोद कुमार, भंवरी देवी आदि ने शिविर में सेवाएं दी। कार्यक्रम में जिला कलक्टर ने डॉ. राजेन्द्र सुरेका व प्रकाश सुरेका को भी सम्मानित किया।

राजस्थान पत्रिका

सीकर, रविवार, 06 जनवरी, 2008

चूरू। रतननगर में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लगाए गए मिरगी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर के सुरेका।

शिविर में मिर्गी रोगी लाभान्वित

रतननगर, 5 जनवरी (पत्रस.)। स्थानीय राजकीय चिकित्सालय में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को मिर्गी निदान शिविर लगाया गया।

शिविर में 430 रोगियों ने परामर्श लिया। 27 नये रोगियों को कार्ड वितरित किये गये। शिविर में एसएमएस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राजेन्द्र सुरेका ने बताया कि यदि नियमित दो साल तक [illegible] में कोई दौरा नहीं पड़ा हो तो मिर्गी रोगी [illegible] है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों का कार्य इलाज तथा परामर्श देना है लेकिन इसकी सार्थकता तभी है जब रोगी नियमित रूप से दवाओं का सेवन करें।

डॉ. सुरेका के नेतृत्व में वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. एफ एच गौरी, डॉ. जयसिंह ने मिर्गी रोगियों का इलाज किया। इस मौके पर समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, ताजूखां, आमीन खां, प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, भंवरी देवी, [illegible] आदि मौजूद थे।

सीकर * रविवार * 2 दिसम्बर, 2007

राजस्थान पत्रिका

चूरू के रतननगर में सुरेका ट्रस्ट द्वारा शनिवार को लगाए मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा. राजेन्द्र सुरेका।

सामान्य प्रसव में बाधक नहीं मिर्गी

मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू, 1 दिसम्बर [प.सं.]

सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजेन्द्र सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग सामान्य प्रसव में बाधक नहीं है।

डा. सुरेका ने शनिवार को निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में उपचार करवाने आए मिर्गी रोगियों से यह बात कही। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी अगर समय पर दवाओं का सेवन करता रहे तो वह आम आदमी की तरह अपना जीवन यापन कर सकता है। उन्होंने मिर्गी रोगियों को सलाह दी कि वे रोग से राहत पाने के लिए नशे के सेवन से दूर रहें, पूरी नींद लें, दवा नियमित लें। नजदीक से टेलीविजन नहीं देखने की भी उन्होंने रोगियों को हिदायत दी। शिविर में 423 मिर्गी रोगियों की जांच कर चिकित्सीय परामर्श दिया गया। शिविर में वरिष्ठ फिजीशियन डा. एफ.एच.गौरी, स्नायु रोग विशेषज्ञ डा. जयसिंह, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, ताजू खां, आमीन खां, नरेश कुमार, विनोद माथुर, भंवरी देवी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

जांच

रतननगर में आयोजित मिरगी रोग शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

मिर्गी का इलाज संभव

चूरू, 5 अप्रेल (प.सं.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में 431 मिर्गी रोगियों को परामर्श एवं दवा प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

शिविर के प्रमुख एवं जयपुर के एसएमएस अस्पताल के एसोसिएट प्रोफेसर डा. आरके सुरेका ने कहा कि मिर्गी का इलाज संभव है। शिविर में 16 रोगियों की निशुल्क ईईजी जांच की गई। सुरेन्द्र सरावगी ने रोगियों को योगाभ्यास करवाया। प्रधान हरलाल सहारण ने शिविर का अवलोकन कर व्यवस्था एवं उपयोगिता पर संतोष जताया। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित शिविर में भरतीया अस्पताल चूरू के वरिष्ठ फीजिशियन डा.एफएच गौरी, मनोरोग चिकित्सक जयसिंह सहित प्रकाश सुरेका, ताजु खां, [illegible]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2008

चूरू लोकदूत 4 मई, 2008

नि:शुल्क मिरगी निदान शिविर आयोजित

चूरू, 3 मई (नि.सं.) [illegible]

[illegible]

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 4 मई, 2008 14

मिरगी रोगियों की ईसीजी जांच

रतननगर, 3 मई [प.सं.]

कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क 'मिरगी रोग निदान' शिविर लगाया गया। शिविर में जयपुर के चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने 476 मिरगी रोगियों की जांच कर उन्हें दवा वितरित की। शिविर में मिरगी रोगियों की निशुल्क मस्तिष्क जांच (ईसीजी) की व योगाभ्यास करवाया। डॉ. सुरेका ने बताया कि आगामी शिविर में चिकित्सकों की कार्यशाला होगी। शिविर में डॉ. एफएस गौरी, डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, मनोज, आमीन खां, ताजू खां, भंवरी देवी, गजराज, प्रतापसिंह राठौड़ आदि ने भी सेवाएं दीं।

चूरू लोकदूत

नि:शुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में 439 लाभान्वित

चूरू, 6 जुलाई (नि.सं.) राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतननगर में हर माह के प्रत्येक प्रथम रविवार को श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले नि:शुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में 439 रोगियों को परामर्श व दवाईयां वितरित की गईं।

[illegible]

राजस्थान पत्रिका

शिविर में 444 मिरगी रोगी लाभान्वित

[illegible]

राजस्थान पत्रिका

शिविर

[illegible]

मिर्गी रोग शिविर में दी स्वास्थ्य शिक्षा

459 रोगी लाभान्वित

रतननगर, 30 अगस्त (पसं)

[illegible]

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 6 जुलाई, 2008

शिविर

[illegible]

शिविर में मिरगी रोगी लाभान्वित

चूरू, 5 जुलाई (पस)

[illegible] शिविर में 439 रोगियों को परामर्श दिया गया [illegible]

राजस्थान पत्रिका सीकर, रविवार, 5 अक्टूबर, 2008

रतननगर। सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राजकीय चिकित्सालय में लगाए गए निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में 550 रोगी लाभान्वित हुए।

शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने रोगियों का उपचार किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिरगी अभिशाप नहीं बल्कि मस्तिष्क रोग है जिसका इलाज कराकर सामान्य जीवन जीया जा सकता है। शिविर में विशेषज्ञ सुरेन्द्र कुमार सरावगी ने रोगियों को योगाभ्यास करवाया।

ट्रस्ट की ओर से निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, प्रतापसिंह, राहुल पारीक, मनोज कुमार व निरंजन शर्मा ने भाग लिया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2008-2009

रविवार

चूरू पत्रिका

शिविर में 423 रोगियों को दिया परामर्श

दैनिक नवज्योति जयपुर, सोमवार, 17 नवंबर 2008

मिरगी रोग लाइलाज नहीं-सुरेका

रतननगर में मिरगी रोग निदान शिविर

राजस्थान पत्रिका

सीकर, शुक्रवार 30 जनवरी 2009

शिविर कल

चूरू। रतननगर कस्बे में त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से शनिवार को निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर लगाया जाएगा। प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को आयोजित होने वाले इस शिविर में डॉ. आरके सुरेका रोगियों की जांच कर उन्हें परामर्श देंगे।

राजस्थान पत्रिका

सीकर, शुक्रवार 30 जनवरी 2009

शिविर कल

चूरू। रतननगर कस्बे में त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से शनिवार को निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर लगाया जाएगा। प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को आयोजित होने वाले इस शिविर में डॉ. आरके सुरेका रोगियों की जांच कर उन्हें परामर्श देंगे।

राजस्थान पत्रिका

सीकर, रविवार, 1 फरवरी 2009

मिर्गी रोगियों ने किया योगाभ्यास

रतननगर, 31 जनवरी (प.सं.)। रतननगर में निशुल्क मिर्गी रोग निदान, जनचेतना एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा योग प्रशिक्षण शिविर त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतननगर में आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 450 मिर्गी रोगियों का उपचार किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान मिर्गी के कुप्रभावों से बचाने के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में गर्भावस्था एवं मिर्गी रजिस्ट्री कायम की गई है। शिविर में सुरेन्द्र सरावगी ने मिर्गी रोगियों को योगाभ्यास कराया।

राजस्थान पत्रिका

सीकर, रविवार, 1 फरवरी 2009

मिर्गी रोगियों ने किया योगाभ्यास

रतननगर, 31 जनवरी (प.सं.)। रतननगर में निशुल्क मिर्गी रोग निदान, जनचेतना एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा योग प्रशिक्षण शिविर त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतननगर में आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 450 मिर्गी रोगियों का उपचार किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान मिर्गी के कुप्रभावों से बचाने के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में गर्भावस्था एवं मिर्गी रजिस्ट्री कायम की गई है। शिविर में सुरेन्द्र सरावगी ने मिर्गी रोगियों को योगाभ्यास कराया।

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया

रतननगर, 7 मार्च (प.सं.)। श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को लगने वाला निशुल्क मिर्गी रोग निदान एवं जन चेतना शिविर राजकीय अस्पताल रतननगर में आयोजित किया गया। शिविर में जयपुर से आए वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट एवं मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ. आरके सुरेका ने 502 मिर्गी रोगियों का उपचार किया।

राजस्थान पत्रिका

रूढ़िवादी धारणाएं बदलें

मिर्गी रोग निदान शिविर

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2009

राजस्थान पत्रिका
चूरू, रविवार, 5 अप्रैल 2009

रूढ़िवादी धारणाएं बदलें
मिर्गी रोग निदान शिविर

राजस्थान पत्रिका
चूरू, सोमवार, 7 सितम्बर 2009

शिविर में मिरगी रोगियों की जांच
रतननगर। कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में 457 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर के न्यूरोलॉजी विभाग के सह आचार्य डा. राजेन्द्र सुरेका ने रोगियों की जांच कर उन्हें ... शिविर में डा. एफएच गौरी, ... सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरे... मनोज, विरेन्द्र, गिरजन आ...

राजस्थान पत्रिका
चूरू, रविवार, 31 मई 2009

शिविर में मिर्गी रोगी लाभान्वित
रतननगर, 30 मई (प.सं.)। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 462 रोगियों को निशुल्क दवा वितरित की गई। डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि रोगियों के 80 प्रतिशत दौरे नियंत्रित हो गए हैं।

राजस्थान पत्रिका चूरू 15
चूरू, रविवार, 5 जुलाई 2009

शिविर में 473 मिर्गी रोगी लाभान्वित : रतननगर। राजकीय अस्पताल रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में शनिवार को 473 रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाएं वितरित की गई। न्यूरोलोजिस्ट डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि अब नई तकनीक से मरीजों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर में पंजीकृत 3 हजार रोगियों में से अधिकतर ठीक हो चुके हैं जबकि 90 प्रतिशत नियंत्रित अवस्था में है। इस अवसर पर वरिष्ठ फीजिशियन डॉ. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, सुरेन्द्र सरावगी, गजराज, नरेन्द्र, झंवरी देवी, विनोद माथुर, ताजू खां एवं मनोज जांगिड़ उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका रविवार । 4 । अक्टूबर । 2009

विधायक ने अवलोकन किया
मिरगी रोग निदान शिविर

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2009

दैनिक भास्कर **जयपुर** जयपुर · बुधवार, 18 नवंबर 2009

मिर्गी की जानकारी ऑनलाइन

अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस

जयपुर | मिर्गी से ग्रसित महिलाओं को सुरक्षित गर्भधारण एवं प्रसूति से संबंधित संपूर्ण जानकारी कंप्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन मिल सकेगी। अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर मंगलवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अशोक पानगड़िया ने कंप्यूटर का बटन दबाकर इस सेवा का शुभारंभ किया।

नोडल अधिकारी डॉ.आर.के.सुरेखा के अनुसार वेबसाइट में मिर्गी से संबंधित आदि की जानकारी ऑनलाइन मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि एसएमएस अस्पताल के धन्वन्तरि ओपीडी भवन के न्यूरोलॉजी ब्लॉक में हर गुरुवार को सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक शिविर लगाया जा रहा है।

पुरुषों में ज्यादा अंदेशा

इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन की जयपुर शाखा की ओर से जेएमए सभागार में मिर्गी रोग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रो.सी.एम.शर्मा ने बताया कि मिर्गी का दौरा किसी भी उम्र में किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। तनाव, सिर में चोट एवं कार्य में व्यस्तता आदि कारणों से महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में मिर्गी रोग अधिक होने की आशंका है। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. सुरेश गुप्ता, डॉ. बी.एल. कुमावत एवं डॉ. दिनेश खंडेलवाल आदि ने मिर्गी के बचाव से संबंधित जानकारी दी। इस मौके पर 2 से 15 साल के उम्र के बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दौरों के प्रकार

टॉनिक क्लोनिक

मरीज के बेहोश होने के साथ ही उसकी मांसपेशियां संकुचित होने से शरीर पूरी तरह जकड़ जाता है तथा कुछ ही मिनटों में सामान्य हो जाता है। इस प्रकार का दौरा सबसे अधिक लोगों में पाया जाता है।

एबसेंस

इस प्रकार का दौरा आमतौर बच्चों में पाया जाता है। इसमें कुछ समय के लिए चेतना खो देता है तथा ऐसा दिन में कई बार होता है।

मायोक्लोनिक

अक्सर यह दौरा सुबह के समय आता है। मांसपेशियों में हल्के-हल्के झटके आते रहते हैं, जिससे मरीज गिर सकता है।

एटोनिक

इसमें मांसपेशियां अपनी शक्ति खो देती हैं। व्यक्ति संतुलन खोने पर जमीन पर गिर जाता है।

साधारण आंशिक दौरा

इसमें शरीर के अंग सुन्न हो जाते हैं। ऐसे लगता है जैसे कोई व्यक्ति सुई चुभो रहा हो। साधारण दौरों के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि मस्तिष्क का कौनसा हिस्सा प्रभावित हुआ है।

जटिल आंशिक दौरा

मरीज अजीब हरकतें जैसे कपड़े खींचना, होंट चाटना या लड़खड़ाना आदि करता है। ऐसी हरकतें करने वाले को ऑटोमेजिक्स कहते हैं।

दैनिक भास्कर | 6 दिसंबर 2009

डरें नहीं, इलाज जारी रखें : सुरेका

जिले के रतननगर कस्बे में शनिवार को लगे मिर्गी रोग निदान शिविर में न्यूरो फिजिशियन डा. आरके सुरेका ने रोगियों को दिए रोग पर नियंत्रण के टिप्स

रतननगर जिले में मिर्गी रोगियों को राहत देने के उद्देश्य से रतननगर कस्बे के पीरचारी सेंटर में शनिवार को लगाए गए मिर्गी रोग निदान शिविर में दर्जनों रोगी लाभान्वित हुए। शिविर संचालक व जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल के न्यूरोफिजिशियन डाक्टर आरके सुरेका ने रोगियों को योग तथा एलोपैथ के जरिए इसके निदान आदि की जानकारी दी। इस अवसर पर सुरेका ने कहा कि यह रोग ऐसा रोग है, जिसमें डरने की जगह यदि उचित परहेज जारी रखा जाए तो नियंत्रित हो सकता है। शिविर की सफलता में डा. ललित सुरेका, सुरेंद्र सहारण, मनोज जांगिड़ व विरेंद्र आदि पीरचारी सेंटर स्टाफ ने सहयोगी भूमिका निभाई।

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी रोग निदान शिविर

रोज एक गोली से मिर्गी का इलाज संभव-डॉ. सुरेका

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2010

राजस्थान पत्रिका
जयपुर . गुरुवार . 18 नवम्बर . 2010

जानकारी ऑनलाइन

ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन की ओर से मिर्गी रोग की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई है। वेबसाइट www.epilepsycrf.com को चिकित्सा शिक्षा सचिव मुकेश शर्मा ने लांच किया। उन्होंने मिर्गी रोग पर स्टीकर का विमोचन किया और 'फाइट अगेंस्ट ऐपिलेप्सी मार्च' को हरी झण्डी दिखाई।

दैनिक भास्कर जयपुर
जयपुर · गुरुवार, 18 नवंबर 2010

मिर्गी रोग की जानकारी ऑनलाइन

स्टेच्यू सर्किल पर मिर्गी रोग के प्रति जागरूकता के लिए मार्च निकाला।

बच्चों ने जाना मिर्गी के बारे में

DNA JAIPUR | THURSDAY, NOVEMBER 18, 2010

New website launched on International Epilepsy Day

On the occasion of International Epilepsy Day, a website www.epilepsycrf.com was on Wednesday launched by principal secretary of Medical Education, Mukesh Sharma. He also unveiled a sticker aimed at increa[illegible] awareness about the diseas[illegible] at Statue Circle before flagging off a march for a campaign against epilepsy.

राजस्थान पत्रिका 14

मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न

निकाली जागरुकता रैली

दैनिक उद्योग
आस-पास सीकर, बुधवार 8 दिसम्बर, 2010

अब ऑन लाईन मिल सकेगी मिरगी रोग की जानकारी

डेली न्यूज़

मिर्गी के उपचार की अब ऑनलाइन जानकारी

समाचार जगत जयपुर, 8 दिसम्बर 2010

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित

मिर्गी रोग की जानकारी अब ऑन लाइन: डॉ. सुरेका

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2010

दैनिक भास्कर सीकर | 3 जनवरी 2010

निशुल्क मिर्गी रोग जांच शिविर लगा

दैनिक भास्कर
जयपुर | बुधवार 7 अप्रैल 2010 17

मिर्गी रोगी स्वस्थ्य बच्चे के लिए रोज खाएं एक गोलीः डॉ.सुरेका

जयपुर। चूरू जिले के रतन नगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी निदान व उपचार शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में करीब 560 मिर्गी रोगियों की जांच की गई। उन्हें महीने भर की दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं। सवाई मानसिंह अस्पताल के न्यूरोफिजिशियन व शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि शिविर में 30 गर्भवती महिलाओं पर अनुसंधान किया गया। इसमें पाया गया कि जिन मिर्गी रोगियों ने गर्भावस्था में फोलिक एसिड की एक गोली रोज ली, उनके बच्चे स्वस्थ पैदा हुए। उनमें विकार न के बराबर रहे। ऐसे रोगियों को हरी सब्जी व फल प्रचुर मात्रा में लेना चाहिए।

जयपुर, 06 जून, 2010

दैनिक उद्योग रविवार, 4 जुलाई 2010

मिरगी जांच शिविर से 457 लाभान्वित

चूरू, 3 जुलाई। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शनिवार को स्थानीय राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतननगर में आयोजित निःशुल्क मिरगी रोग जांच शिविर से 457 रोगी को लाभान्वित किया गया। माह के प्रथम शनिवार को आयोजित होने वाले उक्त शिविर में एसएमएस अस्पताल जयपुर के चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका ने रोगियों की जांच कर उनमें मिरगी रोग को लेकर फैली अन्धविश्वास को दूर करने की बात कही। शिविर में डॉ एच.एन. गौरी, डॉ अरविंद, सुरेन्द्र सारस्वती, प्रकाश सुरेका, प्रतापसिंह राठौड़ आदि ने सेवाएं दीं।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, रविवार, 7 फरवरी 2010

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा. आर.के सुरेका।

शिविर में 510 रोगी लाभान्वित

मिर्गी रोग निदान शिविर

रतननगर, 6 फरवरी (प.स.)। श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 510 रोगियों को लाभान्वित किया गया।

सवाईमानसिंह अस्पताल जयपुर के न्यूरोफिजिशियन डॉ.आर के सुरेका ने रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा दी। सुरेका ने बताया कि 15 वर्षों से लगातार प्रत्येक माह के हर शनिवार को लगाए जा रहे शिविर में हजारों रोगी लाभान्वित हो चुके हैं। वर्तमान में 3500 मिर्गी रोगी पंजीकृत हैं जो नियमित इलाज करवाकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने मिर्गी रोगियों पर बने पर प्रति हजार तीन की औसत से मिर्गी रोगी होने का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग एनर्जेटी मस्तिष्क रोग है, यह अभिशाप नहीं है।

रोगी नियमित इलाज करवाकर ही वह पूर्णतया स्वस्थ हो सकता है। शिविर में राजस्थान पेंशनर समाज रतननगर की ओर से निशुल्क भोजन व्यवस्था की गई। डॉ एच.एन. गौरी, डॉ. अरविंद, प्रतापसिंह राठौड़ ने शिविर में सेवाएं दीं।

दैनिक भास्कर sunday
सीकर | 2 मई 2010

रतननगर में लगे मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगी की जांच करते डाक्टर।

शिविर में 526 रोगी लाभान्वित

रतननगर। त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगे निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 526 रोगियों की जांच कर दवा वितरित की गई। ...

राजस्थान पत्रिका
चूरू, शनिवार, 4 सितम्बर, 2010

मिर्गी रोग निदान शिविर 8 को

चूरू. रतननगर में त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक माह के पहले शनिवार को आयोजित होने वाला निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर इस बार 8 अगस्त को लगाया जाएगा। शिविर में नियमित सेवा देने वाले डा.एच एन गौरी ने बताया कि इस सप्ताह विभिन्न पर्वों में आमजन की व्यस्तता को देखते हुए शनिवार को लगने वाला शिविर बुधवार को आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि शिविर अपने निर्धारित स्थल रतननगर के राजकीय अस्पताल में आयोजित होगा। जिसमें मिर्गी रोग के विशेषज्ञ चिकित्सक आर के सुरेका मिर्गी रोगियों की जांच व उपचार करेंगे।

दैनिक नवज्योति
जयपुर
सीकर, 7 मई, 2010

चूरू में मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. सुरेका। फोटो : नवदीप चौधे

राजस्थान पत्रिका
चूरू, रविवार, 2 मई 2010

526 मिरगी रोगी लाभान्वित

रतननगर, 1 मई (प.स.)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणीदेवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से शनिवार को आयोजित निःशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर में 526 मिरगी रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में एसएमएस जयपुर के न्यूरोलॉजी विभाग के डा. आर के सुरेका ने मिरगी रोगियों की जांच की और उपचार किया। शिविर में व्यवस्था शिक्षा, जागरूकता के अलावा मौका व व्यवस्था सुरेन्द्र सारस्वती ने संभाला। ट्रस्टी अशोक सुरेका ने निःशुल्क दवा वितरित की। स्वर्गीय संस्थान के राजेन्द्र हिरावत ने निःशुल्क भोजन व पेंशनर समाज ने जल व्यवस्था की। डा.सुरेका ने मिरगी रोग से बचने के उपाय बताए और रोगियों को नियमित दवा लेने की सलाह दी। शिविर में डा.एच एन गौरी, प्रतापसिंह राठौड़, कुम्भलाल चौधरी, विनोद माथुर, मनोज जांगिड़, नवरतन प्रजापत, पवनसिंह, निर्मल, भैरोंसिंह राठौड़, रामावतार व अभिषेक अग्रवाल ने सेवाएं दीं।

रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिरगी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा. आर.के सुरेका।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 5 जनवरी 2011

रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में दवा वितरित करते डा. आर.के.सुरेका

सुजानगढ़ पंचायत समिति में मंगलवार को लगे निशक्तजन शिविर में उपस्थित लोग

शिविर : रतननगर में मिर्गी रोग निदान व सुजानगढ़ में निशक्तजन शिविर लगाया

सैकड़ों रोगी हुए लाभान्वित

शिविर संवाददाता © रतननगर

कस्बे के राजकीय अस्पताल में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 498 रोगियों को लाभान्वित किया गया। जयपुर एसएमएस के मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ.आर.के.सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच कर उपचार किया।

उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी महिलाओं को गर्भधारण से पूर्व चिकित्सक से परामर्श कर मिर्गी रोग की दवा से बच्चे पर पड़ने वाले कुप्रभाव को रोकने के लिए प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फॉलिक एसिड नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे बच्चे को कुप्रभाव से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि फॉलिक एसिड सस्ती दवा है व एक गोली रोज मिर्गी की दवाओं के साथ लेने से शिशु में विकार होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान मरीज को मिर्गी रोग की दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए। शिविर में रोगियों को निःशुल्क दवा दी गई। शिविर में डॉ.एफ.एच.गौरी, डॉ.रोहित सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, प्रतापसिंह राठौड़ व ताजू खां ने भागीदारी निभाई।

डा. राजेश गौड़, मानसिक रोग के डा. जयसिंह ने रोगियों की जांच करके प्रमाण पत्र जारी किए। शर्मा के अनुसार प्रशासन गांवों के संग अभियान के दौरान चयनित रोगियों को एएनएम व आशा सहयोगिनों के सहयोग से शिविर में बुलाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई गई।

शर्मा ने बताया कि 17 ग्राम पंचायतों के मरीजों ने लाभ उठाया। शिविर में चाड़वास, सांडवा, ... प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सक व अन्य स्टाफ ने भी शिविर में सेवाएं दी। राजस्थान ग्राम सेवक संघ के स्थानीय अध्यक्ष ... ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर का जायजा तहसीलदार ... ने अवलोकन किया।

सीकर-जयपुर, बुधवार 5 जनवरी, 2011 — **दैनिक उद्योग आस-पास**

चूरू- रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट ... निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को दवा वितरित ... डॉ. आर.के.सुरेका।

मिर्गी रोगी निदान शिविर

498 रोगी लाभान्वित

चूरू, । निकटवर्ती कस्बे रतननगर त्रिवेणी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट ... आयोजित निःशुल्क मिर्गी कैम्प प्रथम मंगलवार को आयोजित ... गया। कैम्प में 498 रोगियों को निःशुल्क दवा वितरित ... न्यूरोफिजिशियन एवं राजस्थान सोसायटी ऑफ एपिलेप्सी के चेयरमैन डॉ.आर.के.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को दवाओं के कुप्रभाव रोकने के लिए प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फॉलिक एसिड ... रूप से लेना चाहिए। इससे बच्चे को दवा के कुप्रभाव से ब... सकता है। फॉलिक एसिड बहुत ही सस्ती दवाई है व एक ... मिर्गी की दवाओं के साथ लेने से शिशु में विकार होने की ... बहुत कम हो जाती है। उन्होंने यह बताया कि गर्भावस्था ... मरीज को मिर्गी रोग की दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए अन्... के दौरों से मां और बच्चे पर कुप्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने ... कि मां बनने वाली महिला को पता होना चाहिए कि मिर्गी रोगी मां बच्चे को अपना दूध पिला सकती है। इससे बच्चे में मिर्गी ... होता है। कैम्प में डॉ.एफ.एच.गौरी, डॉ.रोहित सुरेका, सुरेन्द्र सराव... सुरेका, प्रतापसिंह राठौड़, ताजू खां, मनोज ने अपनी सेवाएं दी...

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 2 फरवरी 2011

मिर्गी रोग निदान शिविर में 562 मरीज लाभान्वित

पत्रिका संवाददाता © रतननगर

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 562 रोगी लाभान्वित हुए।

शिविर में एसएमएस, जयपुर के वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन डा. आर.के. सुरेका ने दूर दराज से आए मरीजों की निःशुल्क जांच कर निःशुल्क दवाएं प्रदान कीं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मिर्गी रोग के इलाज के लिए कई नई व कारगर दवाएं बाजार में आई हैं। इनके सेवन से दुष्प्रभाव भी कम होता है। शिविर में वृद्ध रोगियों के रक्त चाप व मधुमेह की भी निःशुल्क जांच की गई।

शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एफ.एच. गौरी, डॉ. रोहित सुरेका, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ.जयसिंह सहित सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, ताजू खां, गिरधारीलाल, अशोक सुरेका ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

चूरू के रतननगर कस्बे में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा. आर.के. सुरेका।

दैनिक उद्योग आस-पास — **सीकर-जयपुर बुधवार, 2 फरवरी, 2011**

चूरू- रतननगर कस्बे में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आर.के.सुरेका।

मिर्गी के दौरे के लिए अब बेहतर नई दवाएं उपलब्ध

चूरू। हर माह की भांति इस बार भी प्रथम मंगलवार को रतननगर चूरू में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निःशुल्क मिर्गी रोग निदान व जन चेतना शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 562 मिर्गी रोगियों को निःशुल्क जांच व परामर्श वरिष्ठ मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ.आर.के.सुरेका द्वारा दिया गया। शिविर में डॉ.जयसिंह ने भी परामर्श सहयोग प्रदान किया। शिविर के मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ.सुरेका ने बताया कि आजकल मिर्गी के इलाज के लिए कई नई व कारगर दवाइयां बाजार में आ गई है, जिनके दुष्प्रभाव भी कम है। जिन मरीजों के दौरे सामान्य दवाओं से नियंत्रित नहीं होते उन्हें ये दवाएं दी जाती है। ये दवाएं पूरे देश में आसानी से उपलब्ध है। परंतु थोड़ी महंगी होती है। जैसे लेमोट्रिजीन, क्लोबाजम, लेवेटिरासिटम, लैकोसामाइड आदि। इस बार शिविर में वृद्ध रोगियों के लिए निःशुल्क रक्तचाप व मधुमेह की जांच की सुविधा भी प्रदान की गई। शिविर में डॉ.एफ.एच.गौरी, डॉ.रोहित सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, अशोक सुरेका व ताजू खान ने भी भागीदारी निभाई।

राजस्थान पत्रिका
जयपुर . शनिवार . 9 अप्रेल . 2011

वेबसाइट पर मिलेगी मिर्गी की जानकारी

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में उमड़े रोगी

रतननगर
sikar@patrika.com

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को यहां लगाए गए मिर्गी निदान शिविर में 503 मरीजों की निशुल्क जांच कर दवा वितरित की गई।शिविर में चूरू व आसपास के रोगी बड़ी संख्या में पहुंचे।

एसएमएस अस्पताल, जयपुर के वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट डा. आरके सुरका ने बताया कि रोग से संबंधित वेबसाइट लांच की गई है जिस पर रोग से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है। शिविर में वरिष्ठ डा. एफएच गौरा, डा. जयसिंह, प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, नाथूराम आदि ने सेवाएं दी।

शिविर में डा. सुरेका ने बताया कि हाल ही में ट्रस्ट की ओर से ऐपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन पर हिन्दी में एक वीडियो प्रसारित किया गया है। इसके माध्यम से आम जन को मिर्गी रोग के बारे में जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

जांच चूरू. रतननगर में मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते न्यूरोलोजिस्ट डा.आरके सुरेका।

यूं करें मिर्गी से बचाव

जयपुर से रतननगर आकर करीब डेढ़ दशक से मिर्गी रोगियों को निशुल्क परामर्श दवा उपलब्ध करवा रहे डा. सुरेका ने बताया कि गंदे पानी से सिंचित सब्जी, सलाद आदि का सेवन करने से शरीर में सिस्टीसरकोसिस नामक कीड़ा दिमाग में पहुंचकर मिर्गी रोग का कारक बन सकता है।नशा करने तथा सिर में चोट लगने से भी रोग के लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं।उन्होंने दुपहिया चलाने वालों को शिविर में बताया कि वे हैलमेट पहनकर वाहन चलाएं ताकि सिर की चोट से सुरक्षित रहा जा सके।

(पत्रिका संवाददाता)

4
हैल्थ 18 मई, 2011

सिर दर्द की उपेक्षा मत करें, नहीं तो...

एक आम परेशानी है सिर दर्द। यह स्वयं रोग नहीं होता, बल्कि किसी रोग का लक्षण मात्र होता है।

डॉ. आर.के. सुरेका

सिर दर्द इस बात की चेतावनी देता है कि शरीर में कहीं कोई खराबी है। किसी अंग की क्रिया में गड़बड़ी होने पर प्रकृति सिर दर्द, चर्म रोग, सूजन, जलन, जुकाम तथा अन्य कितने ही लक्षणों द्वारा हमें चेतावनी दिया करती है।

ये सारे लक्षण अंग विशेष के विकार होते हैं। लेकिन सिर दर्द सामान्य रूप से सभी अंगों के संबंध में खतरे की घंटी माना जाता है। सिर दर्द के अनेक कारण होते हैं। पर मूल कारण पाचन और मल का उचित निष्कासन न होना है। परिश्रम करने से हमारे शरीर के भीतर एक प्रकार का मल बनता रहता है। यह मल विश्राम के समय रक्त में मिलकर प्रवाहित होने लगता है और पसीना, पेशाब आदि के रास्ते बाहर निकल जाता है। पर जब अधिक परिश्रम के कारण अथवा रोगावस्था में यह शरीर से बाहर नहीं निकल पाता तो उस को हमारा शरीर शीघ्रातिशीघ्र बाहर निकाल फेंकने के लिए तीव्र वेग से प्रवाहित करता है। यही तीव्र रक्त प्रवाह जब मस्तिष्क की ओर पहुंच कर धक्का देता है, तो हमें दर्द का अनुभव होने लगता है।

कब्ज, अधिक भोजन, अपच और पेट की अन्य खराबियों से भी सिर दर्द हो जाता है। उत्तेजक और अखाद्य वस्तुओं जैसे चाय, कॉफी, तंबाकू आदि का सेवन भी सिर दर्द का कारण होता है। ललाट व कनपटी में दर्द हो तो समझना चाहिए कि कारण पेट व आंतों की खराबी है। इसमें सिर फटता-सा जान पड़ता है। भूख, जुकाम, नाड़ियों की दुर्बलता, कान के रोग, शरीर में ऑक्सीजन की कमी, रक्ताल्पता, मस्तिष्क में रक्ताधिक्य, यकृत की शिथिलता, अल्प निद्रा, अधिक श्रम, चाय-कॉफी आदि का अधिक प्रयोग, अत्यधिक परेशानी या शोक, मनोविकार, सिर पर साफा आदि कसकर बांधना, सिर पर गरम पानी डालना, मासिक धर्म के समय ठंड लग जाने से स्राव का बंद हो जाना, आंखों पर अस्वाभाविक ढंग से जोर पड़ना अर्थात मलिन अक्षर पढ़ना या कम उजाले में पढ़ना, नजदीक से टीवी या सिनेमा देखना, चलती वाहन में पढ़ना एवं नेत्र रोग आदि तरह-तरह के विकारों के कारण भी सिर दर्द हो सकता है।

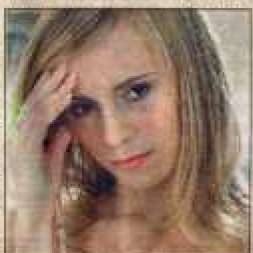

ब्लड प्रेशर के कारण होने वाला सिर दर्द बड़ा भयंकर होता है। मस्तिष्क के बीच से शुरू होकर यह पूरे सिर में फैल जाता है। तब ऐसा जान पड़ता है कि अब सिर फट जाएगा। यह दर्द छींकने, खांसने और शरीर को एकाएक मोड़ने आदि से बढ़ जाता है। इस दर्द के फलस्वरूप कभी-कभी आंखों से कम दिखाई देने लगता है। नेत्र रोग अथवा नेत्रों पर अस्वाभाविक ढंग से जोर डालने के कारण जो सिर दर्द होता है, वह भी प्रायः धीरे-धीरे ही बढ़ता है। यह दर्द आंखों के पिछले भाग में जान पड़ता है। मस्तिष्क में रक्ताधिक्य के कारण जो सिर दर्द होता है, वह रक्त के अबाध गति से संचालन होने में बाधा उपस्थित हो जाने से होता है, जिससे सिर के भीतर की रक्त नलिकाएं फूल जाती हैं। यकृत की शिथिलता और अस्वस्थता के फलस्वरूप जब पित्त का स्राव सुप्त हो जाता है, तब आंतों के स्वाभाविक कार्यों में भी शिथिलता आ जाती है, जिसकी वजह से सिर में दर्द रहने लगता है। गरदन के पिछले भाग में मस्तिष्क की जड़ में यदि दर्द हो तो उसका कारण नाड़ी की दुर्बलता, नाक-आंख के रोग अथवा मस्तिष्क के निम्न भाग का रोगी होना है। सर्दी-जुकाम के कारण होने वाला सिर दर्द ललाट व कनपटी में होता है। बहुत दिनों से चलने वाला पुराना सिर दर्द शरीर में रक्त का विषाक्त होना, हाई ब्लडप्रेशर (रक्तचाप का बढ़ना) तथा मस्तिष्क में अर्बुद, गांठ आदि का होना साबित करता है। पेट की खराबी, ऑक्सीजन की कमी, अल्पनिद्रा, अत्यधिक श्रम और चाय-कॉफी के इस्तेमाल से होने वाले सिर दर्द में सिर फटता-सा महसूस होता है। नाड़ी संस्थान की खराबी से हुए सिर दर्द में सिर कसा-सा जान पड़ता है, मानो रबर की पट्टी फैलाकर सिर पर जमा दी गई हो।

हाई ब्लडप्रेशर दो सौ से ऊपर होने पर प्रायः असहनीय सिर दर्द उठता ही है। इस प्रकार सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए ब्लड प्रेशर तुरंत कम करने की कोशिश की जानी चाहिए। इसके लिए आहार में सुधार, श्रम कम करना, मादक पदार्थों से दूर रहना तथा सादे तरीके से रहना आवश्यक है। ऐसे में नशीली वस्तुओं का सेवन बंद कर देना चाहिए और कम से कम एक सप्ताह तक मौसमी, रसदार फलों जैसे आम, मौसमी, सेब, अंगूर, टमाटर आदि पर रहना चाहिए। इसके पश्चात आहार में कच्ची तरकारी (सलाद) और दूध भी शामिल कर लेना चाहिए। दोपहर को मट्ठा और सलाद लें तथा शाम को दूध और फल। इस आहार को दो सप्ताह तक जरूर चलाना चाहिए। इसके अतिरिक्त समय पर गहरी नींद लीजिए और सोते समय तकिए का इस्तेमाल छोड़ दीजिए। शरीर में अम्लता बहुत बढ़ जाने के कारण रक्त दूषित हो जाता है, जिससे ज्वर और सिर दर्द की उत्पत्ति होती है। इसके लिए खान-पान में संयम बरतना चाहिए। सादा, सात्विक और पौष्टिक भोजन करना चाहिए। आवश्यकतानुसार उपवास और एनिमा द्वारा पेट साफ कर लेना चाहिए। साफ हवादार जगह में रहना चाहिए। स्वच्छ ताजा जल प्रचुर मात्रा में पीना चाहिए।

संपर्क सूत्र-डॉ. आर.के. सुरेका,
मो. 9829275749

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2011

राजस्थान पत्रिका चूरू पत्रिका

चूरू, गुरुवार 4 मई, 2011

मिर्गी रोग निदान शिविर

562 रोगी हुए लाभान्वित

पत्रिका संवाददाता @ रतननगर

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 562 रोगी लाभान्वित हुए।

शिविर में एसएमएस जयपुर के वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन डा. सुरेश सुरेका, भरतीया अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डा. जयसिंह, डा. रोहित ने निशुल्क सेवाएं प्रदान की।

शिविर में आने वाले समस्त मरीजों के लिए समर्पण सेवा संस्थान की ओर से निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई।

चूरू. निकटवर्ती कस्बे रतननगर में मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

शिविर में मिर्गी रोग के अलावा वृद्ध रोगियों की निशुल्क रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच भी की गई।

राष्ट्रदूत चूरू, 3 अगस्त, 2011

550 रोगियों को दवा वितरित

चूरू, 2 अगस्त (का.सं.)। समीपवर्ती कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 3500 पंजीकृत रोगियों में से 550 को निःशुल्क दवा वितरित की गयी। डॉ.आर.के सुरेका ने बताया कि चूरू, झुंझनूं, सीकर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हिसार, पंजाब, दिल्ली, यूपी व हरियाणा से यहां रोगी इलाज के लिए आते है। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी दौरा पड़ने पर रोगी को जूता नहीं सुंघाना चाहिए बल्कि उसके मुंह में पानी या चम्मच डालनी चाहिए। मिर्गी रोगी भी साधारण रोगियों की तरह है।

July 2011

मिरगी रोग निदा[न] शिविर संपन्न

चूरू के रतन नगर में मिरगी रोग निदान शिविर में रोगियों क[ी जांच] करते डॉ. आर.के. सुरेका।

चूरू, 5 जुलाई (निसं.)। रतननगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित मासिक मिरगी रोग निदान शिविर में 567 रोगियों को उपचार कर निशुल्क दवाइयां दी गई। कैम्प में एसएमएस के प्रधान चिकित्सक डॉ. आर. के. सुरेका ने रोगियों को परामर्श एवं दवा के साथ-साथ दैनिक व्यायाम, दिनचर्या एवं गर्भवती महिला जो कि [...] पीड़ित है को विशेष रूप [...] नियमित लेने के साथ-सा[थ] जीना भी व्यवस्थित एवं सु[...] से रखने की सलाह दी। वरिष्ट डॉ. एफएच गौ[री], जयसिंह, सुरेन्द्र सरावगी, [...] सुरेका, मनोज, प्रताप सि[ंह], ताजू खान, नापु खान, ने[...] अन्य स्टॉफ ने सेवाएं दी।

शिविर में पहुंचे चार हजार रोगी

पत्रिका संवाददाता @ रतननगर

राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से लगने वाला निशुल्क मिर्गीरोग निदान एवं जन चेतना शिविर मंगलवार को सम्पन्न हुआ। मिर्गीरोग विशेषज्ञ डा.आरके सुरेका ने 567 रोगियों की जांच की। उन्होंने रोगियों को दैनिक व्यायाम, दिनचर्या बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शिविर में करीब चार हजार रोगियों को चिकित्सा संबंधी परामर्श व दवाएं दी गई हैं जिनमें से 512 रोगी अभी भी दवा का सेवन कर रहे हैं। 403 पूर्णतया नियमित स्थिति में हैं तथा अन्य का इलाज चल रहा है। शिविर में डा.एफएच गौरी, डा.जयसिंह, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, मनोज कुमार, प्रताप सिंह राठौड़, ताजू अन्य ने सेवाएं दी।

चूरू. निकटवर्ती गांव रतननगर में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शि[विर] में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

राजस्थान पत्रि[का] बुधवार 6 जुलाई 2011

दैनिक उद्योग आस-पास   जयपुर   बुधवार 3 अगस्त, 2011

चूरू-बीकानेर आस

चूरू-रतननगर में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को दवाईयां वितरित करते डॉ.आर.के.सुरेका।

मिरगी रोगियों को दवा वितरण

चूरू। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में नि:शुल्क वितरित की गई। डॉ. आर के सुरेका ने मिर्गी रोगी 3 व 4 वर्ष नियमित दवाई लेने से ठीक हो जाता है। शिविर में 3500 रोगी पंजीक्रत है जिसमें 550 रोगियों को नियमित निशुल्क दवाईयां वितरित किया जा रहा है। कैम्प में डॉ. एफ.एच गौरी, डॉ. जयसिंह, समाजसेवी अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, ताजु खां, पवन सिंह, नाथुराम, एवं प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे। अगला कैम्प 29 अगस्त को लगाया जायेगा।

राष्ट्रदूत चूरू, 3 अगस्त, 2011

550 रोगियों को दवा वितरित

चूरू, 2 अगस्त (का.सं.)। समीपवर्ती कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 3500 पंजीकृत रोगियों में से 550 को नि:शुल्क दवा वितरित की गयी। डॉ.आर.के सुरेका ने बताया कि चूरू, झुंझुनूं, सीकर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हिसार, पंजाब, दिल्ली, यूपी व हरियाणा से यहां रोगी इलाज के लिए आते है। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी दौरा पड़ने पर रोगी को जूता नहीं सुंघाना चाहिए बल्कि उसके मुंह में पानी या चम्मच डालनी चाहिए। मिर्गी रोगी भी साधारण रोगियों की तरह है।

दैनिक भास्कर   राजस्थान   10

मिर्गी रोगी टीवी नजदीक से न देखें: डॉ. सुरेका

जयपुर। त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर चूरू जिले के रतन नगर कस्बे में संपन्न हुआ। शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को दवाई नियमित लेनी चाहिए। मिर्गी कई कारणों से बढ़ती है, जैसे नींद की कमी, उपवास, तनाव, जलती-बुझती रोशनी, टीवी नजदीक से देखना आदि। अतः इससे बचें। उन्होंने बताया कि रोगी को टोने-टोटकों से बचना चाहिए।

राजस्थान पत्रिका
जयपुर शुक्रवार
18.11.2011

पिंकसिटी

18 नवम्बर, 2011   राजस्थान
शुक्रवार

जयपुर मेडिकल एसोसिएशन हॉल में मिर्गी के प्रति जागरूकता के पोस्टर को देखते डॉ. सुभाष नेपालिया और डॉ. अशोक पानगड़िया। (छाया: गिरधर बेलोरी)

CITY भास्कर

जयपुर, शुक्रवार, 18 नवंबर, 2011 • 21

रैली से किया एपिलेप्सी के प्रति अवेयर

सिटी रिपोर्टर. नेशनल एपिलेप्सी डे के उपलक्ष्य में गुरुवार को लोगों में अवेयरनेस के लिए जेएमए से स्टेच्यू सर्किल तक रैली निकाली गई। इस मौके पर हुए कार्यक्रम में फाइट अगेंस्ट एपिलेप्सी-कठोर एपिलेप्सी थीम पर पोस्टर का विमोचन किया गया। इसके अलावा वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू एपिलेप्सी मैटर्स डॉट कॉम पर चार वीडियो लॉन्च किया। जिन्हें यू ट्यूब पर देखा जा सकता है। इनके जरिए यह मैसेज देने की कोशिश की गई है कि मिर्गी रोग अभिशाप नहीं है। इसका पूर्ण इलाज संभव है। एपिलेप्सी केयर एंड अवेयरनेस फाउंडेशन के सेक्रेटरी डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि राजस्थान में मिर्गी पेशेंट्स पर हुई एक स्टडी में सामने आया कि चूरू में एक हजार पर तीन लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं। अभी भी लोग इस बीमारी के इलाज के लिए अंधविश्वास का सहारा ले रहे हैं, जबकि इसमें मेडिसन के रिजल्ट काफी बेहतर आ रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुभाष नेपालिया और पूर्व प्रिंसिपल डॉ. अशोक पानगड़िया थे।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2012

दैनिक अंबर | इंडलोद बुधवार 04 जनवरी 2012

सीडी से मिलेगी मिर्गी निदान की जानकारी

चूरू। मिर्गी रोगियों को रोगनिदान की जानकारी देने के लिए हिन्दी भाषा में सीडी रिकॉर्ड करवाई गई है। इस सीडी की सहायता से रोगियों को काफी उपयोगी जानकारी मिलेगी। मंगलवार को निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में सीडी रोगियों को दिखाई गई। इस अवसर पर जयपुर सवाई मानसिंह चिकित्सालय के डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा संचालित हिमिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन पर हिन्दी में एक वीडियो तैयार करवाया गया है। इसे देखकर आम आदमी मिर्गी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग से बचाव के लिए रोगी पानी से नियमित रूप से ... सावधानियां नहीं रखनी चाहिए। इसके माध्यम से न्यूरोसिस्टिसरकोसिस नामक कीड़ा दिमाग में पहुंच सकता है। डॉ. सुरेका ने बताया कि ... के सेवन से भी मिर्गी रोग हो सकता है। शिविर में डा. एफ.एच. गौरी, प्रताप सिंह राठौड़, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, नाथूराम, ताजु खान ने अपनी सेवाएं दीं।

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श देते डॉ. आरके सुरेका।

सीकर, बुधवार, 08 फरवरी 2012

आस-पास

शिविर में 570 रोगी लाभान्वित

चूरू। रतननगर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रतिमाह की तरह प्रथम मंगलवार को लगाया गया त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 570 से अधिक रोगियों की जांच कर निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई। शिविर में न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि महिला रोगियों के लिए एक प्रैग्नेंसी रजिस्ट्री भी बनाई गई। इसमें उन्हें स्वस्थ बच्चा एवं जच्चा के लिए सम्पूर्ण जानकारी व निःशुल्क दवाएं प्रदान की जायेंगी। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डा.जयसिंह, अशोक कुमार सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, निरंजन शर्मा, वीरेन्द्र सिंह, मनोज जांगिड़, दीपक शर्मा, अतुल टेंई, पवन सिंह, ताजु खां ने सहयोग दिया।

राष्ट्रदूत-चूरू, 7 मार्च, 2012

504 रोगियों की जांच

चूरू, 6 मार्च (का.सं.)। निकटवर्ती कस्बे रतननगर कस्बे के स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 504 रोगियों की जांच की। शिविर में प्रधान चिकित्सक एसएमएस जयपुर के ए. प्रोफेसर व डॉ. सुरेका ने बताया कि रोगियों को नियमित रूप से दवाई लेते रहना चाहिए। शिविर में रोगियों को खान-पान, दिनचर्या, योग, इत्यादि के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के साथ-साथ ... दी जाती है। शिविर में डॉ.एफएच गौरी, डॉ.जयसिंह, सुरेन्द्र सरावगी, प्रकाश सुरेका, ताजु खां, आदि ने चिकित्सा संबंधी जानकारी दी।

राजस्थान पत्रिका
चूरू . बुधवार
04.04.2012

चिकित्सा शिविर | डा. कर्णसिंह यादव ने किया मिर्गी रोग निदान शिविर का अवलोकन

पीड़ित की सेवा महान कार्य

चिकित्सा शिविरों का लोगों ने उठाया लाभ

चूरू

बीसूका के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कर्णसिंह यादव ने मंगलवार को रतननगर सीएचसी में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का अवलोकन कर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सुरेका ट्रस्ट की सराहना की।

इस मौके पर एसएमएस के न्यूरो फिजिशियन एवं एपिलेप्सी केयर एवं रिसर्च फाउंडेशन के चैयरमैन प्रो. डा. आरके सुरेका ने बताया कि सर्वे में यह बात सामने आई है कि युवाओं में अधिक पाए जाने वाले इस रोग का कारण बचपन में सिर में चोट लगना, जन्मजात विकृतियां, दिमाग में कीड़ों का संक्रमण आदि है। शिविर में मंगलवार को सैकड़ों मरीजों की निःशुल्क जांच कर दवाएं निःशुल्क वितरित की गई। शिविर में डॉ एफएच गौरी, डॉ जयसिंह, प्रताप सिंह राठौड़, सुरेंद्र, ताजू खां, प्रकाश सुरेका, छगन लाल, नाथूराम, मनोज आदि ने अपनी सेवाएं दीं।

वितरण चूरू. रतननगर कस्बे में मंगलवार को मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को दवा वितरित करते बीसूका के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.कर्णसिंह यादव व न्यूरोसर्जन डा. आरके सुरेका।

दैनिक अंबर | इंडलोद बुधवार 4 अप्रैल 2012

अंबर न्यूज। चूरू

बीसूका प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. करणसिंह यादव ने मंगलवार को रतननगर सीएचसी में आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर का अवलोकन कर सुरेका ट्रस्ट के सेवा प्रयासों की सराहना की।

डॉ. यादव ने कहा कि रोगियों की सेवा से बढ़कर पुण्य का और कोई कार्य नहीं है। एसएमएस के न्यूरो फीजिशियन एवं एपिलेप्सी केयर एवं रिसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन प्रो. डॉ आरके सुरेका ने बताया कि देश में हुए सर्वे में यह बात सामने आई है कि यह रोग युवाओं में अधिक पाया जाता है, जिसका कारण बचपन में सिर में चोट लगना, जन्मजात विकृतियां, दिमाग में कीड़ों का संक्रमण आदि है। शिविर में मरीजों की निःशुल्क जांच कर निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, प्रताप सिंह राठौड़, सुरेंद्र, ताजू खां, प्रकाश सुरेका, छगन लाल, नाथूराम, मनोज आदि ने अपनी सेवाएं दी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2012

दैनिक अंबर 2 मई 2012

मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित

चूरू के निकटवर्ती कस्बे रतननगर में सुरेका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को दवा वितरित करते डा. आरके सुरेका।

[illegible]

दैनिक उद्योग आस-पास [illegible] 04 जुलाई 2012

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन

चूरू। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से लगाये गये निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. आर के सुरेका ने 602 रोगियों को निशुल्क सेवाएं व परामर्श, दवाईयां के साथ साथ पानी व भोजन कि व्यवस्था भी कि गई। डा. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को नियमित जांच व दवा लेनी चाहिए। प्रसव के दौरान महिलाओं को कुछ मिर्गी रोग निदान की दवाईयां देने की आवश्यकता रहती है। असर सामान्यता नवजात बच्चे पर नही पडती है। जिससे यह कार्य चिकित्सा सुपरविजन के दौरान दवा बंद नही करनी चाहिए। इस मौके पर कैम्प में डा. एसएन गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, सुरेन्द्र सहवागी, ताजू खां, मनोज, नाथूराम, छगन लाल, गिरधारीलाल, देवराज सिंह आदी ने सेवाएं दी।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार
06.06.2012

चूरू

प्रदर्शनी रतननगर चिकित्सा प्रदर्शनी का अवलोकन करते कलक्टर।

मिर्गी रोग का निदान संभव

कलक्टर ने किया शिविर का अवलोकन

रतननगर

एसएमएस अस्पताल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजीशियन डा. आरके सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोगी का यदि समय रहते उपचार शुरू हो तो रोग जड़ से खत्म हो सकता है।

डा. सुरेका मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में आए मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी को शादी करने अथवा प्रसव के लिए कोई बाधा नहीं है। दौरे के नियंत्रण सही रहे तो चिकित्सक की सलाह के बाद वह गाड़ी भी चला सकता है। शिविर में डा. सुरेका ने 647 रोगियों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवा प्रदान की। जिला कलक्टर विकास एस भाले ने शिविर का अवलोकन किया और मरीजो से कुशल क्षेम पूछी तथा ट्रस्ट की ओर से लगाई गई स्वास्थ्य प्रदर्शनी को उद्घाटन किया। शिविर में वरिष्ठ फिजिशियन डा. एसएन गौरी, डा. ओपी गुप्ता, डा. एसएन शर्मा व डा. साकेत कुमार के अलावा प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सहवागी, मनोज आंगिड़, ताजू खां, नाथूराम नायक, छगनलाल देवकीनंदन दर्जी ने शिविर मे भागीदारी निभाई।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार
04.07.2012

नियमित दवा से मिर्गी का निदान संभव

निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में उमड़े [illegible] दिया परामर्श

[illegible]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2012

राष्ट्रदूत जयपुर, 18 नवम्बर 2012 | 7

'फाईट अगेंस्ट एपिलेप्सी' में किया लोगों को जागरूक

जयपुर। राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के तत्वाधान में आज मिर्गी रोग पर एक जनचेतना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मिर्गी रोग के सम्बन्ध में व्याप्त भ्रांतिया एवं अंधविश्वासों के निवारण हेतु एक मार्च "फाइट एगेन्स्ट एपिलेप्सी" का आयोजन किया गया जिसमें की मिर्गी रोग से संबंधित पूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेश जोशी ने इस फाउण्डेशन के मुख्य सचिव न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की मिर्गी रोग से सम्बन्धित अन्धविश्वासों को हटाने के लिए किए गए प्रयासों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब रोगियों का इतने लम्बे अरसे से निःशुल्क इलाज करने का उदाहरण पेश किया है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव एवं सवाई मानसिंह चिकित्सालय के न्यूरोलोजिस्ट डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी लाईलाज नहीं है व मिर्गी रोगी एक सामान्य व्यक्ति की जैसे जीवन जी सकता है। इस अवसर पर डॉ. सुभाष नेपालिया और डॉ.एस.एस.अग्रवाल भी मौजूद थे।

जयपुर, रविवार, 18 नवंबर, 2012 | 7

dainiknavajyoti.com

जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित रोटरी क्लब में आयोजित मिर्गी रोग पर रैली को रवाना करते सांसद महेश जोशी व अन्य अतिथि। -नवज्योति

मिर्गी रोग लाइलाज नहीं: डॉ. सुरेका

नगर प्रतिनिधि/जयपुर

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के तत्वावधान में शनिवार को रोटरी क्लब भवन में मिर्गी रोग पर एक जनचेतना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव एवं सवाई मानसिंह चिकित्सालय के न्यूरोलोजिस्ट डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया की मिर्गी लाइलाज नहीं है व मिर्गी रोगी एक सामान्य व्यक्ति की भांति जीवन जी सकता है। मिर्गी रोग के सम्बन्ध में व्याप्त भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों के निवारण के लिए एक मार्च 'फाइट एगेन्स्ट एपिलेप्सी' का आयोजन किया गया जिसमें मिर्गी रोग से संबंधित जानकारी दी गई। रैली को मुख्य अतिथि महेश जोशी जी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। सांसद जोशी ने फाउण्डेशन के मुख्य सचिव न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका के प्रयासों की सराहना कि और आशा व्यक्त की मिर्गी रोग से सम्बन्धित अन्धविश्वासों को हटाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

राजस्थान पत्रिका

चूरू बुधवार

05.12.2012

मिर्गी रोगियों की जांच

निशुल्क दवा वितरित

रतननगर त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को 213 वां मिर्गी रोग निदान शिविर राजकीय अस्पताल में सम्पन्न हुआ। इसमें वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डा.आरके सुरेका ने 560 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की। इस मौके पर डा.सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोगियों दौरा पड़ने पर टेढ़ा लेट जाना चाहिए।

शिविर में राजेन्द्र हिरावत, अशोक सुरेका की ओर से रोगियों व उनके साथ आए लोगों को भोजन कराया। इस दौरान डा.जयसिंह, डा.अभिनव सचेन, सुरेन्द्र सरावगी, राजू खान, देवकीनन्दन दर्जी, निर्मल सेन, अजीतसिंह, गिरधारीसिंह, प्रतापसिंह राठौड़ आदि ने शिविर में सहयोग दिया।

समाचार जगत जयपुर, 18 नवम्बर 2012

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2013

डेजर्ट टाइम्स बुधवार, 2 जनवरी 2013

मिर्गी रोगियों को किया लाभान्वित

सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट रतननगर का रोग निदान शिविर

डेजर्ट टाइम्स न्यूज।

चूरू। शिविर में चिकित्सा करते डॉ. सुरेका।

डेजर्ट टाइम्स बुधवार, 6 मार्च 2013

4

बच्चों की देखभाल जरूरी-डॉ. सुरेका

डेजर्ट टाइम्स न्यूज।

रतननगर। रोगियों का उपचार करते डॉ. सुरेका।

समाचार जगत जयपुर, 3 अप्रैल 2013

मिर्गी रोग निदान शिविर में 621 की जांच

चूरू। (निसं)

दैनिक नवज्योति जयपुर, बुधवार, 8 जनवरी, 2014

मिर्गी निदान शिविर

न्यूज सर्विस/चूरू

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 612 मिर्गी रोगियों को लाभान्वित किया। शिविर में डॉ. सुरेका ने बताया कि प्रसन्न मिर्गी रोगियों के लिए कुछ दिक्कत नहीं सिर्फ नियमित दवा तथा चिकित्सीय सलाह से कुछ दवाईयों की मात्रा बढ़ाने की आवश्यकता होती है। मिर्गी रोगी भी सामान्य व्यक्तियों की तरह प्रवास कर सकती है। इस अवसर पर दिल्ली के अशोक सुरेका ने शिविर की समस्त सेवाओं का अवलोकन किया।

दैनिक नवज्योति जयपुर बुधवार 6 जनवरी 2013

मिर्गी रोग निदान शिविर का समापन

रतननगर के राजकिय अस्पताल में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में डॉ. आर के सुरेका ने 608 रोगियों का निशुल्क जांच कर दवा वितरित की। डॉ. सुरेका ने बताया कि दिन में एक बार गोली लेने से मिर्गी रोग के दौरे नियंत्रित हो सकते है।

राजस्थान पत्रिका 08.05.2013

चूरू . बुधवार

निशुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों ने उठाया लाभ

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कस्बे में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 500 से अधिक मिर्गी रोगियों को निशुल्क चिकित्सा, दवा, स्वास्थ्य परामर्श, ईईजी आदि की निशुल्क सुविधा प्रदान की गई। इस मौके पर रोगियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि नियमित दवा के सेवन से ना केवल रोगी के दौरे नियंत्रित होते हैं बल्कि मरीज आराम से जीवन यापन कर सकता है। शिविर में राजकीय भरतीया अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन ने सेवाएं दी। ट्रस्ट के अशोक सुरेका, आचार्य सुरेन्द्र सरावगी सहित कई ने सहयोग प्रदान किया।

रतननगर. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

निशुल्क पोलियो ऑपरेशन शिविर 10 को

बीदासर. नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं चोरड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट, मानव सेवा संस्थान दड़िबा एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में 10 मई को कस्बे में निशुल्क पोलियो ऑपरेशन जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रभारी मालचंद दर्जी के अनुसार तुलसी, महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र में शुक्रवार को आयोजित शिविर में पोलियो विकलांगों की जांच कर ऑपरेशन के लिए चयन करने के साथ-साथ निशक्तजनों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, वॉकर एवं श्रवण यंत्र वितरित किए जाएंगे। चयनितों का उदयपुर में ऑपरेशन किया जाएगा।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2013

शेखावाटी भास्कर

निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया

रतननगर। त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को लगे निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 612 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर

में डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि वर्तमान में मिर्गी रोग का उपचार संभव है। परिजनों को चाहिए कि वे मिर्गी रोगी को आत्मविश्वास के साथ रोग निदान में सहायता करें। उन्होंने बताया कि जेवेनाइल मायोक्लोनिक मिर्गी एक विशेष प्रकार की मिर्गी है जो कि विशेष रूप से बच्चों में होती है। इसमें जांच के बाद नियमित दवा लेने से पूरा उपचार संभव है। शिविर में 62 रोगियों को परामर्श दिया गया। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, प्रकाश सुरेका, सुरेंद्र सरावगी, प्रतापसिंह राठौड़, ताजू खां, पवनसिंह, नाथू व मनोज ने सेवाएं दी।

दैनिक अंकुर डूंगरगढ़ - बुधवार 3 जुलाई 2013

मिर्गी रोगियों का किया उपचार

चूरू. अंकुर न्यूज

रतननगर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को लगाए गए नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में सैकड़ों रोगियों ने लाभ लिया। शिविर में 603 रोगियों को चिकित्सकों ने परामर्श प्रदान कर नि:शुल्क दवा वितरित की।

डॉ. विकास गुप्ता ने रोगियों को नियमित व्यायाम करने व नियमित दवा लेने की सलाह दी गई। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. रोहित सुरेका, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह, सुरेश, तनु खां, लादू सिंह, पवन, नाथूराम आदि ने सेवाएं दी।

चूरू. रतननगर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

शिविर डॉ. आरके सुरेका की देखरेख में लगाया जा रहा है।

दैनिक नवज्योति जयपुर, बुधवार, 3 जुलाई, 2013

रतन नगर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक। फोटो:जगदीश सोनी

दैनिक उद्योग -आस-पास सीकर, बुधवार, 03 जुलाई, 2013,

मिर्गी रोगियों को किया उपचार

चूरू। रतननगर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से माह के प्रथम मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में सैकड़ों रोगियों की जांच कर उपचार किया गया। शिविर में 603 रोगियों को चिकित्सक परामर्श का निशुल्क दवा वितरित की गई। कैम्प में न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. विकास गुप्ता ने रोगियों को [illegible] जानकारी देकर नियमित व्यायाम तथा नियमित दवा लेने की सलाह दी गई। कैम्प में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. रोहित सुरेका, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह, सुरेश, ताजू खां, लादू सिंह, पवन, नाथूराम

आदि ने अपनी सेवाएं दी। प्रवक्ता के दौरान दवाएं डाक्टर की सलाह से लेनी चाहिए। जिसमें नियमित रूप से लेने में यह रोग पूर्णतया नियंत्रण में रहता है। तथा सुरक्षित प्रसव संभव है। केन्द्र में शिविर डॉ. आर.के सुरेका की देखरेख में लगाया जाता है।

लोकदशा जयपुर, गुरुवार, 8 अगस्त 2013

592 रोगियों को परामर्श

चूरू (लोस.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लगाए जाने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जयपुर एसएमएस के डॉ. राजेन्द्र सुरेका ने 592 रोगियों को चिकित्सीय परामर्श देकर दवाइयां उपलब्ध कराई। इस अवसर पर डॉ. सुरेका ने कहा कि शिविर में सभी रोगियों का उपचार किया जाता है। इससे उनके रोग में निरंतर लाभ मिलता है। रोगियों को नियमित रूप से दवाओं का सेवन करना चाहिए। मंदबुद्धि वाले रोगियों को दौरे पड़े तो घबराना नहीं चाहिए। समय पर इलाज कराने से रोगी को फायदा मिलता है। इस अवसर पर डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जय सिंह, डॉ. अभिनव सरीन, प्रकाश सुरेका, सुरेन्द्र सरावगी, प्रताप सिंह राठौड़, पवन सिंह, मुकेश सिंह, अतुल मोदी, मनोज आंगिड़, नाथू सिंह, व लच्छू राम आदि उपस्थित थे।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2013

दैनिक उद्योग आस-पास

सीकर, बुधवार, 06 सितम्बर, 2013

मिर्गी रोगियों का किया उपचार

चूरू। रतननगर कस्बे के राजकीय स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट में निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि 19 साल से लगने वाले इस शिविर में 602 मरीजों का निदान कर निशुल्क दवा वितरण की गई। डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों को लोग पागल समझते है । व उन्हे मानसिक बीमारी से ग्रसित मानते है। बीमारी को देवी देवताओं का प्रकोप मानते है। लेकिन वास्तव में सत्य नहीं है अत मिर्गी रोगी को कम से कम 3 वर्ष लगातार दवाई लेनी चाहिए। जिससे की मिर्गी रोगी ठीक हो सकता है। इस शिविर में डॉ. जय सिंह, मनोज जांगिड़, पवन सिंह, ताजु खां, मुकेश सिंह, देवीसिंह, सुशील इन्दा आदि ने सहयोगिय भूमिका निभाई।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 2 अक्टूबर, 2013

मिर्गी निदान शिविर में रोगी लाभान्वित

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को राजकीय अस्पताल में लगाए गए निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में रोगियों का उपचार कर परामर्श दिया गया। इस दौरान एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर व प्रधान चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों को [illegible]

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार. 6 नवंबर, 2013

मिर्गी रोग निदान शिविर लगा

रतननगर. रोगियों की जांच करते डाक्टर।

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग जांच व उपचार शिविर लगा। न्यूरो फिजीशियन डॉ. आरके सुरेका सहित उनकी टीम ने 600 से अधिक रोगियों की जांच कर एक माह की दवा वितरित की। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी का रोगी भी सामान्य जिंदगी जी सकता है। उन्होंने रोगी रोग के कारण, निदान व उपचार के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मिर्गी रोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रदर्शनी भी लगाई गई। शिविर में डॉ. जयसिंह, अशोक सुरेका, मनोज, पवनसिंह, ताजू खां, रामवतार, मुकेश सिंह, सुशील इंदा आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान पत्रिका / सिटी पत्रिका

जयपुर, गुरुवार 14.11.2013

सुबह 5 बजे आसा दी वार का कीर्तन हुआ।

पुस्तक राज्यपाल को भेंट

जयपुर. सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. आर. के. सुरेका की लिखी पुस्तक 'हैंड बुक ऑफ एपिलेप्सी' की प्रथम प्रति बुधवार को राज्यपाल मार्गरेट आल्वा को भेंट की गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि इस पुस्तक में मिर्गी रोग के उपचार व सावधानियों के बारे में बताया गया है। यह पुस्तक सभी फिजिशियन एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के लिए उपयोगी रहेगी।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार. 4 दिसंबर, 2013.

रोगियों को निशुल्क दवा वितरित

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित मिर्गी रोग निदान शिविर में सैकड़ों रोगियों को निशुल्क दवा वितरित की गई।

मुख्य न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि गांवों में आज भी अंधविश्वास फैला हुआ है कि मिर्गी रोग देवी-देवताओं के प्रकोप या भूत-प्रेतों की नजर के कारण होता है, ऐसे में लोग झाड़-फूंक के चक्कर में पड़े रहते है।

उन्होंने बताया कि नियमित दवा लेने से रोग से छुटकारा पाया जा सकता है। इस दौरान मिर्गी रोग की जानकारी के लिए पंफलेट व चार्टर्स के माध्यम से जानकारी दी गई। प्रदर्शनी भी लगाई गई। शिविर में डॉ. एसएच गौरी, मनोज जांगिड़, ताजू खां, छगनलाल चौधरी आदि ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2014

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 8 जनवरी, 2014

» रतननगर. मिर्गी निदान शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

शिविर में कई लाभान्वित

▪ मिर्गी निदान शिविर लगाया

भास्कर न्यूज • रतननगर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मिर्गी निदान शिविर लगाया गया।

शिविर में 612 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में मरीजों के दवा, भोजन व अन्य व्यवस्थाएं निशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर व प्रधान चिकित्सक डॉ. राके सुरेका ने रोगियों की जांच की।

अशोक सुरेका ने शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। शिविर में फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. रोहित सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. सर्वेश, मनोज व अरुण आदि ने सहयोग किया।

दैनिक युगपक्ष बीकानेर बुधवार 5 फरवरी, 2014

मिर्गी रोग में स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी : डॉ.सुरेका

चूरू। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 654 रोगियों की जांच करते हुए जयपुर के मुख्य न्यूरोफिजीशियन डॉ. आर के सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग का इलाज संभव है, किसी डॉक्टर से सलाह लेकर ही इसका उपचार करवायें।

न कि किसी झाड़फूंक व टोने-टोटकों के चक्कर में न पड़ें। उन्होंने बताया कि मरीजों के अंध विश्वास, अज्ञान, सामाजिक विचार, निर्धनता एवं योग्य चिकित्सकों के अनुपलब्धता से मिर्गी रोग का उचित समय पर इलाज नहीं हो पाता है। इस अवसर पर शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.सर्वेश, पवन सिंह, मनोज जांगिड़, ताजु खां, मुकेश सिंह, देवकी दर्जी आदि ने सहयोगीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर संपूर्ण संस्थान ने रोगियों को निःशुल्क भोजन करवाया।

चूरू : रतननगर कस्बे के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणीदेवी चेरिटेबल

दैनिक अंबर झुंझुनूं (झुंझुनूं) : बुधवार 5 फरवरी : 2014

मिर्गी रोग में सतर्कता जरूरी

चूरू. अंबर न्यूज

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को आयोजित किए गए निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 654 रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर के न्यूरो फिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग का ईलाज संभव है। उन्होंने कहा कि मिर्गी से घबराने के बजाय उपचार में सतर्कता बरतें व किसी योग्य डॉक्टर से सलाह लेकर परामर्श करें। मिर्गी के ईलाज के लिए किसी डोरा जंतर या झाड़-फूंक की जरूरत नहीं है। शिविर में डॉ जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ सर्वेश, पवन सिंह, मनोज जांगिड़, ताजु खां, मुकेश सिंह, देवकी दर्जी आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान पत्रिका चूरू . बुधवार 05.02.2014

मिर्गी रोग में स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी

चूरू. राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 654 रोगियों की जांच की गई। इस मौके पर डा.आरके सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग का इलाज संभव है। शिविर में डा.जय सिंह, डा. अभिनव सरीन, डा.सर्वेश, पवन सिंह, मनोज जांगिड़, ताजु खां, मुकेश सिंह, देवकी दर्जी आदि ने सहयोगी की भूमिका निभाई।

राजस्थान पत्रिका चूरू . बुधवार 05.03.2014

सैकड़ों मरीजों का उपचार

चूरू. त्रिवेणी देवी सुरका ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को रतननगर में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। इस मौके पर 6 34 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवा प्रदान की गई। शिविर में डा. आरके सुरेका, डा. एफएच गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, पवन सिंह, ताजुखां, मुकेश सिंह एवं रक्षित आदी ने सहयोग दिया।

समाचार जगत

जयपुर, 5 मार्च 2014

शिविर में 634 मरीजों का उपचार

चूरू (निसं.)। रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरका ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 634 मरिजों को जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से ग्रसित रोगियों के लिए आजकल नई औषधियां उपलब्ध हो गई है। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को मिर्गी रोग से निराश नहीं होना चाहिए। क्योंकि आजकल दवाइयां एवं शल्य चिकित्सा से 95 प्रतिशत मिर्गी के दौरे पर नियन्त्रण हो जाता है। शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, पवन सिंह, ताजुखां, मुकेश सिंह एवं रक्षित आदि ने सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार. 5 मार्च, 2014

मिर्गी रोग निदान शिविर लगा

चूरू. त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में 634 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक व प्रधान चिकित्सक डॉ. राजेंद्र सुरेका ने रोगियों की जांच की। सुरेका ने बताया कि मिरगी रोगियों के लिए आजकल नई औषधियां उपलब्ध हो गई है, जिनसे सभी तरह के दौरे नियंत्रित किए जा सकते है। नई औषधियां कम हानिकारक है व कम बार देने पर भी कारगर रहती है। शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, मनोज, पवनसिंह, ताजू खां व रक्षित ने सहयोग किया।

राजस्थान पत्रिका
चूरू बुधवार

निशुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों ने उठाया लाभ

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कस्बे में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 500 से अधिक मिर्गी रोगियों को निशुल्क चिकित्सा, दवा, स्वास्थ्य परामर्श, ईईजी आदि की निशुल्क सुविधा प्रदान की गई। इस मौके पर रोगियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि नियमित दवा के सेवन से ना केवल रोगी के दौरे नियंत्रित होते हैं बल्कि मरीज आराम से जीवन यापन कर सकता है। शिविर में राजकीय भरतीया अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन ने सेवाएं दी। ट्रस्ट के अशोक सुरेका, आचार्य सुरेन्द्र सरावगी सहित कई ने सहयोग प्रदान किया।

रतननगर. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

निशुल्क पोलियो ऑपरेशन शिविर 10 को

बीदासर. नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं चोरड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट, मानव सेवा संस्थान दड़िबा एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में 10 मई को कस्बे में निशुल्क पोलियो ऑपरेशन जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रभारी मालचंद दर्जी के अनुसार तुलसी, महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र में शुक्रवार को आयोजित शिविर में पोलियो विकलांगों की जांच कर ऑपरेशन के लिए चयन करने के साथ-साथ निशक्तजनों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, वॉकर एवं श्रवण यंत्र वितरित किए जाएंगे। चयनितों का उदयपुर में ऑपरेशन किया जाएगा।

राजस्थान पत्रिका
चूरू . बुधवार
07.05.2014

निशुल्क शिविर में सैकड़ों रोगी लाभान्वित

चूरू. रतननगर कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में 6 14 मिर्गी रोगियों को निशुल्क परामर्श देकर दवाइयां प्रदान की गई। इस मौके पर डा. सुरेका ने कहा कि नियमित उपचार से मिर्गी जैसा रोग आसानी से ठीक हो सकता है। शिविर में डा. एफएच. गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, डा. सर्वेश अग्रवाल, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, तानु खां, मनोज, नात्थूसिंह, मुकेश व मंजीत आदि ने सहयोगीय भूमिका निभाई। अशोक सुरेका व कस्बे के समाजसेवियों ने रोगियो व उनके परिजनों के लिए भोजन व रहने की निशुल्क सुविधा प्रदान की।

दैनिक भास्कर
चूरू, बुधवार, 7 मई, 2014

मिर्गी के 614 रोगी लाभान्वित

रतननगर. कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल की ओर से मिर्गी रोग निदान शिविर में सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर के डॉ. आरके सुरेका ने 614 मिर्गी रोगियों का निशुल्क चिकित्सीय परामर्श देकर दवाइयां दी। कैंप में दिल्ली के अशोक सुरेका व कस्बे के समाजसेवियों ने रोगियों व उनके परिजनों को निशुल्क भोजन की व्यवस्था भी की।

प्रधान चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी जिनको मानसिक कमजोरी बचपन से ना रही होतो वे नियमित ईलाज लेकर पूर्णत ठीक या नियमित हो सकते है। सामान्य व्यक्ति की तरह सामान्य जीवन यापन कर सकते है। इस दौरान डॉ. एफएच. गौरी, डॉ.जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. सर्वेश अग्रवाल, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह राठौड़, तानु खां, मनोज, नात्थूसिंह, मुकेश व मंजीत आदि ने सहयोग किया।

hindustantimes
HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
WEDNESDAY, JULY 02, 2014

'Health edu can better lives of epileptics'

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: It is a common notion among epilepsy patients that the disease has been inflicted upon them by some divine power, a study has revealed. According to a research conducted by Dr Rajendra Kumar Sureka, retired professor of neurology from Sawai Man Singh Medical College, over 50% of the epilepsy patients still believe that epilepsy is an act of God.

Dr Sureka, who has been organising a free epilepsy camp for poor patients in the rural areas of Ratan Nagar in Churu district every month for the last 19 years, conducted a survey on Knowledge, Attitude & Practice (KAP) of the disease on 300 patients in the camp for the last four years of which 150 were newly infected.

Dr Sureka said that as 50% patients believe epilepsy to be a God's curse, they use shoes, onions and metal keys for treatment. However, such beliefs found very few takers among the patients who joined his camp.

DR SUREKHA CONDUCTED A SURVEY ON KNOWLEDGE, ATTITUDE & PRACTICE (KAP) OF THE DISEASE ON 300 PATIENTS

The epilepsy expert said the study's results showed that the magnitude of fits is more controlled among the older group of patients than the younger lot. The fits were fully controlled among 60% of older patients as compared to 30% in newer patients. The survey showed that epilepsy can be controlled in 70%-80% patients through mono therapy and there are no side effects as compared to in those under poly therapy. Dr Sureka concluded that proper health education and treatment can change the lives of epileptics.

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2014

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार
06.08.2014

चूरू

मिर्गी रोग का सर्जरी से इलाज संभव

चूरू. रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल की ओर से निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ न्यूरोफिजीशियन डा. आरके सुरेका ने मरीजों का उपचार कर निशुल्क दवा उपलब्ध करवाई। डा. सुरेका ने बताया कि असाध्य मिर्गी रोग ईलाज सर्जरी से भी संभव है। इसका उपचार दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद सहित बड़े शहरों में उपलब्ध है। इस मौके पर डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. सर्वेश, डा. रवित, डा. सरीन व डा. अशोक सुरेका आदि ने शिविर में सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर

चूरू

सीकर, बुधवार 6 अगस्त, 2014 16

मिर्गी शिविर में रोगियों को मिला इलाज

रतननगर. शिविर में रोगियों की जांच करते डॉक्टर।

रतननगर। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर लगा।

शिविर में सवाईमानसिंह अस्पताल जयपुर के न्यूरोलोजी विभाग के पूर्व प्रो. डॉ. आरके सुरेका ने रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। शिविर में 632 रोगियों की जांच कर एक माह की दवा प्रदान की गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि असाध्य मिरगी का ईलाज सर्जरी के माध्यम से भी हो सकता है। दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बैंगलौर आदि शहरों में सर्जरी के जरिए इसका ईलाज किया जाता है। शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ. सुरीन, डॉ. एफएच गौरी, डॉ. सर्वेश, डॉ. रवित व अशोक सुरेका ने सहयोग किया।

समाचार जगत

शिविर में 632 रोगियों की जांच

चूरू, (निसं.)

दैनिक भास्कर

08

सर्जरी से संभव मिर्गी का इलाज

चूरू. रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जयपुर के न्यूरोलोजिस्ट डॉ. आरके सुरेका ने 632 रोगियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने मिर्गी के ईलाज के लिए किए जा रहे नवीनतम शोध कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग का ईलाज न्यूरो सर्जरी के द्वारा भी किया जा सकता है। वर्तमान में देश के दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरु, हैदराबाद आदि बड़े शहरों में इसकी सर्जरी करवाने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग से पीड़ित व्यक्ति को जागरुक रहने की आवश्यकता है। रोग के बारे में एवं दवाईयों के बारे में जागरुक रहकर ही इससे मुक्ति मिल सकती है। रतननगर के शिविर के बारे में डॉ. सुरेका ने कहा कि उन्होंने मिर्गी के बारे में जागरुकता के लिए 1994 में शिविर लगाना शुरू किया था। तब से लेकर अब तक कई प्रांतो के 5000 मरीज यहां पंजीकृत हो चुके है। शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ.एफएच गौरी, डॉ.सर्वेश, डॉ.रवित, डॉ.सरीन व डॉ.अशोक सुरेका ने भी सहयोग किया।

दैनिक उद्योग - आस-पास जयपुर, बुधवार, 06 अगस्त, 2014, पृष्ठ सं. 8

मिर्गी रोग का सर्जरी से भी इलाज संभव - डॉ.सुरेका

चूरू। रतननगर कस्बे के उप स्वस्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल के द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जयपुर सवाई मानसिंह के न्यूरोलोजी विभाग के डॉ.आरके सुरेका ने 632 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवाईयां देकर उपचार किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों के ईलाज एवं रोग के बारे में जागृति पैदा करने के लिए यह शिविर उन्होंने 1994 में चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र राठौड़ के कर कमलों द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि इस शिविर में देश के कई प्रांतो से आये हुए 5000 मरीज पंजीकृत है। उन्होने बताया कि असाध्य मिर्गी रोगियों के लिए सर्जरी द्वारा ईलाज संभव है। जोकि दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बैंगलोर, जैसे शहरों में उपलब्ध है। इस अवसर पर डॉ.जयसिंह, डॉ. एफएच गौरी, डॉ.सर्वेश, डॉ. रवित, डॉ. सरीन व डॉ. अशोक सुरेका आदि ने शिविर में सहयोग दिया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2014

राजस्थान पत्रिका
चूरू . बुधवार
03.09.2014
चूरू

चूरू. मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगी की जांच करते डा. आरके सुरेका।

मिर्गी रोगियों का निशुल्क उपचार

चूरू.
sikar@patrika.com

रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी निदान उपचार शिविर आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सक डा. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में सैकड़ों रोगियों को लाभान्वित किया गया। इस मौके पर सुरेका ने कहा कि इसका उपचार संभव है।

मरीज को एहतियात बरतने की जरूरत है। इस अवसर पर डा.एफएच गौरी, डा.जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा.सरीन, डा. रक्षित सुरेका, डा.सर्वेश व मनोज सहित अन्य लोगों ने शिविर संचालन में सहयोग दिया।

दैनिक अंचल इंडलोद (झुंझुनूं) . बुधवार 3 सितंबर . 2014 02

नियमित दवा से ठीक हो सकते हैं मिर्गी रोगी: सुरेका

रतननगर. कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में करीब सात सौ रोगियों को लाभान्वित किया गया। जयपुर के एसएमएस के पूर्व प्रोफेसर एवं न्यूरोफिजीशियन डा. आर के सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच की और कहा कि महिला मिर्गी रोगी को गर्भधारण से पूर्व चिकित्सकों से राय लेकर उपचार करवाना चाहिए और बच्चे पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़े इसके लिए प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फौलिक एसिड नियमित रूप से लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी यदि नियमित दवा ले तो वह पूर्णतया ठीक हो सकता है। उन्होंने मिर्गी रोगियों को बचाव और नियमित रूप से दवा लेने के साथ बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत करवाया। उल्लेखनीय है कि करीब दो दशकों से प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित होने वाले इस शिविर में जिले सहित निकटवर्ती राज्यों के मिर्गी रोगी उपचार के लिए आते हैं। वर्तमान में पांच हजार से अधिक मिर्गी रोगी पंजीकृत है। शिविर में डॉ.एफ एच गौरी, डॉ.जयसिंह, रक्षित व सर्वेश सुरेका, मनोज, अशोक व प्रकाश सुरेका आदि ने सेवाएं दी।

राजस्थान पत्रिका
चूरू . गुरुवार
09.10.2014
चूरू

'मिर्गी आए तो तिरछा कर लिटा दें'

चूरू.रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया गया। शिविर में 700 रोगियों का निदान कर निशुल्क दवा वितरित की गई। जयपुर एसएमएस अस्पताल के न्यूरोफिजीशियन डा.आरके. सुरेका ने मरीजों का उपचार किया।डा. सुरेका ने बताया कि दौरा पड़ने पर मरीज को तिरछा करके लिटा देना चाहिए व मुंह से झाग साफ कर देना चाहिए। शिविर में जयपुर से आए मिर्गी परामर्शदाता अतुल तोदी ने मिर्गी रोग निदान व दवा लेने के तरीके की जानकारी दी। इस मौके पर डा. एफएच गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, डा. रक्षित, ताजू खान, मनोज, प्रताप सिंह आदि ने सहयोगीय भूमिका निभाई।

दैनिक अंबर
(राज.), बुधवार 10 दिसंबर, 2014

मिर्गी रोग निदान के लिए आई नई दवा बनेगी सशक्त माध्यम: डॉ. सुरेका

रतननगर में आयोजित हुआ मिर्गी रोग निदान शिविर

रतननगर. अंबर न्यूज

स्थानीय सामुदायिक अस्पताल में त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रति माह लगाए जाने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में मंगलवार को आयोजित शिविर में तक भी बतीस रोगियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में मुख्य न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज के लिए नई दवाओं की खोज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि बाजार में नई दवा आ भी चुकी है। ये नई दवा मिर्गी रोग निदान के लिए उपयुक्त है इससे रोगियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने नई दवा के माध्यम से मिर्गी रोग पर साठ से सत्तर प्रतिशत तक दौरे तो एकदम नियंत्रित हो सकते है। उन्होंने कहा कि नई दवाओं के अलावा शल्य क्रिया से भी मिर्गी रोगियों का उपचार किया जा सकता है। उन्होंने मिर्गी रोगियों के अभिभावकों से कहा कि मिर्गी रोगी को ठीक करने में उनकी भी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जो अभिभावक रोगी की समुचित देखभाल करते हुए नियमित दवा देते हैं वे जल्दी ही ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोग कोई असाध्य रोग नहीं है लेकिन पुरातन भ्रांतियों के कारण लोग इस रोग का समय पर ईलाज नहीं करवाते हैं जिससे रोगी को परेशानी होती है और रोग बढ़ जाता है। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि मिर्गी के जरा से भी लक्षण नजर आए तो इसका तत्काल उपचार करवाना चाहिए।

चूरू. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

डॉ.सुरेका, डॉ.जयसिंह, डॉ.सर्वेश व डॉ.अजित ने मिर्गी रोगियों की जांच कर उनका उपचार किया तथा सभी रोगियों को निशुल्क दवा प्रदान की। शिविर में मास्टर प्रतापसिंह, अरूण मोदी, राजू [illegible] व मनोज आदि ने आयोजकीय भागीदारी निभाई।

दैनिक भास्कर 7 जनवरी 2015, बुधवार

रतननगर में मिर्गी निदान शिविर लगा

रतननगर | त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मासिक मिर्गी निदान शिविर लगाया गया। मुख्य चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में 620 रोगियों को परामर्श व निशुल्क दवा वितरित

हुक्मनामा 7 जनवरी 2015, बुधवार

शिविर में 620 रोगियों को किया उपचार

चूरू, 6 जनवरी (कासं.)। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हर माह के पहले मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 620 रोगियों के स्वास्थ्य की जांच व निशुल्क दवाईयां वितरण की गई। इस अवसर पर पिछले 20 वर्षों से प्रति माह लगाया जाने वाला 245 वां शिविर है। शिविर में देश के विभिन्न भागों से आये करीब 5000 मरीजों का पंजीकरण उपलब्ध है। डॉ.सुरेका ने कहा कि ईलाज लेने वाले मरीजों में करीब 70 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्णरूप से नियंत्रित है। नियमित दवाई लेने से वे एक आम आदमी की तरह जीवन यापन कर रहे। उन्होंने बताया कि शादी योग्य मरीजों की शादी हो गईहै। और अब वे अपने बच्चों को जन्म देने योग्य साबित हो सकते है। शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ.सर्वेश, डॉ.एमएन गौरी, डॉ.रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, मां.प्रताप सिंह, अरूण शर्मा, मनोज आदि ने शिविर में आयोजकीय भूमिका निभाई।

1

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2015

राजस्थान पत्रिका

चूरू, बुधवार 07.01.2015

चूरू/रतननगर.

sikar@patrika.com

त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रतननगर कस्बे में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया गया। डा. आरके. सुरेका ने बताया कि 620 रोगियों को परामर्श व निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में डा. जयसिंह, डा. सर्वेश, डा. रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका ने सेवा दी। डा. सुरेका ने बताया कि अगला शिविर तीन फरवरी को लगाया जाएगा।

शिविर में 620 रोगियों का उपचार

चूरू। रतन नगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हर माह के पहले मंगलवार को लगाए जाने वाले शिविर के तहत मंगलवार को नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 620 रोगियों के स्वास्थ्य की जांच व निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। यह पिछले 20 वर्ष से प्रति माह लगाया जाने वाला 245वां शिविर था। शिविर में देश के विभिन्न भागों से आए करीब 5000 मरीजों का पंजीकरण उपलब्ध है। डॉ. सुरेका ने कहा कि इलाज लेने वाले मरीजों में करीब 70 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्णरूप से नियंत्रित हैं। नियमित दवा लेने से वे आम आदमी की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शादी योग्य मरीजों की शादी हो गई है और अब वे अपने बच्चों को जन्म देने योग्य साबित हो सकते हैं।

पंजाब केसरी

7 जनवरी 2015, बुधवार

शिविर में 620 मरीजों का उपचार

चूरू, (निर्स): रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हर माह के पहले मंगलवार को लगने वाले नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 620 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच और दवाईयां वितरण की गई। इस मौके पर पिछले 20 वर्षों से प्रति माह लगाया जाने वाला 245 वां शिविर है।

शिविर में देश के विभिन्न भागों से आये करीब 5000 मरीजों का पंजीकरण उपलब्ध है। डॉ.सुरेका ने कहा कि इलाज लेने वाले मरीजों में करीब 70 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्ण रूप से नियंत्रित है। नियमित दवाई लेने से वे एक आम आदमी की तरह जीवन यापन कर रहे है। शिविर में डॉ.जय सिंह, डॉ.सर्वेश, डॉ.एसएस गौरी, डॉ.रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, मां.प्रताप सिंह, अरुण शर्मा, मनोज आदि ने शिविर में आयोजकीय भूमिका निभाई। डॉ.सुरेका ने बताया कि अगला शिविर 3 फरवरी को लगाया जाएगा।

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मरीजों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका। (छाया : पंजाब केसरी)

दैनिक नवज्योति

7 जनवरी 2015, बुधवार

नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया

सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में 620 रोगियों को परामर्श व दवाइयां दी गई।

उन्होंने बताया कि शिविर में पांच हजार मिर्गी रोगियों का पंजीयन किया गया है जो नियमित परामर्श व दवाएं लेते हैं। इन मरीजों में करीब 70 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्ण रूप से नियंत्रित हैं। शिविर में भी डॉ. जयसिंह, डॉ. सर्वेश, डॉ. रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, प्रताप सिंह, अरुण शर्मा व मनोज आदि ने सहयोग किया। डॉ. सुरेका ने बताया कि अगला शिविर 3 फरवरी 2015 को होगा।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2015

दैनिक नवज्योति — 4 फरवरी 2015, बुधवार

रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ.आर के सुरेका। फोटो-अंबर

मिर्गी शिविर में 658 रोगियों का इलाज

रतननगर के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 658 रोगियों का ईलाज कर निशुल्क दवाई वितरित की गई। सवाई मानसिंह अस्पताल के डा.आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग सीमित दवाई के सेवन से दूर भगाया जा सकता है। सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है तथा उस के बच्चों में रोग नहीं होता है। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डा.जयसिंह, डॉ.श्रीराम शर्मा, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. अभिनव सरीन आदि ने अपनी सेवाएं दी।

चूरू आस-पास — 4 फरवरी 2015, बुधवार

मिर्गी शिविर में 658 रोगियों का किया ईलाज

चूरू। रतननगर के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 658 रोगियों का ईलाज कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई। शिविर में सवाई मानसिंह अस्पताल के डा.आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी व उसके अभिभावक अगर यह समझले की मिर्गी रोग सीमित दवाई के सेवन से दूर भगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लगातार दवाई लेने से दूर भगाया जा सकता है। सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है तथा उस के बच्चों में रोग नहीं होता है। मिर्गी रोग छुआछूत बीमारी नहीं है। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. श्रीराम शर्मा, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. अभिनव सरिन, अशोक सुरेका, संजू खान, प्रकाश सुरेका, अतुल सैनी, प्रतापसिंह, नाथूसिंह आदि ने अपनी सेवाएं दी।

शेखावाटी भास्कर — 4 फरवरी 2015, बुधवार

नियमित करे दवा का सेवन

रतननगर | त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी का रोग अगर नियमित रूप से दवाए ले, तो जल्द ही रोग से छुटकारा पा सकता है। यह छुआछूत की बीमारी नहीं है तथा रोगी अन्य लोगों की तरह सामान्य जीवन जी सकता है। शिविर में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. श्रीराम शर्मा, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. अभिनव सरीन, अशोक सुरेका, संजू खान, प्रकाश सुरेका, प्रतापसिंह, नाथूसिंह आदि ने सहयोग किया।

दैनिक अंबर — 4 फरवरी 2015, बुधवार

मिर्गी रोगियों का डॉ. सुरेका ने किया उपचार

रतननगर में आयोजित हुआ मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू . अंबर न्यूज

चूरू. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को आयोजित होने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में लगाए गए शिविर में प्रदेश के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.आर के सुरेका ने मिर्गी रोगियों का उपचार कर उन्हें लाभान्वित किया। शिविर में मिर्गी रोगियों को नियमित दवा लेने की सलाह देते हुए डॉ.सुरेका ने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वे मिर्गी रोगी का पूरा ध्यान रखें।

उन्होंने कहा कि यदि नियमित दवा दी जाए तो रोगी मिर्गी से पूरी तरह मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोग कोई असाध्य रोग नहीं है लेकिन इसमें सावधानी बरतनी जरूरी है। इस प्रकार के रोगी के इलाज में जरा भी देर नहीं करनी चाहिए तथा झाड़-फूंक से बचते हुए तत्काल चिकित्सक को दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरुआती लक्षण के दौरान ही यदि रोगी अस्पताल पहुंच जाता है तो उसका रोग तत्काल दूर हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह कोई संक्रामक बीमारी नहीं है, मिर्गी रोगी विवाह आदि भी कर सकता है तो वह हर कार्य करने में सक्षम होता है बेशर्त वह नियमित अपना इलाज करवाए। शिविर में 658 रोगियों का चिकित्सकों ने उपचार किया। शिविर में डॉ एफ एच गौरी, डॉ.जयसिंह, डॉ.श्रीराम शर्मा, डॉ.रोहित सुरेका ने भी रोगियों की जांच की। शिविर में अशोक सुरेका, सांजू खान, प्रकाश सुरेका, अतुल सैनी, प्रतापसिंह व नाथूसिंह आदि ने सेवाएं दी।

राजस्थान पत्रिका — 4 फरवरी 2015, बुधवार

चूरू. रतननगर के उप स्वास्थ्य केन्द्र में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

लगातार दवा से मिर्गी खत्म

चूरू

रतननगर के राजकीय अस्पताल में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग उपचार शिविर आयोजित हुआ।

सवाई मानसिंह चिकित्सालय के डॉ. आरके सुरेका ने सैकड़ों रोगियों का उपचार किया। उन्होंने कहा कि लगातार दवा लेने से मिर्गी को दूर भगाया जा सकता है। मिर्गी छुआछूत की बीमारी नहीं है। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. श्रीराम शर्मा, डॉ. रोहित सुरेका, अशोक सुरेका आदि मौजूद थे।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2015

दैनिक ओम आस-पास

मिर्गी रोग का ईलाज संभव - डॉ. सुरेका

चूरू। श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 21 वर्षों से प्रतिवर्ष लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर मंगलवार को रतननगर में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में सर्दी के बावजूद भारी भीड़ रही एवं 693 मरीजों को लाभान्वित किया गया। मुख्य चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के लिए बहुत प्रकार की नई दवाइयां आ गई है, जिससे असाध्य मिर्गी रोग का भी ईलाज हो सकता है। ये दवाएं ज्यादा महंगी भी नहीं होती एवं इनके विपरीत प्रभाव बहुत ही कम होते हैं। इसी तरह से असाध्य मिर्गी रोग के लिए शल्य क्रिया से भी इलाज किया जा रहा है। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग लाइलाज नहीं है एवं 60-70 प्रतिशत रोगी सही इलाज से ठीक हो जाते हैं। बचे हुए रोगियों का नई दवाओं से ईलाज सम्भव है। एवं लगातार दवाई लेने से मिर्गी-रोग ठीक हो जाता है। शिविर में डॉ. एन. एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. सर्वेश अग्रवाल, डॉ. श्रीराम शर्मा, उद्योगपति अशोक सुरेका, अरूण शर्मा, ताजू खां, प्रताप सिंह, मनोज आदि ने अपनी सेवाएं दी।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 11 मार्च, 2015

खबरें फटाफट

रतननगर में मिर्गी निदान शिविर

रतननगर | त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को लगे निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 693 मरीजों को लाभान्वित किया गया। डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के लिए बहुत प्रकार की नई दवाइयां आ गई हैं, जिससे असाध्य मिर्गी रोग का भी इलाज हो सकता है। नियमित दवाई के सेवन से रोग को दूर भगाया जा सकता है। शिविर में डॉ. एनएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. सर्वेश अग्रवाल, डॉ. श्रीराम शर्मा, अशोक सुरेका, अरूण शर्मा, ताजू खां, प्रताप सिंह, मनोज आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान केसरी

11 मार्च, 2015, बुधवार

पहली खबर • सीकर

मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

• मिर्गी रोग का इलाज संभव

चूरू (निसं)। श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 21 वर्षों से प्रतिवर्ष लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर मंगलवार को रतननगर में सम्पन्न हुआ। शिविर में 693 मरीजों को लाभान्वित किया गया। मुख्य चिकित्सक डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के लिए बहुत प्रकार की नई दवाइयां आ गई है जिससे असाध्य मिर्गी रोग का भी इलाज हो सकता है। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग लाइलाज नहीं है। शिविर में डॉ. एन. एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. सर्वेश अग्रवाल, डॉ. श्रीराम शर्मा, उद्योगपति अशोक सुरेका, अरूण शर्मा, ताजू खां, प्रताप सिंह, मनोज आदि ने अपनी सेवाएं दी।

दैनिक अंचर

8 अप्रैल 2015, बुधवार

चूरू. रतननगर कस्बे में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

मिर्गी निदान शिविर में सैकड़ों रोगी लाभान्वित

चूरू. निकटवर्ती रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में छः सौ अस्सी रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में मिर्गी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. आर के सुरेका ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रत्येक रोगी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह मिर्गी रोग के निदान के लिए नियमित दवा लेंगे। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोग कोई असाध्य रोग नहीं है यदि रोगी इसके लक्षण के पता चलते ही इलाज करवा ले और रोगी नियमित रूप से दवा ले तो वह न केवल पूर्णतया ठीक हो सकता है बल्कि वह एक सामान्य जीवन यापन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी अपने आपको सामान्य आदमी समझे और रोगी इसे अभिशाप नहीं समझे। क्योंकि इस रोग से व्यक्ति पूर्णतया ठीक हो सकता है बेशक वह नियमित उपचार कराते हुए ठीक होने तक दवा नहीं छोड़े। शिविर में डॉ. एन एच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सतीन, अशोक सुरेका, प्रतापसिंह राठौड़, अरूण शर्मा, ताजू खां, नथमल व छगनलाल आदि ने सेवाएं दी।

पंजाब केसरी

8 अप्रैल 2015, बुधवार

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका। (छाया: पंजाब केसरी)

• नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित

चूरू (निसं): रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से लगाए गए नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 680 मरीजों को नि:शुल्क दवाईयां वितरित की गई। शिविर में मुख्य चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रत्येक रोगी को आज प्रण लेना चाहिए कि मिरगी की दवा नियमित रूप से लेगा। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग होना कोई अभिशाप नहीं है।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2015

चूरू. रतननगर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

राजस्थान पत्रिका

8 अप्रेल 2015, बुधवार

रतननगर. कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर में अनेक लोगों ने उपचार कराया। त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मरीजों को निशुल्क दवा दी गई। डा. आरके सुरेका ने बताया कि नियमित रूप से दवा लेने से मिर्गी रोग का उपचार संभव है। इस अवसर पर डा. एफएच गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन आदि ने भी सेवा दी।

दैनिक भास्कर

8 अप्रेल 2015, बुधवार

अभिशाप नहीं है मिर्गी रोग : डॉ. सुरेका

सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट का निशुल्क निदान शिविर

भास्कर न्यूज | रतननगर

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को लगे निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 680 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में मुख्य चिकित्सक सवाईमानसिंह अस्पताल जयपुर के पूर्व न्यूरोलोजी प्रो. डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि नियमित दवाओं के सेवन से रोगी जल्द ही ठीक हो सकते है और सामान्य जीवन जी सकते है।

मरीज के अभिभावकों को भी उसके साथ सामान्य व्यवहार करना चाहिए। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, दिल्ली से आए अशोक सुरेका, प्रतापसिंह राठौड़, अरूण शर्मा, ताजू खां, नाथूलाल, छगनलाल आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान पत्रिका

चूरू . बुधवार 08.05.2015

627 रोगियों का किया उपचार

मिर्गी शिविर से किया लोगों को लाभान्वित

चूरू /रतननगर@ पत्रिका

patrika.com

रतननगर कस्बे के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर लगाया गया।

डॉ. आरके सुरेका ने कुल 627 रोगियों का उपचार किया।शिविर में डा. एफएच गौरी, डा.जयसिंह, डा.अभिनव सरीन आदि ने भी सेवा दी।

चूरू.रतननगर में आयोजित शिविर में रोगियों की जांच करता चिकित्सक।

नाक व आंख में पानी अस्थमा का लक्षण

चूरू.नाक व आंख से पानी आना, सीने में जकड़न, घबराहट अस्थमा बीमारी का प्रारम्भिक लक्षण है। यदि शुरुआत में उपचार करा लिया जाए तो अस्थमा पर काबू पाया जा सकता है। उक्त बात डा. रविकांत सोनी ने विश्व अस्थमा दिवस पर आयोजित प्रेस वार्ता में कही। डा. सोनी ने बताया कि धूल, प्रदूषण, खाद्य व शीतल पेय पदार्थ आदि से भी अस्थमा की की आशंका रहती है।

शिविर आज

बुधवार को कालूसिंह सर्किल के पास नयाबास में निशुल्क अस्थमा चिकित्सा व जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। सिप्ला कंपनी की ओर से अस्थमा की जांच निशुल्क की जाएगी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2015

दैनिक अंबर | डूंडलोद (झुंझुनूं), बुधवार 06 मई, 2015 | 08

मिर्गी रोगियों को किया लाभान्वित

रतननगर में आयोजित हुआ निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू . अंबर न्यूज

रतननगर के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाए जाने के क्रम में मंगलवार को आयोजित शिविर छः सौ 27 मिर्गी रोगियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में जयपुर एसएमएस के विशेषज्ञ चिकित्सक तथा महात्मा गांधी मेडिकल कालेज चिकित्सालय के विभागाध्यक्ष डॉ.आर के सुरेका ने रोगियों की जांच की तथा उन्हें मिर्गी रोग के बचाव और उपचार से संबंधित दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी यदि समय पर अपना उपचार करवाले तथा नियमित दवा लेते हुए विशेष ध्यान रखें तो वे निश्चित रूप से न केवल ठीक हो सकते हैं बल्कि सामान्य जीवन जीते हुए सभी कार्य कर सकते हैं। उन्होंने रोगियों से कहा कि गर्मी के मौसम में मिर्गी रोगियों को सब्जी और सलाद का उपयोग अच्छी तरह से धोकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना धोए साफ किए सब्जियों का उपयोग नहीं करना चाहिए नहीं तो एक प्रकार का कीड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। शिविर में डॉ.एफ एच गौरी, डॉ.जय सिंह, प्रतापसिंह राठौड़, तानू खां, नत्थूलाल, मनोज जांगिड़ व अरुण आदि ने सेवाएं दी। शिविर में समाजसेवियों ने रोगियों के परिजनों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की तथा रोगियों को निशुल्क दवा दी गई।

चूरू. शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ.आरके सुरेका।

राजस्थान केसरी
6 मई, 2015, बुधवार
पड़ताली खबर | सीकर

शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ.आरके सुरेका।

शिविर में 627 मरीज लाभान्वित

चूरू (सिटी): रतननगर कस्बे के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को लगाये जाने नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 627 रोगियों को चिकित्सीय परामर्श देकर नि:शुल्क दवा वितरण की गई। शिविर में समाजसेवियों ने मरीज के परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था की। शिविर के प्रभारी चिकित्सक डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि जनता को आजकल सब्जी और सलाद को अच्छी तरह से धोकर भोजन करना चाहिए नहीं तो एक प्रकार का कृमि (कीड़ा) दिमाग में पहुंच सकता है जिससे मिर्गी होने की संभावना बनी रहती है। शिविर में डॉ.एफएच गौरी, डॉ.जय सिंह, डॉ.अभिनव सहीर, प्रताप सिंह राठौड़, तानू खां, मनोज जांगिड़, अरुण, नत्थूलाल और अन्य समाजसेवियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

दैनिक अंबर | डूंडलोद (झुंझुनूं), बुधवार 3 जून, 2015

मिर्गी रोगियों का किया निदान

रतननगर में आयोजित हुए निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

रतननगर . अंबर न्यूज

स्थानीय सामुदायिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र पर त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में चिकित्सकों ने छः सौ अस्सी रोगियों का निदान किया।

शिविर में मिर्गी रोग विशेषज्ञ डॉ.आर के सुरेका ने मिर्गी रोगियों की जांच की तथा उन्हें इस रोग से बचने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग कोई असाध्य रोग नहीं है लेकिन जानकारी के अभाव में पीड़ित इस रोग को बढ़ा लेते हैं जबकि इसके जल्द से भी लक्षण का आभास होते ही यदि रोगी इसका इलाज करवा ले तो यह जल्दी ठीक हो सकता है। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोगी यदि नियमित दवा ले तथा ध्यान रखें तो वे ठीक हो सकते हैं लेकिन इसके लिए उन्हें चिकित्सा परामर्श के साथ रोग दवा लेना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि सिर में चोट लगने, जन्मजात कोई खराबी होने, प्रसव के दौरान बच्चे को ऑक्सीजन नहीं मिलने या फिर मस्तिष्क में रसौली होने से मिर्गी रोग हो सकता है लेकिन इसका इलाज संभव है। समय पर व नियमित इलाज करवाने से मिर्गी रोगी सामान्य जीवन जी सकता है और वह अपना काम कर सकता है। शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ. एफ एच गौरी, डॉ.अभिनव सहीर आदि ने रोगियों की जांच की। शिविर में अतुल तोदी, श्याम सुन्दर, दीपक शर्मा, तानू खां व मनोज जांगिड़ आदि ने सेवाएं दी।

चूरू. रतननगर में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा.आरके सुरेका।

राजस्थान पत्रिका | चूरू, बुधवार 03.06.2015

नियमित दवा से मिर्गी ठीक

चूरू @ पत्रिका
patrika.com

रतननगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया गया।

डा. आरके सुरेका ने 650 रोगियों को परामर्श दिया व निशुल्क दवाइयां दी। डा. सुरेका ने बताया कि मिर्गी का मुख्य कारण सिर में चोट लग जाना, जन्मजात कमी होना, प्रसव के दौरान बच्चे को सांस नहीं आना, मस्तिष्क में रसौली हो जाना है। उन्होंने कहा कि यह रोग लाइलाज नहीं है। नियमित दवा लेने से 3 से 4 वर्षों में मिर्गी रोग का सम्पूर्ण इलाज सम्भव है। शिविर में डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. अभिनव सहीर ने अपनी सेवाएं दी।

चूरू. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

दैनिक नवज्योति
12 जयपुर, बुधवार, 3 जून, 2015

शिविर में 680 रोगियों को किया लाभान्वित

न्यूज सर्विस / नवज्योति, चूरू

जिले के रतन नगर के सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 680 रोगियों को उचित परामर्श व दवाईयां वितरण की गई। शिविर में 680 रोगियों की जांच कर निःशुल्क दवा वितरण करते हुए डॉ. सुरेका ने बताया की मिर्गी का मुख्य कारण सिर में चोट लग जाना, जन्मजात खराबी होना, प्रसव के दौरान बच्चे को सांस नहीं आना, मस्तिष्क में रसौली हो जाना आदि है। इस लिए उन्होंने बताया की ये रोग लाईलाज नहीं है, नियमित रूप से दवाई लेने से 3 व 4 वर्षों में मिर्गी रोग का सम्पूर्ण इलाज भी सम्भव है। इस शिविर में डॉ. जयसिंह, डॉ. एफएच गौरी एवं डॉ. अभिनव सरीन आदि ने अपनी सेवाएं दी। इस आयोजन में मनोज जांगिड़, ताज खां, दीपक शर्मा श्याम सुन्दर व अतुल तोदी आदि ने भी योगदान दिया।

नसबंदी शिविर का केलैंडर जारीः परिवार कल्याण नसबंदी शिविरों का कैलेंडर जारी हो गया है। शिविरों में पुरुष व महिला नसबंदी के अलावा कोपर-टी निवेशन एवं अन्तराल साधनों का भी वितरण किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय चौधरी ने सभी संस्था प्रभारियों को शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, शिविरों में अधिक से अधिक केस करवाकर शिविरों को सफल बनाने के पूर्ण प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. अजय चौधरी ने सर्जिकल टीम प्रभारी को सुबह 10 बजे शिविर स्थल पर आवश्यक रूप से पहुंचने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण), चूरू डॉ. मनोज शर्मा ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारियों-शिविर प्रभारियों को निर्देश जारी किए है कि शिविर में महिला चिकित्सक के उपलब्ध नहीं होने पर महिला स्वास्थ्य दर्शिका द्वारा महिला केस का पी.वी. परीक्षण किया जावे।

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता का शुभारंभः गोयनका खेल मैदान में फ्रेन्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते उप सभापति अनवर चौध ने कहा कि खेल के माध्यम से खिलाड़ी अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बना सकता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हारजीत का महत्व न समझकर अपने नैसर्गिक खेल पर ध्यान देवें। जिससे खिलाड़ी के खेल में सुधार आ सके। इस अवसर पर पार्षद गायन्द्र शर्मा, पार्षद भंवरू खां आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में 32 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता में दीपक सैनी, मयंक शर्मा आमीन चेजारा व नजमुद्दीन चेजारा आदि ने आयोजकीय भूमिका निभाई।

समाचार जगत
जयपुर, 8 जुलाई 2015

चूरू(निसं.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में स्थित राजकीय अस्पताल में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 700 रोगी लाभान्वित हुए। वहीं पांच हजार से अधिक रोगियों का पंजीयन किया गया। मुख्य चिकित्सक एवं सवाई मानसिंह चिकित्सालय के पूर्व प्रो. एवं न्यूरोफिजिशियन, डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान मरीज को मिर्गी रोग की दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए अन्यथा मिर्गी के दौरों से मां और बच्चे पर कुप्रभाव पड़ सकता है। नियमित दवा के सेवन से मिर्गी रोग पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेश, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. सर्वेश, समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, ताज मोहम्मद व मनोज ने भी सेवाएं दी।

दैनिक अंकुर
[illegible]

मिर्गी असाध्य रोग नही, ठीक हो सकते हैं रोगी : सुरेका

निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू . अंकुर न्यूज

चूरू. मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते हुए डॉ. आरके सुरेका।

निकटवर्ती रतननगर कस्बे के राजकीय अस्पताल में त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में सात सौ रोगियों को लाभान्वित किया तथा एसएमएस के पूर्व न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि मिर्गी असाध्य रोग नहीं है, रोगी ठीक हो सकते हैं बेशक वे नियमित उपचार करवाए।

डॉ. सुरेका ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार आदि प्रदेशों से आने वाले रोगियों को मिर्गी से मुक्त करने का प्रयास किया तो इसमें सफलता मिली। उन्होंने कहा दो दशक से 211 वें शिविर की यात्रा तक सफर करने वाले मिर्गी रोगियों को निशुल्क दवा प्रदान की गई। ट्रस्ट ने एक माह तक दवा निशुल्क देने का क्रम निरंतर जारी रखा इससे गरीब परिवारों के रोगियों का इलाज हुआ तथा उन्हें लाभ भी मिला तो अनेक रोगी पूरी तरह ठीक होकर अब सामान्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बताया शिविर में जांच व उपचार किये जाने के साथ ही प्रदर्शनी के माध्यम से रोगियों को जागरूक भी किया जाता रहा है।

डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी महिला रोगी को गर्भधारण से पूर्व अपने डॉक्टर से परामर्श कर मिर्गी रोग की दवाओं के बच्चे पर पड़ने वाले कुप्रभाव को रोकने के लिए प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फॉलिक एसिड नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे बच्चे को दवाई के कुप्रभाव से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि फॉलिक एसिड बहुत ही सस्ती दवाई है व एक गोली रोज मिर्गी की दवाई के साथ लेने से शिशु में विकार होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान महिला रोगी को मिर्गी रोग की दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए। अन्यथा मिर्गी के दौरे से मां और बच्चे पर कुप्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि मां बनने जा रही महिला को पता होना चाहिए कि मिर्गी रोग से ग्रसित मां बच्चे को अपना दूध पिला सकती है। इससे नवजात में मिर्गी रोग नहीं होता है। शिविर में डॉ. एफ एच गौरी, डॉ. जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश, सुरेश, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. सर्वेश, समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, ताज मोहम्मद व मनोज ने सेवाएं दी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष : 2015

राजस्थान पत्रिका

चूरू . बुधवार . 08.07.2015

मिर्गी आने पर मुंह में पानी नहीं डालें

रतननगर @ पत्रिका

patrika.com

कस्बे के राजकीय अस्पताल में मंगलवार को मिर्गी रोग उपचार के लिए निशुल्क शिविर लगाया गया। त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर लगाए गए शिविर में करीब 700 रोगियों को परामर्श व निशुल्क दवा दी गई।

डा. आरके सुरेका ने कहा कि गर्भधारण के दौरान मिर्गी रोग की दवाओं का बच्चों पर होने वाले दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। इसके लिए महिला को प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फोलिक एसिड नियमित रूप से लेनी चाहिए।इससे बच्चे को अन्य दवा के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। मिर्गी का दौरा आने पर रोगी को जूता आदि नहीं सुंघाना चाहिए और मुंह में पानी भी नहीं डालना चाहिए। शिविर में डा. एफएच गौरी, डा. जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेश, डा. अभिनव सरीन, डा. रक्षित सुरेका, डा. सर्वेश, समाजसेवी प्रतापसिंह राठौड़, ताज मोहम्मद व मनोज ने भी सेवाएं दी।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार 8 जुलाई, 2015

मिरगी रोग निदान शिविर लगा

रतननगर| त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में आस-पास के क्षेत्रों सहित दूर-दराज से आए 700 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा प्रदान की गई। सवाई मानसिंह अस्पताल के पूर्व प्रोफेसर व न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. परीन, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. सर्वेश व मनोज आदि ने सहयोग किया।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार 5 अगस्त, 2015

मिर्गी रोग निदान शिविर लगा

रतननगर| त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मासिक मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर व महात्मा गांधी अस्पताल के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सुरेका ने रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। शिविर में 750 रोगियों की जांच कर परामर्श व दवाएं प्रदान की गई। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिरगी के रोगियों के लिए आजकल बाजार में नई दवाएं उपलब्ध है, जिनसे सभी प्रकार के दौरे पूरी तरह से नियंत्रित किए जा सकते हैं। नई दवाएं कम हानिकारक है तथा कम दवाओं से ही रोगी जल्दी ठीक हो सकता है।

समाचार जगत — जयपुर, 5 अगस्त 2015

शिविर में 752 रोगी लाभान्वित

चूरू(निसं.)। रतन नगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हर माह लगने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जयपुर एसएमएस के वरिष्ठ डॉ.आर के सुरेका ने 752 रोगियों को की जांच कर उचित परामर्श दिया। इस अवसर पर डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि भारत में एपिलेप्सी रोग (मिर्गी रोग) के लगभग 5 से 10 प्रति हजार की संख्या में रोगी है। शहर की तुलना में गांव में इस रोग के प्रति फैली भ्रांतियों एवं अंधविश्वास की वजह से गांव में इसे छिपाने की प्रवृति है। लोग इस बिमारी का इलाज नहीं कराते और इसका उनके जीवन और दैनिक दिनचर्या पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इस बार डब्ल्यूएचओं ने वर्ल्ड ब्रेन-डे पर एपिलेप्सी को ही मुख्य थीम रखा है।

दैनिक उद्योग आस-पास जयपुर, 5 अगस्त, बुधवार

नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 752 रोगी हुए लाभांवित

दैनिक अंबर इंडलोद (झुंझुनू), बुधवार 05 अगस्त, 2015

रोगियों को किया लाभान्वित

रतननगर में आयोजित हुआ मिर्गी रोग निदान शिविर

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष 2016

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 2 सितम्बर 2015

शिविर में 700 रोगी लाभान्वित

रतननगर| त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मासिक मिरगी रोग निदान शिविर मंगलवार को लगाया गया। शिविर में सवाई मानसिंह अस्पताल के पूर्व प्रोफेसर व न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर के सुरेका व सहयोगियों ने करीब 700 रोगियों की जांच कर दवाइयां दी। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिरगी का ईलाज बिना महगी दवाइयों व महंगे ईलाज के भी संभव है। केवल 20 प्रतिशत रोगी ही ऐसे होते हैं, जिनको शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है। इस दौरान रोगियों को एक माह की निशुल्क दवाई भी वितरित की गई।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार 2 सितम्बर 2015

सस्ती दवाओं से भी मिर्गी का उपचार संभव

चूरू. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रतननगर कस्बे में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों ने उपचार करवाया।एसएमएस अस्पताल के पूर्व प्रोफेसर एवं न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने कहा सस्ती दवाओं से भी मिर्गी रोग का उपचार संभव है।केवल 20 प्रतिशत रोगियों के जिनके दौरे नियत्रिंत नहीं होते हैं उन्हें ही शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है। शिविर में डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ.एफएच गौरी, अशोक सुरेका, डॉ. जयसिंह, प्रकाश सुरेका व डॉ. अभिनव सरीन आदि ने सेवा दी। मरीजों को दवा भी निशुल्क दी गई।

पंजाब केसरी 7 अक्तूबर, 2015 बुधवार

712 मिर्गी रोगियों का उपचार

चूरू,(मनोहर जांगिड): रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को मासिक नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया।

मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

शिविर में न्यूरोफिजिशियन प्रोफेसर डॉ. आरके सुरेका ने 712 रोगियों की जांच कर उपचार किया। इसके अलावा दन्त चिकित्सा शिविर में डा. रक्षित सुरेका ने मिर्गी रोगियों को दांत की देख-रेख के बारे में सलाह दी। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगियों में दांत और मुंह की बिमारियां ज्यादा होती हैं इसलिए देखभाल जरूरी है। शिविर में डॉ. सुरेका ने बताया कि अगला कैम्प 3 नवम्बर को होगा जिसमें राष्ट्रीय मिर्गी दिवस मनाया जाएगा।

आस-पास बुधवार, 07 अक्टूबर, 2015

712 मिर्गी रोगियों का किया उपचार

चूरू। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को मासिक नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यूरोफिजिशियन प्रोफेसर डॉ. आरके सुरेका ने 712 रोगियों की जांच कर उपचार किया। इसके अलावा दन्त चिकित्सा शिविर में डा. रक्षित सुरेका ने मिर्गी रोगियों को दांत की देख रेख के बारे में सलाह दी। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगियों में दांत व मुह की बिमारीया ज्यादा होती हैं इसलिए देखभाल जरूरी है। शिविर में डा सुरेका ने बताया कि अगला कैम्प 3 नवम्बर को होगा जिसमें राष्ट्रीय मिर्गी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जन चेतना रैली एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता होगी। शिविर में डा. जयसिंह, डॉ. सरीन, डॉ. रक्षित सुरेका, मनोज, मनिष, दीपक, रोहित, अतुल ने सेवाए दी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष 2016

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार 6 जनवरी, 2016

शिविर में रोगी लाभांवित

चूरू. शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ.आरके.सुरेका।

चूरू @ पत्रिका. त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को रतननगर कस्बे के स्वास्थ्य केन्द्र में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया।

डा. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है। उसके बच्चों में रोग नहीं आता। मिर्गी रोग छुआछूत की बीमारी नहीं है। डा. सुरेका ने बताया कि आजकल जांच की नई मशीन आ गई है। इसके द्वार विडियो ईईजी से निदान किया जा सकता है। शिविर में मिर्गी रोगियों के दांतों संबंधी बीमारियों के लिए डा. रक्षित सुरेका ने सेवा दी। डा. एफएच गौरी, डा. अभिनव सरीन, डा. जयसिंह, अशोक सुरेका, डा. राधारानी सेन आदि ने भी सेवा दी।

चूरू- बीकानेर आस-पास

शिविर में सैंकड़ों रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। पिछले 19 वर्षों से लगने वाले श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में सैंकड़ों रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि कि मिर्गी रोगी व उसके अभिभावक अगर यह समझ ले कि मिर्गी रोग नियमित दवाई के सेवन से दूर भगाया जा सकता है। एंव लगातार दवाई लेने से मिर्गी रोग ठीक हो जाता है। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है। तथा उसके बच्चों में रोग नही आता है। मिर्गी रोग छुआछात की बिमारी नहीं है। डॉ. सुरेका ने बताया कि आजकल जांच की नई मशीन आ गई है। जिसके द्वारा विडियो ईईजी के निदान किया जा सकता है। इस शिविर में सभी मिर्गी रोगियों के लिए दंत चिकित्सा की व्यवस्था डेन्टल मेडिकल

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 6 जनवरी, 2016

निशुल्क मिरगी निदान शिविर लगा

रतननगर | त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिरगी निदान शिविर लगाया गया। शिविर में वीडियो तकनीकि से रोगियों का उपचार किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सक न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिरगी रोगी अगर नियमित रूप से दवाओं का सेवन करें, तो जल्द ही रोग से छुटकारा पा सकता है। मिरगी कोई छुआछूत की बीमारी नहीं है। शिविर में डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. राधा रानी सैन, अशोक सुरेका आदि ने सहयोग किया।

दैनिक नवज्योति जयपुर, गुरुवार, 7 जनवरी, 2016

शिविर में सैकड़ों रोगी लाभान्वित

पिछले 19 वर्षों से लगने वाले श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में सैकड़ों रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग छुआछूत की बिमारी नहीं हैं। डॉ. सुरेका ने बताया कि आजकल जांच की नई मशीन आ गई है।

दैनिक अंबर डूंडलोद (झुंझुनूं) . बुधवार 06 जनवरी . 2016 **07**

मिर्गी रोग निदान शिविर में सैंकड़ों लाभान्वित

चूरू. अंबर न्यूज।

गत 19 वर्षों से लगने वाले त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मंगलवार को शिविर में सैंकड़ों रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी व उसके अभिभावक अगर दवाओं को सही समय पर ले तो इस रोग से निजात पा सकते हैं।

लगातार दवाई लेने से मिर्गी रोग ठीक हो जाता हैं। डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी विवाह कर सकता है। उसके बच्चों में यह रोग नहीं आता है। मिर्गी रोग छुआछूत की बीमारी नही है। उन्होंने बताया कि आजकल जांच की नई मशीन आ गई है। जिसके द्वारा वीडियो ईईजी के निदान किया जा सकता है। शिविर में सभी मिर्गी रोगियों के लिए दंत चिकित्सा की व्यवस्था डेंटल मेडिकल कॉलेज दंत विशेषज्ञ डॉ. रक्षिक सुरेका द्वारा प्रदान की गई।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 10 फरवरी, 2016 16

मिरगी रोग निदान शिविर लगा

रतननगर | राजकीय अस्पताल में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निशुल्क मिरगी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में 614 रोगियों की जांच कर दवा वितरित की गई। डॉ. रोहित सुरेका ने बताया कि अगले माह एक मार्च को लगाए जाने वाले शिविर में गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट भी निशुल्क सेवाएं देंगे। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. जयसिंह आदि ने रोगियों की जांच की। दिल्ली के व्यवसायी अशोक सुरेका ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में ताजू खां, मनोज, अतुल आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार 10 फरवरी, 2016

शिविर में मिर्गी रोगी लाभान्वित

रतननगर. निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डा.आरके सुरेका

की ओर से निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 6 14 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा दी गई। डा.आरके सुरेका ने बताया कि एक मार्च को गेस्ट्रो एंट्रो लोजिस्ट' की ओर से शिविर में निशुल्क सेवाएं दी जाएगी। शिविर में डा.थफएच गौरी, डा. अभिनव सरीन, डा.जय सिंह, आदि ने सेवाएं दी।

शिविर में अशोक सुरेका, ताजू खां, मनोज, अतुल आदि ने सहयोग दिया।

दैनिक अंकुर इकलाद (झुंझुनू), बुधवार 10 फरवरी, 2016

शिविर में हुए सैंकड़ों रोगी लाभान्वित

चूरू. जिला मुख्यालय के निकटवर्ती रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मिर्गी रोग निदान शिविर में 614 रोगियों की जांच कर निःशुल्क दवाएं वितरण की गई। शिविर में रोगियों की जांच करते हुए डॉ. रोहित सुरेका ने बताया कि आगामी माह में एक मार्च को गेस्ट्रो एंट्रोलॉजिस्ट द्वारा भी शिविर में निःशुल्क सेवाएं दी जाएगी। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. जय सिंह व डॉ. रोहित सुरेका ने सेवाएं दी। शिविर में व्यवसायी अशोक सुरेका ने सेवाएं देकर रोगियों एवं उनके परिजनों को निःशुल्क भोजन करवाया। शिविर में ताजू खां, मनोज व अतुल आदि ने शिविर में सहयोग प्रदान किया।

दैनिक युगपक्ष बीकानेर बुधवार 10.2.2016

शिविर में 614 रोगियों को किया लाभान्वित

चूरू। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 614 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवाएं वितरण की गई।

शिविर में रोगियों की जांच करते हुए डॉ. रोहित सुरेका ने बताया कि अगले महीने की 1 मार्च को गेस्ट्रो एन्ट्रो लॉजिस्ट द्वारा भी निशुल्क कैंप में सेवाएं दी जावेगी। कैंप में डॉ.एफ.एच. गौरी, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.जयसिंह, डॉ. रोहित सुरेका आदि ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में व्यवसायी अशोक सुरेका ने अपनी सेवाएं देकर मरीजों व उनके परिजनों को दी जा रही निःशुल्क भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। कैंप में ताजू खां, मनोज, अतुल आदि ने शिविर में सहयोग प्रदान किया।

चुरू पत्रिका बुधवार, 02. 03. 2016

मिर्गी रोग पीड़ित तुरंत करवाएं उपचार

चूरू @ पत्रिका

patrika.com

रतननगर के राजकीय अस्पताल में मंगलवार को त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया गया। डा. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी का इलाज तुरंत कराना चाहिए। अन्यथा बार-बार दौरा पड़ने से मस्तिष्क की कोशिकाएं कमजोर हो जाती है। दवाई के नियमित सेवन करने से दौरे नियंत्रित रहते हैं। शिविर में रोगियों को एक माह की दवा निशुल्क दी गई। डा. एफएच गौरी, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, डा. रक्षित एवं अन्य लोगों ने सहयोग किया।

चूरू. रतननगर में निशुल्क शिविर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

दैनिक युगपक्ष बीकानेर बुधवार 02.03.2016

शिविर में 700 रोगियों को किया लाभाविन्त

चूरू। रतननगर के राजकीय अस्पताल में पिछले 22 सालों से त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निःशुल्क मिर्गी निदान उपचार शिविर में 5500 मिर्गी रोगियों को पंजीकृत कर लगभग 700 रोगियों का उपचार देकर लाभान्वित किया गया। इस शिविर में राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, बिहार व बंगाल आदि से यहा नियमित रूप से उपचार लेने आते है। इस शिविर में रोगियों को हर माह की दवाई निशुल्क दी जाती है। कैम्प में डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को स्वयं का इलाज तुरन्त कराना चाहिए। अन्यथा बार बार दौरा पड़ने से मस्तिष्क की कोशिकाएं कमजोर हो जाती है। दवाई के नियमित सेवन करने से दौरे नियंत्रण में रखे जा सकते है और रोगी अपने नियमित कार्य साधारण आदमी की तरह कर सकता है। कैम्प में डॉ. जयसिंह, डॉ. सरीन, डॉ. गौरी, मनोज, डॉ. रक्षित एवं अन्य लोगों ने सहयोग किया।

दैनिक अंबर . बुधवार 02 मार्च . 2016

रतननगर में आयोजित हुआ निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

डॉ.सुरेका ने नियमित दवा लेने पर दिया बल

रतननगर . अंबर न्यूज

स्थानीय राजकीय अस्पताल में दो दशकों से त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में नियमित आयोजित हो रहे निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर के क्रम में मंगलवार को विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.आर के सुरेका ने जहां रोगियों को मिर्गी रोग के कारण व निवारण की जानकारी दी वहीं उन्होंने शिविर में आये रोगियों की जांच कर उपचार किया।

पांच हजार पांच सौ मिर्गी रोगियों के पंजीयन वाले इस शिविर में मंगलवार को डॉ.सुरेका व उनकी टीम के चिकित्सकों ने सात सौ रोगियों की जांच कर उनका उपचार किया तथा रोगियों को हर माह की दवा निशुल्क प्रदान की। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग कोई असाध्य रोग नहीं है बेसक रोगी अपना इलाज स्वयं करें। यदि दौरा पड़ रहा है तो उसे तत्काल उपचार लेना चाहिए, क्योंकि दौरा पड़ने से रोगी के मस्तिष्क की कौशिकाएं कमजोर पड़ जाती है जिन्हें नियमित द[illegible] सेवन कर नियंत्रित किया जा सकत[illegible] है। शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ.एफ एच गौरी, डॉ.अभिनव सरीन [illegible] मनोज आदि ने सेवाएं दी।

समाचार जगत जयपुर अप्रैल, 2016

डॉ. आरके सुरेका का नाम लिम्का 'बुक ऑफ रिकार्ड' में

चूरू (निसं.)। सबसे अधिक निःशुल्क शिविर लगाने के लिए वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है। डॉ. सुरेका की ओर से गत 22 वर्षों से जिले के रतननगर में निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया जा रहा है। 260वां निःशुल्क लगाने के बाद फरवरी माह में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। शिविर के संचालक एसएमएस हॉस्पिटल के पूर्व प्रोफेसर वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में भारत से करीब छह हजार रोगी पंजीकृत है। हर माह आयोजित शिविर में करीब सात सौ रोगी आते हैं। शिविर में निःशुल्क उपचार, दवा और मिर्गी जनचेतना कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शिविर में डॉ. सुरेका की टीम में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरिन, डॉ. रोहित सुका, डॉ. रक्षित सुका, अशोक सुका, प्रकाश सुका, मनोज व ताजू खां ने सहयोग किया है।

सच्चा हमसफर

दैनिक नवज्योति

जयपुर, शुक्रवार, 8 अप्रैल 2016

रिकॉर्डधारी सुरेका को भेंट की गीता

न्यूज सर्विस/नवज्योति, चूरू

प्रसिद्ध न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल होने पर उनके पैतृक गांव रतननगर में स्वागत किया गया। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित अभिनन्दन समारोह में शिक्षाविद् गीताप्रेमी संगमानन्द ने रिकॉर्डधारी डॉ.आरके सुरेका को सर्वशास्त्री गीता की प्रति भेंट करते हुए कहा कि गत वर्ष भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जापान के सम्राट को भेंट के रूप में गीता ही देकर यह स्पष्ट किया था कि अध्यात्मक भूमि भारत के पास जापान के सम्राट को उपहार में देने के लिए तथा पूरे विश्व के पास भेंट में लेने के लिए गीता ही बेहतर अनमोल उपहार है। डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि अपनी पैतृक भूमि रतननगर में गत 22 वर्षों से प्रतिमाह निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाने पर उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है।

दैनिक उद्योग आस–पास

सीकर बुधवार, 06 अप्रैल, 2016

सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज

चूरू। चूरू. सबसे अधिक निःशुल्क शिविर लगाने के लिए वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका का लिम्का बुक ऑफरिकार्ड में दर्ज किया गया है। डॉ. सुका द्वारा गत 22 वर्षों से जिले के रतननगर में निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया जा रहा है। 260वां निःशुल्क लगाने के बाद फरवरी माह में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। शिविर के संचालक एसएमएस हॉस्पिटल के पूर्व प्रोफेसर वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में मरत से करीब छह हजार रोगी पंजीकृत हैं। हर माह आयोजित शिविर में करीब सात सौ रोगी आते हैं। शिविर में निःशुल्क उपचार, दवा और मिर्गी जनचेतना कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डॉ. सुका ने बताया कि शिविरों के माध्यम से किए गए सर्वे में सामने आया है कि गांवों में करीब 50 प्रतिशत लोग अंधविश्वास करते हैं। रोगी को दौरा पड़ने पर जूता सुंघाते है और सयानों के चक्कर काटते हैं। इस बीमारी के लिए 85 प्रतिशत लोग ऐसे है जिनकी मासिक तीन हजार रुपए प्रतिमाह से भी कम हैं। डॉ. सुका ने बताया कि यदि मिर्गी नियमित रूप से दवा ले तो वह 80 प्रतिशत तक स्वस्थ्य हो सकता हैं। शिविर में डॉ. सुका की टीम में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरिन, डॉ. रोहित सुका, डॉ. रक्षित सुका, अशोक सुका, प्रकाश सुका, मनोज व ताजू खां ने सहयोग किया।

दैनिक अंबर

डूंडलोद (झुंझुनूं), बुधवार 06 अप्रैल, 2016

सबसे अधिक शिविर लगाने पर डॉ. सुरेका का नाम लिम्का बुक में दर्ज

गत 22 वर्षों से लगा रहे है शिविर, 260 से अधिक शिविर लगा चुके हैं

चूरू। अंबर न्यूज

सबसे अधिक निःशुल्क शिविर लगाने के लिए वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका का लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है। डॉ. सुरेका द्वारा गत 22 वर्षों से जिले के रतननगर में निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाया जा रहा है। 260वां निःशुल्क लगाने के बाद फरवरी माह में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। शिविर के संचालक एसएमएस हॉस्पिटल के पूर्व प्रोफेसर वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में करीब छह हजार रोगी रजिस्टर्ड हैं। हर माह आयोजित शिविर में करीब सात सौ रोगी आते हैं। शिविर में निःशुल्क उपचार, दवा और मिर्गी जनचेतना कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

डॉ. सुरेका ने बताया कि शिविरों के माध्यम से किए गए सर्वे में सामने आया है कि गांवों में करीब 50 प्रतिशत लोग अंधविश्वास करते हैं। रोगी को दौरा पड़ने पर जूता सुंघाते हैं और सयानों के चक्कर काटते हैं। इस बीमारी के लिए 85 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिनकी मासिक तीन हजार रुपए प्रतिमाह से भी कम है। डॉ. सुरेका ने बताया कि यदि मिर्गी नियमित रूप से दवा ले तो वह 80 प्रतिशत तक स्वस्थ हो सकता है। शिविर में डॉ. सुरेका की टीम में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरिन, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, मनोज व ताजू खां ने सहयोग किया।

पंजाब केसरी

7 अप्रैल, 2016 गुरूवार

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल होने पर किया स्वागत

डॉ.आरके सुरेका को शिक्षाविद् संगमानन्द गीता भेंट कर सम्मानित करते हुए।

चूरू,(निसं): प्रसिद्ध न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल होने पर उनके पैतृक गांव रतननगर में भावभीना स्वागत किया गया। कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित अभिनन्दन समारोह में शिक्षाविद् गीताप्रेमी संगमानन्द ने रिकॉर्डधारी डॉ.आरके सुरेका को सर्वशास्त्री गीता की प्रति भेंट की। इस अवसर पर डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि अपनी पैतृक भूमि रतननगर में गत 22 वर्षों से प्रतिमाह निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगाने पर उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष 2016

आस-पास जयपुर, गुरुवार, 07 अप्रैल, 2016

सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल

चूरू। प्रसिद्ध न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल होने पर उनके पैतृक गांव रतननगर में भावभीना स्वागत किया गया। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित अभिनन्दन समारोह में शिक्षाविद् गौप्रेमी सोमानन्द ने चिकित्सक डॉ.आरके सुरेका को सर्वशास्त्रमयी गीता की प्रति भेंट करते हुए कहा कि गत वर्ष भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जापान के सम्राट को भेंट के रूप में गीता ही देकर यह स्पष्ट किया था कि आध्यात्मिक भूमि भारत के पास जापान के सम्राट को उपहार में देने के लिए तथा पूरे विश्व के पास भेंट में लेने के लिए गीता ही बेहतर अनमोल उपहार कोई दूसरा है। इस अवसर पर डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि अपनी पैतृक भूमि रतननगर में गत 22 वर्षों से [illegible] निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर लगाने पर उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। डॉ.सुरेका ने बताया कि विश्व में मिर्गी रोग पाया जाता है। किन्तु भारत में उसकी सामाजिक स्वीकार्यता एवं गरीबी के कारण इस बिमारी का सही समय पर उपचार नहीं होने से मिर्गी रोगियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। जबकि मिर्गी एक साधारण रोग है। और इस रोग को नियमित दवाई लेने पर रोगी अपना जीवन सामान्य तरीके से जी सकता है।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार 5 मई 2016

मिर्गी रोग शिविर में रोगी लाभान्वित

@ रतननगर

रतननगर @ पत्रिका. कस्बे में निशुल्क मासिक मिर्गी रोग निदान शिविर मंगलवार को लगा। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में लगे शिविर में डा. आरके सुरेका ने रोगियों की जांच की। डा. सुरेका ने बताया, लगातार दवा का सेवन करने से मिर्गी रोग ठीक हो सकता है। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा. प्रिया सुरेका, डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. रोहित सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, डा. प्रिया सुरेका, ता[जू] खां व मनोज जांगिड़ आदि ने सहयो[ग] किया।

आस-पास जयपुर, बुधवार, 04 मई, 2016

मिर्गी रोग शिविर में हुए सैंकड़ों लाभान्वित

चूरू। निकटवर्ती कस्बे रतननगर में हर माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित होने त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मंगलवार को करीब सात सौ से अधिक रोगी लाभान्वित हुए। मुख्य चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के दौरों को उपयुक्त दवाई से जल्दी से जल्दी ईलाज करवाना चाहिए। जिससे मिर्गी रोग पर नियंत्रण जल्दी पाया जा सकता है एवं मिर्गी रोगी अपनी दिनचर्या कार्यक्रम सुचारू रूप से कर सकता है। उन्होंने बताया कि केवल एक दवाई से भी मिर्गी रोग का उपचार संभव है एवं आजकल नई नई दवाईयां मिर्गी के नियंत्रण के लिए आ गई है। जिनका सेवन एक बार सोते समय किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लगातार सात वर्ष दवा का सेवन करने से मिर्गी रोग ठीक हो सकता है। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. प्रिया सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. एफएच गौरी, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. प्रिया सुरेका, ताजू खां एवं मनोज जांगिड़ आदि ने शिविर में सहयोग किया।

समाचार जगत जयपुर 8 जून, 2016

मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर आयोजित

चूरू (निसं.)। रतननगर के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर का आयोजन किया गया। न्यूरो फिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. एफएच गौरी, डॉ. अभिनव सरीन, ताजू खां व मनोज ने सेवाएं दी।

दैनिक अंबर चूरू, बुधवार . 08 . 06. 2016

शिविर में आठ सौ से ज्यादा ने करवाया मिर्गी का इलाज

मिर्गी रोग निदान शिविर

चूरू . अंबर न्यूज

रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में हर माह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पिछले 22 वर्षों से लगने वाले निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 800 से ज्यादा रोगियों को लाभान्वित कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में भारतवर्ष के कोने-कोने से करीब 700-800 रोगी प्रतिमाह आते हैं। उनके निदान कर सभी को एक माह की पूर्ण दवाई निशुल्क वितरित की जाती है। साथ में मिर्गी रोग से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए काउन्सलिंग व शिक्षा प्रदान की जाती है। शिविर में करीब 50 प्रतिशत रोगी 20 साल के नीचे के होते हैं। मुख्य चिकित्सक एंव न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि जरूरतमंद एंव मेधावी विद्यार्थी जो कि कक्षा 5 से 8 एवं कक्षा 9 से 12 तक के 2-2 छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट की तरफ से स्कूल की फीस एवं किताबों के लिए प्रतिमाह अनुदान दिया जाएगा। शिविर में मिर्गी रोगियों के लिए निशुल्क दन्त चिकित्सा भी दन्त चिकित्सक डॉ. रक्षित सुरेका व डॉ. प्रिया सुरेका द्वारा प्रदान की गई है। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. जय सिंह, डॉ. एफएच गौरी, डॉ. अभिनव सरीन, तानु खां व मनोज आदि ने शिविर में सेवाएं दी।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार 8 जून, 2016

मिर्गी शिविर में रोगी लाभान्वित

रतननगर @ पत्रिका. कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में आठ सौ से अधिक रोगियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में डा. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में मरीजों का उपचार कर एक माह की दवा निःशुल्क दी जाती है। जरूरतमंद व मेधावी विद्यार्थी जो कक्षा 5 से 8 एवं कक्षा 9 से 12 तक के 2-2 विद्यार्थियों को ट्रस्ट की ओर से स्कूल फीस व किताबों के लिए प्रतिमह अनुदान दिय जाएगा। डा. रक्षित सुरेका व डा. प्रिय सुरेका की ओर से मिर्गी रोगियों के लिए निशुल्क दंत चिकित्स प्रदान की गई। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा.जय सिंह, डा.एफ एच गौरी, डा. अभिनव सरीन, तानू खां व मनोज आदि ने सेवाएं प्रदान की।

चूरू. रतननगर में मिर्गी निदान शिविर में रोगियों कि जांच करते डॉ. आरके सुरेका।

चूरू आस-पास बुधवार, 6 जुलाई 2016

शिविर में 700 रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में स्थित राजकीय अस्पताल में गत 20 वर्षों से त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हर माह के पहले मंगलवार को निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को आयोजित 261 में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 700 रोगी लाभान्वित हुए। वहीं पांच हजार से अधिक रोगियों का पंजीयन किया गया। जो कि देश के विभिन्न राज्यों से जैसे की हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार व बंगाल से शिविर में नियमित रूप से उपचार करवाते आ रहे हैं। शिविर में रोगियों को पूरे माह की दवा निःशुल्क दी जाती है। समय-समय पर प्रदर्शनी लगाकर मिर्गी रोगी से सम्बन्धित भ्रांतियां दूर की जाती है मुख्य चिकित्सक एवं [illegible] चिकित्सालय के पूर्व प्रो. एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को गर्भधारण से पूर्व अपने डॉक्टर से परामर्श कर मिर्गी रोग की दवाओं के बच्चे पर कुप्रभाव रोकने के लिए, प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फॉलिक एसिड नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे बच्चे को दवाई के कुप्रभाव से बचाया जा सकता है फॉलिक एसिड बहुत ही सस्ती दवाई है व एक गोली रोज मिर्गी की दवाई के साथ लेने से शिशु में विकार होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान मरीज को मिर्गी रोग की दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए अन्यथा मिर्गी के दौरे से मां और बच्चे पर कुप्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि मां बनने बनने वाली महिला को पता होना चाहिए कि मिर्गी रोग में प्रसव के बाद बच्चे को अपना दूध पिला सकती है। इससे नवजात में मिर्गी रोग नहीं होता है। अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरा आने पर जूता सुंघाना नहीं चाहिए। मुंह में पानी नहीं डालना चाहिए बल्कि रोगी को देख कर उसकी सार सम्भाल करनी चाहिए। नियमित दवाई सेवन से मिर्गी रोग पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। शिविर में डॉ. एफ.एच गौरी, डॉ. जयसिंह, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. [illegible], समाजसेवी [illegible] राठौड़, ताज मोहम्मद व मनोज ने भी सेवाएं दी।

health.body.mind.soul

HELTH
TIPS

बेहतर जीवनशैली से दूर भगाएं बीमारी

डॉ.आर.के.सुरेका

हथरोई • वर्तमान जीवन शैली में शरीर का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अनियमित खानपान, खराब दिनचर्या से ना केवल शरीर खराब हो रहा है बल्कि नई-नई बीमारियां भी घेरती रहती है। इन सभी से बचाव आवश्यक है। कुछ बीमारियों व उनके बचाव के तरीके बता रहे डॉ. आर के सुरेका (न्यूरोफिजीशियन एवं भूतपूर्व प्रोफेसर, एसएमएस)।

लकवा : मृत्यु के कारणों में कैंसर व सड़क दुर्घटना के बाद ब्रेन अटैक एक महत्वपूर्ण कारण है। इसमें एक बाजू तो कभी दोनों बाजू के अंग नाकाम हो जाते हैं। इसमें बोलने, समझने, देखने की शक्ति पर बुरा असर होता है। इस रोग के विषय में जन जागृति जानकारियां अत्यंत कम हैं। इसकी रोकथाम के लिए सुविधाएं बरतनी चाहिए।

आर्टेरिओस्क्लेरोसिस : यह बहुत ही मंद गति से उत्तरोत्तर बढ़ने वाला रोग है। इसे वजन को संतुलित रखकर व सात्विक व पौष्टिक भोजन कर रोक सकते हैं।

डायबिटीज : ब्लडप्रेशर व डायबिटिज की भी समय-समय पर जांच करानी चाहिए। पक्षाघात से बचने के लिए आहार में चर्बी की मात्रा कम कर देना आवश्यक है। घी, मक्खन, तेल, तली हुई चीजें, आइसक्रीम व मिठाई कम कर देनी चाहिए। प्रतिदिन 30 मिनट पैदल चलने से भी लाभ होता है। चिंतामुक्त जीवन शैली में कमी करके आनंदित जीवन जीना चाहिए।

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी के दौरों की वजह ज्यादा टीवी देखना भी

विश्व मिर्गी दिवस
18 नवम्बर

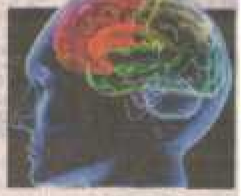

दिमाग में इलेक्ट्रॉनिक तरंगे ज्यादा बनने से मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। इस दौरान मरीज के हाथ-पैरों में जकड़न आती है और मुंह से झाग निकलने लगते हैं।

वजह : जन्म के समय सिर में चोट लगने, ज्यादा शराब पीने, दिमाग में कीड़े के संक्रमण, टीबी, रसोली, ब्रेन हैमरेज, रात को देर से सोने और ज्यादा टीवी देखने से भी मिर्गी के दौरे पड़ सकते हैं।

दौरा पड़े तो: व्यक्ति को करवट से लिटा दें और उसे घेरकर खड़े न हों। उसके कपड़ों को ढीला कर दें। मुंह के झाग साफ करके, आसपास से नुकीली चीजें हटा दें।

इलाज: एक दिन में अगर किसी व्यक्ति को 4-5 बार दौरा पड़े तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं। मिर्गी का इलाज 4-5 साल चलता है और रेगुलर ट्रीटमेंट से 80-90 फीसदी मरीजों को दौरों में आराम मिल जाता है।

क्या न करें: जूता न सुंघाएं, मुंह पर पानी न डालें, मुंह में कपड़ा न ठूंसें, मरीज को पकड़ें नहीं।

विशेषज्ञ की राय: मिर्गी पीड़ित से सामान्य व्यवहार करें। झाड़-फूंक की बजाय विशेषज्ञ से इस रोग का पूरा इलाज कराएं। ऐसे लोगों के वैवाहिक जीवन में कोई परेशानी नहीं होती और वे अन्य लोगों की तरह ही माता-पिता बन सकते हैं।

डॉ. आर. के. सुरेका, न्यूरोफिजीशियन, सोनी मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर
health@in.patrika.com

एक्सपर्ट इंटरव्यू

डॉ. आर. के. सुरेका
न्यूरोफिजीशियन, विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी, सोनी मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर

मिर्गी से पीड़ित मां भी अपने बच्चे को दूध पिला सकती है

मिर्गी रोग महिलाओं को कैसे प्रभावित करता है?

देश में आधा प्रतिशत लोग मिर्गी से ग्रसित हैं, इनमें 50 फीसदी महिलाएं हैं। अनुमान है कि भारत में 25 लाख महिलाओं को मिर्गी है, जिनमें से तकरीबन दो-तिहाई बच्चों को जन्म देने वाले उम्र के वर्ग में आती हैं।

मिर्गी से ग्रसित महिला गर्भावस्था से पूर्व क्या सावधानी रखें?

स्त्री रोग विशेषज्ञ व न्यूरोफिजिशियन से उचित परामर्श लें। मिर्गी रोग से ग्रसित महिला के 95 फीसदी बच्चे बिल्कुल स्वस्थ पैदा होते हैं।

गर्भावस्था में मिर्गी के दौरों का क्या प्रभाव पड़ता है?

लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं में गर्भकाल के दौरान दौरों का कोई विपरीत असर नहीं पड़ता। करीब 20 प्रतिशत मामलों में ये दौरे बढ़ सकते हैं और करीब 20-25 प्रतिशत महिला रोगियों में ये दौरे कम भी हो सकते हैं।

क्या मिर्गी रोग से ग्रसित मां बच्चे को दूध पिला सकती है?

हां, बच्चे को दूध पिलाना सुरक्षित है। इससे बच्चे में मिर्गी रोग नहीं होता है।

मिर्गी से गर्भावस्था के दौरान किस तरह की समस्याएं होती है?

मिर्गी से पीड़ित ज्यादातर स्त्रियों को गर्भावस्था के दौरान कोई समस्या नहीं होती है, हालांकि गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद भी जननांग से रक्तस्राव का जोखिम बढ़ जाता है, इसलिए प्रसव होने तक प्रसूति विशेषज्ञ की लगातार देखभाल बहुत जरूरी है।

गर्भावस्था के दौरान मिर्गी के दौरों का बच्चे पर असर पड़ता है?

यदि गर्भवती महिला को मिर्गी के दौरे पड़ जाएं तो होने वाले बच्चे पर बुरा असर पड़ता है। बच्चे में विकृतियां भी हो सकती हैं, वह समय से पूर्व भी जन्म ले सकता है। गर्भपात की भी आशंका रहती

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2016

rajasthanpatrika.com
राजस्थान पत्रिका . चूरू . शुक्रवार, 02.09.2016

शिविर में किया रोगियों का उपचार

चूरू. रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित मिर्गी निदान शिविर में गुरुवार को 678 रोगियों का उपचार किया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजीशियन डा. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से घबराए नहीं, तीन से पांच साल तक नियमित दवाई लेने से इसका उपचार संभव है। शिविर में पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका ने निःशुल्क दवाई दी। डा. प्रिया व डा. रक्षित सुरेका ने मिर्गी रोगियों के दांत संबंधित बीमारियों का उपचार किया। शिविर में प्रकाश सुरेका, डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. अभिनव सरीन, ताजू खां एवं मनोज आदि मौजूद थे।

जयपुर, बुधवार, 05 अक्टूबर, 2016
चूरू-बीकानेर आस-पास

शिविर में 692 रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ.आरके सुरेका ने 692 रोगियों की जांच कर एक महिने की निशुल्क दवाईयां वितरित की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से ग्रसित महिलाओं को मिर्गी के दौरों को नियंत्रित करने के लिए दी गई दवाईयों के साथ 5 मि.ग्राम फोलिक एसिड की गोली भी अवश्य लेनी चाहिए। जिससे उनके होने वाले बच्चों को नुकसान होने का डर बिल्कुल कम हो जाता है। रोगियों को यह दवा गर्भधारण करने से पहले ही चालू कर देनी चाहिए। अन्यथा इसका पुरा फायदा नहीं मिलता है। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी महिलाएं गर्भधारण कर सकती है। बच्चें पैदा कर सकती है। बच्चों को दुध पिला सकती है। दूध पिलाने से मिर्गी रोग नहीं फैलता है। यह भ्रान्ति है, व मिर्गी रोगी ज्यादातर स्वस्थ बच्चों को ही जन्म देती है। ट्रस्ट की तरफसे मिर्गी रोगियों को पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डॉ.रोहित सुरेका ने अपनी निशुल्क सेवा प्रदान की। दंत चिकित्सक डॉ.रक्षित सुरेका ने मिर्गी रोगियों के दान्त संबंधित बिमारियों का ईलाज का ईलाज किया। इस अवसर पर अशोक सुरेका, श्रीप्रकाश सुरेका, डॉ.जयसिंह, डॉ.एफएच गौरी,डॉ.सरीन, ताजु खां व मनोज आदि ने आयोजिकीय भूमिका निभाई।

सीकर, बुधवार 5 अक्टूबर, 2016
दैनिक भास्कर

मिरगी रोग शिविर में 692 रोगी हुए लाभान्वित

रतननगर | त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मासिक मिरगी रोग निदान शिविर लगा। शिविर में 692 रोगियों की जांच कर दवा प्रदान की गई। इस मौके पर मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिज़िशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिरगी रोग से ग्रसित महिलाओं को दौरों को नियंत्रित करने के लिए दी गई दवाइयों के साथ पांच मिग्रा फॉलिक एसिड की गोली भी अवश्य लेनी चाहिए। इससे उनको होने वाले बच्चे को नुकसान होने का डर बिलकुल कम हो जाएगा। मिरगी रोग से पीड़ित महिलाएं भी स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है। मां द्वारा बच्चे को दुध पिलाने से मिरगी रोग नहीं फैलता है। शिविर में मिरगी रोगियों के पेट व उदर की डॉ. रोहित सुरेका व दंत रोगियों की जांच रक्षित सुरेका ने जांच की। शिविर में मुकेश सिंह, आसिफ चौहान आदि मौजूद थे।

डूंडलोद (झुंझुनू) . बुधवार 05 अक्टूबर . 2016
दैनिक अंकुर

शिविर में 692 रोगियों को किया लाभाविन्त

जिनसे उनके होने वाले बच्चों को नुकसान होने का डर बिल्कुल कम हो जाता है

चूरू,अंकुर न्यूज।

रतनगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ.आरके सुरेका ने 692 रोगियों की जांच कर एक महिने की निशुल्क दवाईयां वितरित की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सक एवं न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से ग्रसित महिलाओं को मिर्गी के दौरों को नियंत्रित करने के लिए दी गई दवाईयों के साथ 5 मि.ग्राम फोलिक एसिड की गोली भी अवश्य लेनी चाहिए। जिससे

उनके होने वाले बच्चों को नुकसान होने का डर बिल्कुल कम हो जाता है। रोगियों को यह दवा गर्भधारण करने से पहले ही चालू कर देनी चाहिए। अन्यथा इसका पुरा फायदा नहीं मिलता है। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी महिलाएं गर्भधारण कर सकती है। बच्चे पैदा कर सकती है। बच्चों को दुध पिला सकती है। दूध पिलाने से मिर्गी रोग नहीं फैलता है। यह भ्रान्ति है, व मिर्गी रोगी ज्यादातर स्वस्थ बच्चों को ही जन्म देती है। ट्रस्ट की तरफ से मिर्गी रोगियों को पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डॉ.रोहित सुरेका ने अपनी निशुल्क सेवा प्रदान की। दंत चिकित्सक डॉ.रक्षित सुरेका ने मिर्गी रोगियों के दान्त संबंधित बिमारियों का ईलाज का ईलाज किया। इस अवसर पर अशोक सुरेका, श्रीप्रकाश सुरेका, डॉ.जयसिंह, डॉ.एफएच गौरी,डॉ.सरीन, ताजु खां व मनोज आदि ने आयोजिकीय भूमिका निभाई।

सीकर, बुधवार 9 नवंबर, 2016 दैनिक भास्कर

शिविर में 712 मरीज लाभान्वित

रतननगर | त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क मिरगी रोग जांच व निदान शिविर लगाया गया। डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में 712 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवाएं प्रदान की गई। शिविर में उद्योगपति अशोक सुरेका के नेतृत्व में मरीजों व सहयोगियों को निशुल्क भोजन भी करवाया गया।

इस दौरान डॉ. रोहित सुरेका, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.रक्षित, डॉ. प्रिया, प्रकाश सुरेका, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव सरीन आदि ने सहयोग किया। इस दौरान छगनलाल चौधरी, ताजू खां, गिन्नीलाल, देवकीनंदन, मनोज जांगिड़ मौजूद थे।

राजस्थान पत्रिका . चूरू . बुधवार. 09.11.2016

सब्जी व फल आदि धोकर खाएं

चूरू@पत्रिका. रतननगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित किया गया।

शिविर प्रभारी डा. आरके सुरेका ने रोगियों को सलाद व सब्जी को साफ कर खाने की सलाह दी। इससे कृमि जनित मिर्गी से बचा जा सकता है। डा. रोहित सुरेका, दंत रोग विशेषज्ञ डा. रक्षित व डा. प्रिया ने भी सेवा दी। शिविर में 712 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में वरिष्ठ फिजीशियन डा. एफएच गौरी, मनोरोग विशेषज्ञ डा. जयसिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ डा. अभिनव सरीन, छगनलाल चौधरी, ताजू खां, गिन्नीलाल, देवकीनंदन, मनोज जांगिड़, पवन सिंह व अतुल मोदी ने सहयोग किया। संचालन प्रकाश सुरेका ने किया।

सीकर, बुधवार 7 दिसंबर, 2016 | 14 दैनिक भास्कर

रतननगर. मंगलवार को आयोजित शिविर में रोगियों की जांच करते डॉक्टर।

मिरगी रोग निदान शिविर में 683 रोगी लाभान्वित हुए

समाचार न्यूज | रतननगर

त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल की ओर से मंगलवार को लगाए गए निशुल्क मिरगी निदान शिविर में 683 रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में सभी रोगियों को एक माह की निशुल्क दवाएं प्रदान की गईं।

मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिरगी रोग की पो जानने के लिए मिरगी समझें एप लॉन्च किया गया है। शिविर में पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सुरेका, दंत चिकित्सक डॉ. रक्षित सुरेका व प्रिया सुरेका ने भी रोगियों की जांच की। राजेंद्र हीरावत की ओर से शिविर में पहुंचे रोगियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। इस दौरान प्रकाश सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. सरीन, संपत कटारिया, ताजू खां व मनोज आदि ने सहयोग किया।

106 लोगों का किया चैकअप

अलखसर। पंचायत समिति में एनसीडी के तहत स्वास्थ्य चैक व महिला कैंसर के जागरूकता शिविर में 106 लोगों का स्वास्थ्य चैक किया गया। डॉक्टर अरविंद स्वामी व डॉ. सुनील मीणा ने कहा कि हर व्यक्ति को अपना स्वास्थ्य चैक करना चाहिए। इस मौके पर डॉ. शंकरलाल, डॉ. रमेशचंद जोशी, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. हंसराज सारण, डॉ. ओमप्रकाश सिंह, डॉ. विमला बाबरी, डॉ. श्यामलाल गुर्जर, डॉ. मुन्नालाल मुंडा, डॉ. राकेश कुमार व डॉ. प्रवीण कुमार आदि ने सेवा दी।

जयपुर, 7 दिसम्बर 2016 समाचार जगत

शिविर में 683 रोगी लाभान्वित

चूरू (निसं.)। रतननगर कस्बे के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 683 रोगियों की जांच की गई। शिविर में एसएमएस जयपुर के डॉ. आरके सुरेका ने सेवाएं दी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष 2017

राष्ट्रदूत चूरू, 4 जनवरी, 2017

मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है : गुप्ता

चूरू, (का.सं.)। जिला कलैक्टर ललित कुमार गुप्ता ने कहा है कि परहित में की जाने वाली मानव सेवाओं से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं है।

गुप्ता मंगलवार को जिला मुख्यालय के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 275 वें निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने ट्रस्टी डॉ. आर. के. सुरेका द्वारा मानव कल्याण के लिए आयोजित इस शिविर में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने ट्रस्ट द्वारा 4 मिर्गी रोगियों को शिक्षा के लिए छात्रवृति प्रदान की तथा सेवा प्रदाता चिकित्सकों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ. आर. के सुरेका ने बताया कि गत 23 वर्षों से आयोजित इस शिविर में देश के मिर्गी रोगी अपना निःशुल्क इलाज कराने आते है तथा उन्हें निःशुल्क एक माह की दवा प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि शिविर में मिर्गी रोग, पेट व उदर रोग, दंत रोग, लीवर रोग का निःशुल्क ईलाज व उपचार किया जाता है। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ.रोहित सुरेका, डॉ.रक्षित, डॉ.प्रिया सुरेका आदि निःशुल्क सेवाएं दे रहे है।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार, 4 जनवरी 2017

दी छात्रवृत्ति... चूरू के रतननगर में छात्रवृत्ति देते जिला कलक्टर ललित कुमार गुप्ता व डा.आरके सुरेका।

पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म

चूरू@पत्रिका.निकटवर्ती रतननगर कस्बे में सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रथम उदर रोग शिविर का उद्घाटन जिला कलक्टर ललित गुप्ता ने किया।

उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। डा.आरके सुरेका ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से आज से ही उदर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका की निशुल्क सेवाएं भी प्रत्येक मिर्गी निदान शिविर में दी जाएगी। डा. सुरेका ने कहा कि प्रतिमाह दो गरीब मिर्गी रोगियों को पढ़ने के लिए छात्रवृति दी जाएगी। इस मौके पर अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा. जयसिंह, डा. एफ एच गौरी, डा. अभिनव सरीन, ताजू खां एवं मनोज मौजूद थे। इसके अलावा मिर्गी निदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में रोगियों को एक महिने की दवा निशुल्क वितरित की गई।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार, 8 फरवरी 2017

शिविर में 750 रोगी लाभान्वित

चूरू के रतननगर में शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ आरके सुरेका।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

चूरू. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतननगर में मंगलवार को आयोजित निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 750 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में मुख्य चिकित्सक डा. आरके सुरेका ने बताया, मिर्गीरोग को गर्भधारण से पहले चिकित्सक की सलाह से दवा लेने पर बच्चे को इसके प्रभाव से बचाया जा सकता है। गर्भावस्था के दौरान मिर्गीरोगी को नियमित दवा लेनी चाहिए। पेट व लीवर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका भी शिविर में निःशुल्क सेवा दे रहे है। दंत रोग विशेषज्ञ डा. रक्षित व डा. प्रिया सुरेका ने भी रोगियों को लाभान्वित किया। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. सरीन, ताजू खां व मनोज ने भी सहयोग किया।

दैनिक उद्योग आस-पास बुधवार, 08 फरवरी, 2017

निःशुल्क मिर्गी निदान का 276 वां शिविर सम्पन्न

चूरू। निकटवर्ती ग्राम रतननगर में निःशुल्क मिर्गी निदान का 276 वां शिविर सम्पन्न हुआ। हाल ही में प्रकाशित लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड 2016 में एपीलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन को सर्वाधिक निःशुल्क सेवा कैम्प के लिये स्थान प्राप्त हुआ, इसी के तहत यह शिविर लगाया गया। कैम्प के संचालक सवाई मानसिंह अस्पताल के पूर्व प्रोफेसर डॉ आर के सुरेका है। उन्होंने बताया कि इस कैम्प में पूरे भारतवर्ष से करीब 6000 मरीज पंजीकृत है, हर माह करीब 750 मरीज कैम्प में आते है। सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को गर्भधारण से पूर्व अपने डॉक्टर से परामर्श कर मिर्गी रोग की दवाओं के बच्चे पर कुप्रभाव रोकने के लिये प्रतिदिन पांच मिलीग्राम फॉलिक एसिड नियमित रूप से लेना चाहिये इससे बच्चों को दवाई के कुप्रभाव से बचाया जा सकता है। इस कैम्प में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ जयसिंह, डॉ गौरी, डॉ सरीन, ताजू खां, एवं मनोज आदि ने सहयोग दिया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष 2017

राजस्थान पत्रिका चूरू, शनिवार, 25.03.2017

राजस्थान में प्रति हजार पर तीन मिर्गी रोगी

डा.आरके सुरेका

चूरू@पत्रिका. देश में मिर्गी रोगियों की संख्या प्रति हजार लोगों पर पांच से 10 है। वहीं राजस्थान में यह करीब तीन मरीज प्रति हजार है। राजस्थान में हुए सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है। इस रोग का शिकार सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी हो रही है।उक्त विचार न्यूरोफिजीशियन डा. सुरेका ने त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। मृगी का कारण बचपन में चोट लगना, जन्मजात विकृतियां, दिमाग में कीड़ों का संक्रमण, दिमाग की टीबी, दिमाग में रसौली आदि होते है। ज्यादा नजदीक से टीवी को देखना व ज्यादा मात्रा में मदिरा करने से भी हो सकता है। हालांकि और भी कई फैक्टर है जिनके कारण एपिलेप्सी होती है। डा. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से बचने के लिए गंदे पानी में उगी सब्जियां व फल से सिस्टीसरकोसिस नामक कीड़ा दिमाग में पहुंच सकता है। इससे मिर्गी हो सकती है इसलिए सब्जियां धोकर खानी चाहिए। दुपहिया चालकों को हेलमेट लगाकर गाड़ी चलानी चाहिए। वरना सर पर चोट लगने से दौरे पड़ सकते है। दौरा पड़ने पर जूता, प्याज आदि ना सूघाएं, मुंह में पानी ना डाले, कपड़ा न ठूसे व मरीज के कपड़े ढीले कर लिटा दे व मुंह से झाग साफकर दें मरीज स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

दैनिक भास्कर जयपुर, शनिवार, 25.03.2017

एपिलेप्सी केयर का मिर्गी रोग पर प्रशिक्षण शिविर

जयपुर। एपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउन्डेशन (इकाई त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 23 मार्च को मिर्गी रोग के संबंध में पर्पल डे मनाया गया व गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के लिए भी प्रयास किया गया। 750 प्रशिक्षणार्थियों को मिर्गी रोग के बारे में प्रशिक्षण शिविर एवं प्रदर्शनी का आयोजन जयपुर में स्वास्थ्य कल्याण संस्थान में किया गया। मुख्य न्यूरोफिजिशियन एवं लिम्का बुक होल्डर डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरा पड़ने पर प्राथमिक उपचार एवं मिर्गी रोग अभिशाप नहीं है। प्रशिक्षण शिविर का होम्योपैथी, फिजियोथैरेपी, नर्सिंग व योग के विधार्थी, मिर्गी रोगी व उनके अभिभावक व सभी नागरिक गणों ने लाभ उठाया।

जयपुर, शुक्रवार 24 मार्च 2017 **12 डेली न्यूज़**

मिर्गी रोग के बारे में दी जानकारी

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। एपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन यूनिट त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को सीतापुरा में एग्जिबिशन और ट्रेनिंग कैम्प का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कल्याण संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम में मिर्गी रोग, बचाव और उपचार के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएमए प्रेसिडेंट डॉ. एसएस अग्रवाल ने उपचार के महत्व और आवश्यकता के बारे में बताया।

राजस्थान पत्रिका जयपुर, शुक्रवार, 24.03.2017

राजस्थान में करीब दो लाख मरीज मिर्गी के

जयपुर @ पत्रिका. देश में एपिलेप्सी (मिर्गी रोग) 5 से 10 प्रति हजार की संख्या में पाया जाता है। राजस्थान की जनसंख्या 7.2 करोड़ 34 जिलों में फैली हुई हैं एवं 72 प्रतिशत लोग गांवों में रह रहे हैं। राजस्थान में सर्वे के अनुसार मिर्गी रोग करीब 3 प्रति हजार की संख्या में पाया गया है। यानि प्रदेश की आबादी के हिसाब से करीब दो लाख लोग यहां इसके मरीज है। डॉक्टर्स का कहना है कि एपिलेप्सी का इलाज संभव है। यह जानकारी गुरुवार को एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन की ओर से सीतापुरा स्थित स्वास्थ्य कल्याण संस्थान परिसर में आयोजित पर्पल डे कार्यक्रम में दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप के चेयरमेन डॉ.एस.एस. अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ.सुभाष नेपालिया थे।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार, 05.04.2017

रोगियों का किया उपचार

चूरू. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को रतननगर में निशुल्क मिर्गी रोग उपचार शिविर लगाया गया। न्यूरोफिजीशियन डा. आरके सुरेका ने मरीजों का उपचार कर निशुल्क दवाएं दी।डा. सुरेका ने दौरे के समय बचाव आदि की जानकारी भी दी।शिविर में डा. एफएच गौरी, डा. अभिनव सरीन, अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, जयसिंह सुरेका आदि मौजूद थे।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज

वर्ष : 2017

दैनिक उद्योग आस-पास बुधवार, 03 मई, 2017

शिविर में 690 रोगियों का किया लाभांवित

चूरू। रतननगर के उपस्वास्थ्य केन्द्र में श्रीमति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदन शिविर में 690 रोगियों की जांच कर रोगियों को 1 महिने की निशुल्क दवाईयां वितरण की। शिविर में मुख्य न्यूरोफिजिशियन एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रो. डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि तेज बुखार से भी बच्चों में दौरे आ जाते है। जिसे हम ज्वर मिर्गी कहते है। लेकिन उन्होंने सावधान किया कि ये दौरे जरूरी नहीं की मिर्गी के ही हों, और इनमें ईलाज के लिए बच्चे का बुखार उतार देना आवश्यक है। और मिर्गी की दवाई की जरूरत नहीं होती है। और न हीं इनको मिर्गी रोगी कहते है। ऐसे बच्चों के अभिभावकों को अपने बच्चों में मिर्गी का रोग ना पनप सके। डॉ.सुरेका ने आगे बताया कि मिर्गी से ग्रस्त बच्चों को एक सामान्य बच्चे की तरह समझना चाहिए। एवं उनको पढाना चाहिए। उनको खेलकूद के लिए प्रेरित करना चाहिए। एवं एन्हे बुद्धु नहीं समझना चाहिए। अगर उनको तीन साल तक नियमित दवाई दी जाये तो उनको मिर्गी रोग ठीक हो सकता है। आज इस अवसर पर पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डॉ.रोहित सुरेका ने 35 मरीजों को निशुल्क सेवाएं प्रदान की व दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ.रक्षित सुरेका आदि ने लगभग 40 मिर्गी रोगियों को दन्त चिकित्सा प्रदान की। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ.जयसिंह,डॉ.एफएच गौरी, ताजु खां व मनोज आदि ने सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार, 03 मई 2017 rajasthanpatrika.com

ज्वर मिर्गी का उपचार संभव

चूरू @ पत्रिका. रतननगर कस्बे की पीएचसी में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को मिर्गी निदान शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में न्यूरोफिजीशियन डा. आरके सुरेका ने बताया कि तेज बुखार से भी बच्चों में दौरे आ जाते है। जिसे हम ज्वर मिर्गी कहते है। उन्होंने बताया कि जरूरी नहीं कि हर दौरा मिर्गी के ही हो। इसमें उपचार के लिए बच्चे का बुखार उतारना आवश्यक है। मिर्गी की दवाई की जरुरत नहीं होती। उन्होंने बताया मिर्गी से ग्रस्त बच्चे को अन्य बच्चों की तरह समझना चाहिए।

पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका ने 35 रोगियों का उपचार किया। दंत रोग विशेषज्ञ डा. रक्षित सुरेका ने 40 रोगियों का उपचार किया। शिविर में 690 रोगियों का उपचार किया गया। इस मौके पर अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, ताजू खां व मनोज मौजूद थे।

समाचार जगत जयपुर, 03 मई, 2017

शिविर में 690 रोगी लाभान्वित

चूरू (निसं.)। रतननगर उपस्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित नि:शुल्क मिर्गी रोग निदन शिविर में 690 रोगियों की जांच कर रोगियों नि:शुल्क दवाईयां वितरित की गई। मुख्य न्यूरोफिजीशियन एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रो. डॉ. आरके सुरेका ने मिर्गी रोग के बारे में जानकारी दी। पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सुरेका ने 35 मरीजों को निशुल्क सेवाएं प्रदान की व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.रक्षित सुरेका आदि ने लगभग 40 मिर्गी रोगियों को दंत चिकित्सा प्रदान की। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ.जयसिंह,डॉ.एफएच गौरी, ताजु खां व मनोज आदि ने सहयोग प्रदान किया।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार, 3 मई, 2017

मिर्गी निदान शिविर में जांच की

रतननगर | सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मिर्गी निदान शिविर लगा। डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि छोटे बच्चों में तेज बुखार की वजह से भी दौरे आ सकते है, उनका बुखार उतारना जरूरी होता। इसमें ये जरूरी नहीं की वह मिर्गी हो। डॉ. सुरेका व डा. जयसिंह ने 610 रोगियों की जांच कर परामर्श दिया।उदर रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सुरेका व दंत रोग के डाला रक्षित सुरेका ने सेवा दी।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2017

बढ़ता राजस्थान जयपुर, बुधवार, 07 जूनव, 2017

मिर्गी से बचाव सम्भवः डॉ सुरेका

चूरू (निप्र)। हरमाह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में पिछले 24 वर्षों से लगने वाला 279 वां निःशुल्क निदान शिविर चूरू के रतननगर कस्बे में आज सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में भारत वर्ष के कोने-कोने से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते है। एवं उनके निदान कर इस बार 620 रोगियों को 1 महिने की पूर्ण दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन एवं सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व डॉआर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग कई कारणों से हो जाता है जिसमें सिर में चोट लग जाना, जन्मजात विकृतियां, मस्तिष्क में रसौली हो जाना एवं शराब के सेवन से एवं सब्जियां व फल यदि बिना धुले हुये खाये जाये तो उनमें पनपने वाले कीर्मी के कीड़े पेट से दिमाग में पहुंच सकते है एवं मिर्गी का रोग हो सकता है। अतः गर्मियों में कच्ची सलाद व फल इत्यादि का प्रयोग साफ पानी से धोकर के या उबाल करके करना चाहिए। यह कीर्मी के कीड़े गंदे पानी में उगने वाले सभी फल एवं सब्जियों आदि से पनपते है। डॉ आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के बचाव के लिए हमें दुपहिया वाहन हेलमेट पहन करके चलाना चाहिए क्योंकि बिना हेलमेट पहन के चलाने पर मस्तिष्क में चोट लगने का खतरा रहता है और मस्तिष्क में चोट मिर्गी रोग का मुख्य कारण है। इसी तरीके से मिर्गी रोग से ग्रस्त स्त्रियों को अपना प्रसव एक प्रशिक्षित चिकित्सक से अस्पताल के अंदर ही कराना चाहिए जिससे जन्मजात विकृतियां न हो व होने वाले बच्चे में मिर्गी न हो। आज इस अवसर पर पेट व उदर रोग विशेष डॉ रोहित सुरेका ने 50 मरीजों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान की व दंतो चिकित्सक डॉ रक्षित सुरेका ने लगभग 45 मिर्गी रोगियों को दंत चिकित्सा प्रदान की व दवाईयां वितरित की गई। इस कैम्प में श्री अशोक सुरेका, श्री प्रकाश सुरेका, डॉ [illegible] जी, डॉ [illegible] एवं मनोज आदि ने सहयोग किया।

दैनिक उद्योग आस-पास जयपुर, बुधवार, 05 जुलाई, 2017

शिविर में 676 रोगी लाभांवित

[illegible]

दैनिक उद्योग आस-पास सीकर, बुधवार, 07 जून, 2017

मिर्गी से बचाव सम्भवः डॉ सुरेका

चूरू। हरमाह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में पिछले 24 वर्षो से लगने वाला 279वां निःशुल्क निदान शिविर चूरू के रतननगर कस्बे में आज सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में भारत वर्ष के कोने-कोने से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते है। एवं उनके निदान कर इस बार 620 रोगियों को 1 महिने की पूर्ण दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन एवं सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व डॉआर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग कई कारणों से हो जाता है जिसमें सिर में चोट लग जाना, जन्मजात विकृतियां, मस्तिष्क में रसौली हो जाना एवं शराब के सेवन से एवं सब्जियां व फल यदि बिना धुले हुये खाये जाये तो उसमें पनपने वाले किर्मी के कीड़े पेट से दिमाग में पहुच सकते हैं एवं मिर्गी का रोग हो सकता है। अतः गर्मियों में कच्चीं सलाद व फल इत्यादि का प्रयोग साफपानी से धोकर के या उबाल करके करना चाहिए। यह कीर्मी के कोडे गंदे पानी में उगने वाले सभी फल एवं सब्जियों आदि से पनपते है। डॉ आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के बचाव के लिए हमें दुपहिया वाहन हेलमेट पहन करके चलाना चाहिए क्योंकि बिना हेलमेट पहन के चलाने पर मस्तिष्क में चोट लगने का खतरा रहता है और मस्तिष्क में चोट मिर्गी रोग का मुख्य कारण है।

राजस्थान पत्रिका चूरू, गुरुवार, 06.07.2017

ज्वर मिर्गी से घबराए नहीं, इलाज करवाए

रतननगर @ पत्रिका. त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को रतननगर पीएचसी में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य न्यूरो फिजिशियन डा. आरके सुरेका ने बताया कि बच्चों में तेज बुखार से दौरे आने की संभावना बढ़ जाती है। इसको ज्वर मिर्गी कहते हैं। उन्होंने कहा इससे घबराएं नहीं। शिविर में डा. रोहित सुरेका, डा. रक्षित सुरेका ने भी रोगियों का उपचार कर परामर्श दिया। शिविर में कुल 676 रोगियों को एक माह की दवा निःशुल्क दी गई।

समाचार जगत जयपुर, 02 अगस्त 2017

मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर आयोजित

चूरू (निसं.)। रतननगर कस्बे के उप स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने 652 रोगियों की जांच कर निःशुल्क दवा वितरण की। शिविर में प्रकाश सुरेका, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. एफएच गौरी, ताजु खां व मनोज आदि ने ने भी सेवाएं दी।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, गुरुवार, 07.09.2017

रोगी लाभान्वित

चूरू @ पत्रिका. रतननगर के उप स्वास्थ्य केंद्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 680 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में मुख्य न्यूरोफिजीशियन डा. आरके सुरेका ने बताया कि 352 मिर्गी रोगियों पर किए गए परीक्षण पर यह पाया गया कि करीब 40 प्रतिशत रोगियों के मसूड़े फुले हुए थे। जिनसे खून आता था। करीब 20 प्रतिशत रोगियों के दंत क्षय व किटाणु लगे हुए थे।

शिविर में दंत विशेषज्ञ डा. रक्षित सुरेका ने भी दंत रोगियों का उपचार किया। पेट व उदर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका ने भी रोगियों का उपचार किया। शिविर में अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, डा. एफएच गौरी, ताजु खां व मनोज शर्मा ने सेवाएं दी।

दैनिक भास्कर सीकर, गुरुवार, 7 सितंबर, 2017

शिविर में 680 रोगी लाभान्वित

रतननगर | राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को त्रिवेदी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मिर्गी निदान शिविर लगा। डॉ. आरके सुरेका की टीम ने 680 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरण की। शिविर के दौरान दंत चिकित्सक डॉ. रक्षित सुरेका व उदर रोग चिकित्सक डॉ. रोहित सुरेका ने भी रोगियों की जांच की।

चूरू-बीकानेर आस-पास

मिर्गी असाध्य नहीं, औषधी व शल्य चिकित्सा से ईलाज संभव-डॉ. सुरेका

[illegible]

-- बिजयनगर समाचार --

निशुल्क मिर्गी रोग जांच शिविर में 275 रोगी लाभांवित

बिजयनगर (करंट न्यूज)
निशुल्क मिर्गी रोग जांच शिविर में 275 रोगी लाभांवित हुए। गुलाबपुरा प्राज्ञ मिर्गी निवारक चिकित्सालय परिसर में सोहनलाल, निहालचंद, अंकित कुमार, अनुजकुमार तातेड़ बिजयनगर निवासी की तरफ से निशुल्क मिर्गी जांच शिविर महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर.के.सुरेखा एवं उनकी टीम के सहयोग लगाया गया। इस शिविर में 275 रोगियों को निशुल्क परामर्श एवं दवा वितरण की गई। सभी रोगियों एवं उनके परिजनों को भोजन पैकेट वितरित किए गए। संस्था कार्यकारिणी द्वारा शिविर के लाभार्थी का स्वागत किया गया। इस शिविर में मिर्गी अस्पताल के उपाध्यक्ष मूलचंद नवेडा, मदनलाल लोढ़ा, मदनलाल रांका, महावीर नाहर, गौतम बुरड़, गंगाधर काठेड़, अनिल चौधरी, के.डी. मिश्रा ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

मिर्गी रोग शिविर में 275 लाभान्वित

गुलाबपुरा | श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति के तत्वावधान में आयोजित शिविर में 275 मरीजों की जांच कर इलाज किया। जयपुर के डॉ. आरके सुरेखा ने जांच कर दवा वितरित की। सोहनलाल, निहाल चंद तातेड़ बिजयनगर वालों का स्वागत किया गया। शिविर में उपाध्यक्ष मूलचंद नाबेड़ा, मदन लाल लोढ़ा, महावीर नाहर, गौतम बुरड़, गंगाधर काठेड़, अनिल चौधरी, केडी मिश्रा ने सेवा दी।

दैनिक उद्योग आस-पास

सीकर, बुधवार, 03 जनवरी 2018

शिविर में रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। हर माह की भाँति त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफसे आयोजित होने वाला 286 वां निशुल्क मिर्गी निदान शिविर आज रतन जिला चुरू में आयोजित किया गया। इसमें 710 मरिजों को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद पूरे माह की निशुल्क दवा वितरित की गई। इस शिविर के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा.आर.के.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग का इलाज पूरी तरीके से सम्भव है यदि रोगी नियमित रूप से 3 से 5 साल तक चिकित्सक के द्वारा बताई गई। दवा का सेवन बेनागा करें। यहीं मिर्गी रोग से बचाव भी किया जा सकता है। अगर सब स्त्रियां शिशु प्रजनन के समय अस्पताल में या प्रशिक्षित दाई के द्वारा ही अपना प्रसव करवाने। जिससे बच्चों में जन्म के समय मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी नहीं हो व दौरों का बचाव हो सके देखा गया है कि सर में चोट लगना भी दौरे का एक मुख्य कारण है। इसके बचाव के लिए वाहन चलाते समय यदि हैलमेट पहना जाये तो दौरों की बीमारी से बचाव हो सकता है। इसी तरीके से गर्भावस्था के दौरान महिलायें अगर पांच एमजी गोली का इस्तेमाल नियमित रूप करें तो बच्चें में विकार कम होते हैं व दौरे पड़ने के अवसर कम होते है। डॉ. सुरेका ने आगे बताया कि कच्ची सलाद व सब्जी को अच्छी तरह धोकर खाना चाहिये नहीं तो इसमें एक प्रकार का कीड़ा होता है जो भोजन के साथ में जाकर मस्तिष्क में पंहुच कर दौरे की बीमारी कर सकता है। इस अवसर पर उदर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका, दन्त रोग विशेषज्ञ डा. रक्षित सुरेका, डा. जय सिंह, डा. सरिन, डा. गौरी प्रकाश सुरेश, तालु खान व नारायण आदि ने भी अपनी सेवायें दी।

बढ़ता राजस्थान

badhatarajasthan.com

जयपुर | बुधवार | 7 फरवरी, 2018

चूरू.रतननगर कस्बे में सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों की जांच करते डॉ.आरके सुरेका।

निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 690 रोगियों को किया लाभाविन्त

चूरू। रतननगर के उप स्वास्थ्य केन्द्र में हर माह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 287 वें निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने मिर्गी के 690 मरीजों के स्वास्थ्य जांच के बाद दवाएं निशुल्क वितरित कर गई। डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि 70 प्रतिशत मिर्गी रोगी दवा के नियमित सेवन से मिर्गी रोग को नियंत्रित कर सकते है। 30 मिर्गी रोगी शल्य चिकित्सा की सहायता से ठीक किये जा सकते है। शल्य चिकित्सा के द्वारा मस्तिष्क के प्रभावित हिस्से को अलग कर मिर्गी के दौरों को नियंत्रित किया जा सकता है। मिर्गी रोग की शल्य चिकित्सा दिल्ली, हैदराबाद, व बैंगलुरु के चिकित्सा संस्थानों में है।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2018

दैनिक भास्कर जयपुर, शुक्रवार 23 मार्च, 2018

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुरेका का नाम गिनीज बुक में

जयपुर | न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। डॉ. सुरेका ने मिर्गी रोग के इलाज के लिए सर्वाधिक 737 लोगों को एक ही सत्र में प्रशिक्षित कर इतिहास रचा है और इसी कारण उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। सीकापुरा स्थित स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के ऑडिटोरियम में सत्र के दौरान डॉ. सुरेका ने प्रशिक्षणार्थियों को मिर्गी को लेकर प्रचलित भ्रांतियों, तथ्यों, रोग के कारणों और प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।

इससे पहले उन्होंने 250 लोगों को प्रशिक्षित किया था। इससे पूर्व डॉ. सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स-2016 में भी दर्ज हो चुका है। चूरू जिले के रतन नगर में हर माह निशुल्क शिविर लगाने वाले डॉ. सुरेका अब तक 7000 रोगियों को निशुल्क दवाएं देकर मिर्गी से छुटकारा दिला चुके हैं। इन शिविरों में प्रदेशभर के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के रोगी भी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

दैनिक उद्योग आस-पास
सीकर, बुधवार 07 मार्च 2018

शिविर में 720 रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। रतननगर कस्बे में श्रीत्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 24 वर्षों से लगने वाला 285 वां निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 720 रोगियों को 1 माह की पूर्ण दवा निशुल्क देकर लाभान्वित किया। न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका जिनका गिनीज् वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उन्होंने र्मिगी रोग के ईलाज के संबंध में सबसे अधिक 737 लोगों को एक साथ में प्रशिक्षित करने का रिकॉर्ड बनाया। उनका नाम राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में मिर्गी रोगियों के लिए सर्वाधिक निशुल्क शिविर लगाने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज हो चुका है। वह चूरू जिले के रतननगर गांव में हर माह निशुल्क शिविर लगाते है। अभी तक इस कैम्प में 7000 मिर्गी रोग पंजीकृत है। डॉ.सुरेका रोगियों और उनके परिजनों में मिर्गी रोग के प्रति चेतना जगाने का काम भी करते है। वह इसके लिए पैम्पलेट, चार्ट, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों की सहायतला लेते है। इस कैम्प में प्रकाश सुरेका, डॉ.जय सिंह, डॉ.एफएच गौरी, ताजु खान व मनोज आदि ने सहयोग दिया।

THE TIMES OF INDIA, JAIPUR
MONDAY, MARCH 26, 2018

Epileptic pregnant women need more care

intishab.Ali@timesgroup.com

STUDY RESULT SHOWS

- The **health of the fetus would be better** if the patient does not have seizures
- Stopping drugs can endanger the health of fetus by producing seizures
- After delivery, **mother should definitely feed her baby as mother's milk is not going to harm the baby** inspite of mother taking the drug
- It has been found in the studies that **concentration of drug in milk is negligible and not harmful** for the infant

Jaipur: Pregnant women with epilepsy are always at a higher risk of giving birth to an infant with birth defects in comparison to normal women. Aiming to minimise the chance of fetal malformation, the health department is alert on it and has categorised such pregnancies with epilepsy as high risk.

"Whenever a case of pregnancy with epilepsy is reported in the hospital, we immediately put her in high risk category. It helps in providing her treatment for preventing birth defects in infants. Such pregnant women need proper care and tre[illegible]nt for birth of healthy baby," said Dr Mohan Meena, professor gynaecology, Sawai Man Singh (SMS) Medical College.

Dr Meena said that they provide folic acid tablets to pregnant women. "We prescribe folic acid tablets for initial three months in normal pregnancies but for epileptic pregnant women, we give folic acid tablets for entire pregnancy period to prevent any sort of complications," said Dr Meena. The state government is providing free-of-cost folic acid tablets to pregnant women under free medicine scheme.

According to the neurology experts, epilepsy is most frequently encountered neurological condition in women after migraine. A city-based neurologist, former professor neurology, SMS Medical College Dr RK Sureka conducted a study on pregnant women with epilepsy.

"In our study we compared the obstetrical and neonatal outcomes of women with epilepsy with similar matched control subjects. It showed that women with epilepsy have increased risk of fetomaternal complications. The most

WORLD PURPLE DAY

important observation in our study was the increased frequency of congenital malformations in the offspring of women with epilepsy. In our study we have found cases of infants born with deformity to women with epilepsy," said Dr Sureka.

He said it is a myth that epileptic women cannot bea[r] children or are infertile. Th[e] percentage of infertility is no[t] very different from norma[l] women. Similarly all wome[n] should continue to take the antiepileptic medicines durin[g] pregnancy and should not fea[r] that taking medicine woul[d] produce epilepsy in thei[r] children.

The study found that the pregnant women with epilepsy were given five mg of simple vitamin tonic - Folic Acid which was started from the initial stage of pregnancy, prevented fetal malformations as compared to those women who did not take folic acid.

Dr Sureka expressed the need for pregnancy registry which looks after the health of pregnant epileptic women throughout India. Very few registries are functioning in the country.

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका देशभर में करते हैं 260 मेडिकल कैंप आयोजित

737 लोगों को प्रशिक्षित कर बनाया रिकॉर्ड

गणपति नगर • एक घंटे में 737 लोगों को मिर्गी रोग के इलाज संबंधी प्रशिक्षित कर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.आर.के. सुरेका ने 'गिनिज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज करवाया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.आर.के. सुरेका ने जयपुर क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि 30 मार्च 2017 को सीकापुरा स्थित स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में कैम्प आयोजन किया गया। जिसमें एक घंटे के सत्र में 737 लोगों को मिर्गी रोग के इलाज संबंधी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सत्र में स्टूडेंट्स, पेशेंट और उनके परिवारजनों को मिर्गी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।उन्हें मिर्गी के दौरा पड़ने पर क्या क्या करना चाहिए, उसके बारे में वीडियो और चार्ट के माध्यम से बताया। इस दौरान सुरेका ने बताया कि देशभर में 260 मेडिकल कैंप आयोजित करने और सात हजार मिर्गी रोगियों का उपचार करने पर 2016 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करवाया था।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2018

दैनिक उद्योग आस-पास सीकर, बुधवार, 02 मई, 2018

शिविर में 715 रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। रतननगर कस्बे के त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में हर माह की भांति पिछले 24 वर्षों से लगने वाला 284वां निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर कस्बे की सीएचसी में मंगलवार को सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में भारत वर्ष के कोने-कोने से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते हैं उनके रोग का निदान कर इस बार 715 रोगियों को 1 महिने की पूर्ण दवाई निःशुल्क वितरित की गई। कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व प्रोफेसर डॉ. आर.के सुरेका ने बताया कि भारतवर्ष में करीब 1 से 5 प्रति हजार लोग मिर्गी रोग से पीड़ित है जिनमें से 50 प्रतिशत महिलाएँ रोगी है यह मस्तिष्क से सम्बन्धित बीमारी है जो मस्तिष्क में विद्युत तरंगे ज्यादा बढ़ने से होती है न की भूत प्रेत से। मिर्गी रोग का इलाज नियमित दवाई लेने से ठीक हो सकता है और 60 से 70 प्रतिशत मरीजों की दवाई पूरी तरह से बंद हो सकती है अगर आपको 3 साल तक दौरे न आये तो। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज में यह देखा गया है कि 70 से 80 प्रतिशत रोगी केवल दवाईयों के नियमित सेवन से ठीक हो सकते है। उन्होंने कहा कि आजकल मिर्गी रोग की शल्य चिकित्सा की सुविधाएँ भारतवर्ष में दिल्ली मुम्बई, बैंगलोर चैन्नई हैदराबाद एवं कई अन्य स्थानों पर उपलब्ध है अतः जिन रोगियों के दौरे दवाईयों से नियंत्रित न हो उन्हे शल्य चिकित्सा करवा लेनी चाहिये। डॉ. सुरेका ने बताया कि सभी मिर्गी रोगियों को निःशुल्क दंत चिकित्सा दंत विशेषज्ञ डॉ. रक्षित सुरेका द्वारा प्रति माह हर कैम्प में दी जाती है। जिससे मिर्गी रोगियों के दांत सुरक्षित रहे। इस कैम्प में दंत विशेषज्ञ डॉ. रक्षित सुरेका एवं उदर रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सुरेका ने 54 मरीजों को अपनी निःशुल्क सेवाएँ प्रदान की। कैम्प में प्रकाश सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. सरिन, डॉ. गौरी, ताजू खां एवं मनोज आदि ने सहयोग दिया।

समाचार जगत जयपुर, 6 जून 2018

730 मिर्गी रोगियों ने उठाया शिविर का लाभ

चूरू (निसं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतननगर में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल के तत्वावधान में हर माह की भांति पिछले 24 वर्षों से लगने वाले 285वां निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में भारत वर्ष के कोने-कोने से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते हैं उनके रोग का निदान कर इस बार 730 रोगियों को 1 महिने की पूर्ण दवाई निःशुल्क वितरित की गई। कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजियन एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व प्रोफेसर डॉ. आर.के सुरेका ने यह जानकारी दी।

rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका . चूरू . बुधवार. 06.06.2018

शिविर में 730 रोगी लाभान्वित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

रतननगर. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल के तत्वावधान में मंगलवार को 28 5वां निःशुल्क मिर्गी रोग निदान सीएचसी में लगाया गा।

शिविर में 730 रोगयों को एक माह की दवाई देकर लाभान्वित किया गया। शिविर के मुख्य न्यूरोफिजीशियन प्रो. डा. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से बचाव के लिए रोगियों को कम से कम छह से आठ नींद लेनी चाहिए। दंत रोग विशेषज्ञ डा. रक्षित सुरेका व उदर रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका ने 6 0 रोगियों को निशुल्क दवा दी। शिविर में डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरिन, डा. एफएच गौरी, ताजू खां व मनोज ने सहयोग किया।

विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
churupatrika
फेसबुक पेज

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार 04.07.2018

रतननगर में लगाए मिर्गी निदान शिविर में 706 रोगी लाभान्वित

चूरू। हर महीने त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 24 वर्ष से लगने वाला 286 वां निशुल्क मिर्गी निदान शिविर रतननगर में मंगलवार को लगा। शिविर में भारत वर्ष के कोने-कोने से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते हैं। निदान कर इस बार 706 रोगियों को 1 महीने की दवाई निशुल्क वितरित की गई। शिविर में मुख्य न्यूरोफिजिशियन व सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व प्रोफेसर डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि लोग मिर्गी रोग से निजात पाने के लिए देवी-देवताओं की पूजा ढोंग ओझा या झाड़-फूंक जैसे अंधविश्वासों में फंस जाते हैं। मिर्गी रोगी को दौरा पड़ने पर उसके कपड़ों को ढीला कर देना चाहिए। डॉ. सुरेका ने बताया कि शिविर में मिर्गी रोगियों की निशुल्क दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित सुरेका व उदर पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सुरेका ने 55 मरीजों की जांच कर सेवा दी। प्रकाश सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरिन, डॉ. एफएच गौरी, ताजू खां, अशोक मोरेका ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2018

दैनिक उद्योग आस-पास
सीकर, बुधवार 08 अगस्त 2018

नियमित दवाई से मिर्गी रोग पर विजय संभव- डा.सुरेका

चूरू। रतननगर कस्बें के उप स्वास्थ्य केन्द्र में हर वर्ष की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका ट्रस्ट द्वारा पिछले 24 वर्षों से लगने वाले निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 730 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में न्यूरोफिजीयशन डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि मिगर्गी रोगी का 3 से 5 वर्ष तक नियमिति दवाई लेने से लगभग 80 प्रतिशत रोगियों के दौरे पूर्ण रूप से नियंत्रित हां जाते है। 70 प्रतिशत लोग पूरे ठीक हो जाते है। इसलिए मिर्गी रोगी घबराये नही। नियमित रूप से दवा ले तो वे पूरे ठीक हो जावेंगे। मरीजों को यह ट्रस्ट पूरे महीने ककी दवाएं मुफ्त आज पिछले 24 वर्षों से इसलिए प्रदान कर रहा है। कैंप में प्रकाश सुरेका, डा जयसिंह, डॉ.एमएच गौरी व ताजु खां व मनोज शर्मा सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 3 अक्टूबर, 2018

मिर्गी निदान शिविर में 970 रोगियों की जांच की

रतननगर | राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हर माह के पहले मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से लगने वाला निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगा। शिविर में 970 रोगियों को 1 महीने की पूर्ण दवाई निशुल्क वितरित की गई। मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि बच्चों में तेज बुखार से भी दौरे पड़ सकते है। इसे फिबराइल सीजर कहते है, लेकिन ऐसे बच्चों को मिर्गी की बीमारी नहीं मानते है। केवल बुखार उतारकर तीन महीने तक दवाई दी जाती है।

दैनिक अंबर बुधवार 05 सितम्बर, 2018

शिविर में मरीजों को किया लाभाविन्त

दैनिक अंबर

चूरू(राजेश अग्रवाल)। रतननगर कस्बे की त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में लगने वाला 289 वां नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में करीब 740 मरीजों को नि:शुल्क दवाई वितरण कर डाक्टरों द्वारा देखा गया। शिविर में हरियाणा,पंजाब,राजस्थान व अन्य राज्यों से आए। शिविर के मुख्य न्युरोफिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बतलाया कि मिर्गी से बचाव सम्भव है। देखा गया है कि मिर्गी का मुख्य कारण सिर में चोट लग जाना है। अतः गाड़ी, स्कूटर, मोटरसाइकिल चलाते हुए हैलमेट लगाने से सर की चोट एंव मिर्गी रोग से बचा जा सकता है। इसी तरीके से नवजात शिशु का प्रसव अस्पताल में करने से जन्मजात कई विकृतियों से [illegible]ा जा सकता है। जिससे बच्चों में मिर्गी रोग की कमी हो सकती है। मिर्गी से बचाव सम्भव है। इसी तरीके से आजकल गंदे नाले के पानी से उत्पन्न सब्जी व फल आदि एंव बिना धोए हुई सलाद खाने से मस्तिक में न्यूरोसिस्टी सरकोसिस नाम के रोग से मिर्गी होने से बचा जा सकता है। शिविर में दन्त रोग विशेषज्ञ, उदर रोग विशेषज्ञ, डॉ. रक्षित सुरेका व डॉ. रोहित सुरेका, डॉ.जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. एफएच गौरी, विनोद सुरेका, ताजु खां व मनोज आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2018

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 14 नवंबर 2018

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में दी दवा

रतननगर@पत्रिका. त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को सीएचसी में 296 वां निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। शिविर में 751 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर अतिथि आरएन अरविंद ने फाइट अगेंस्ट एपिलेप्सी जनजागरण रैली को झण्डी दिखाकर रवाना किया एवं प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर शिविर में आरएन. अरविंद ने कहा कि इस प्रकार के शिविर राज्य के विभिन्न जिलों में लगाए जाने चाहिए जिससे मिर्गी रोग के प्रति जनमानस में प्रचलित अंधविश्वास व भ्रांतियां दूर हो सके। न्यूरोफिजीयशन डा. आरके. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग सम्बंधित भ्रांतियां का निवारण करने के लिए विडियों फिल्म दिखाई गई एवं प्रदर्शनी लगाई गई। शिविर में डा. जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. सरीन, डा. रोहित सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, प्रकाश सुरेका, विनोद सुरेका आदि ने सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 14 नवंबर, 2018

मिर्गी रोग भ्रांतियां दूर करने के लिए दिखाई वीडियो फिल्म, प्रदर्शनी और रैली भी निकाली

रतननगर. मिर्गी रोग की भ्रांतियां दूर करने की जागरूकता रैली को रवाना करते अतिथि।

रतननगर | कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट व एपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगाया गया। राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के उपलक्ष में विविध गतिविधियां हुई। शिविर में 751 रोगियों की जांच भी की गई।

सवाई मानसिंह अस्पताल के पूर्व प्रोफेसर डॉ. आरके सुरेका ने मिर्गी रोग के बारे जन जागरण के लिए रोग से संबंधित जानकारी दी। इससे संबंधित भ्रांतियों का निवारण वीडियो फिल्म व प्रदर्शनी से किया गया। पूर्व कलेक्टर आरएन अरविंद ने शिविर का अवलोकन कर डॉ.सुरेका के कार्य की सराहना करते हुए बताया कि इस तरह के कैंप राज्य के विभिन्न जिलों में लगाए जाने चाहिए, ताकि इस रोग के बारे में प्रचलित अंधविश्वास व भ्रांतियों दूर हो सके। इस पूर्व कलेक्टर ने फाइट अगेंस्ट एपिलेप्सी बच्चों की रैली को जनजागरण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मिर्गी रोग भ्रांतियों को हटाने के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। अतिथियों ने आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ.एफएच गौरी, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. रक्षित सुरेका, अशोक सुरेका मौजूद थे।

राजस्थान केसरी
बुधवार
05 दिसम्बर 2018

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

मरीजों की जांच करते डॉ.सुरेका। (छाया: पंजाब केसरी)

पंजाब केसरी/चूरू

रतननगर कस्बे के उप-स्वास्थ्य केन्द्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 24 वर्षों से लगने वाले 297वां नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर में 775 रोगियों को नि:शुल्क दवाईयां वितरित की गई। शिविर के मुख्य न्यूरो फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग केवल भारत में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में पाए जाते है। इस बीमारी को लेकर आमजन में कई भ्रांतियां बनी हुई है। लोगों की इन्ही भ्रांतियों को दूर करने के लिए उन्हें जागरूक बनाने के लिए एक हेल्पलाईन लांच की गई है।

दैनिक नवज्योति

मिर्गी से प्रभावित गर्भवती महिलाएं जी सकती है सामान्य जीवन

महात्मा गांधी अस्पताल में राष्ट्रीय मिर्गी रोग दिवस मनाया

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के मुख्य सलाहकार प्रो. हरि गौतम ने कहा मिर्गी रोग असाध्य नहीं है, इसका उपचार लेने पर रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। यह बात उन्होंने सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल में शुक्रवार को राष्ट्रीय मिर्गी रोग दिवस के अवसर पर आयोजित मिर्गी रोग को जानें नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन और

विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. सुरेका ने कहा मिर्गी दूसरे रोगों की तरह ही एक बीमारी है। जिसका प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर पड़ता है। दौरे की स्थिति के अलावा मिर्गी रोगी सामान्य ही रहता है।

मिर्गी के बारे में अज्ञानतावश ग्रामीण परिवेश के लोग आज के वैज्ञानिक युग में भी जूता सुंघाने, कपूरी प्रभाव या पानी पिलाने के लिए मुंह में चम्मच डालने जैसी गलती किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग से प्रभावित व्यक्ति का सही उपचार कर उसे जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए एपीलेप्सी प्रेगनेंसी रजिस्ट्री महात्मा गांधी अस्पताल में शुरू की गई है जिसमें प्रत्येक शुक्रवार को मिर्गी प्रभावित गर्भवती महिलाओं के मिर्गी रोग का निशुल्क रजिस्ट्रेशन, परामर्श व

राजस्थान पत्रिका

मिर्गी रोगियों के लिए हैल्पलाइन शुरू

जयपुर @ पत्रिका. राष्ट्रीय मिर्गी रोग दिवस पर शुक्रवार को सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल में 'मिर्गी रोग को जानें' प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इसके लिए हैल्प लाइन सेवा भी शुरू की गई। न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी आनुवांशिक तथा संक्रामक बीमारी नहीं है। इसके मरीज का सही उपचार संभव है। मिर्गी से प्रभावित गर्भवती महिलाएं भी सामान्य जीवन जी सकती हैं। डॉ. सुरेका ने इस रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के साथ ही लक्षणों व उपचार के तरीके बताए।

पंजाब केसरी

युवा भारत युवा अखबार

मिर्गी रोग का इलाज संभव है

रैली से दिया आमजन को संदेश

जयपुर। आमजन में मिर्गी रोग को लेकर कई भ्रांतियां बनी हुई है। इन्हीं भ्रांतियों को दूर करने व आमजन को इस रोग के संबंध में जागरूक करने के लिए ऐपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन की ओर से वर्ल्ड ऐपिलेप्सी डे के तहत जनजागृत रैली सेन्ट्रल पार्क से स्टेच्यू सर्किल से निकाली निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को देर रात जागने से मिर्गी के दौरे पड़ सकते है...नींद की कमी व शराब के सेवन से मिर्गी के दौरे पड़ सकते है...मिर्गी रोग का इलाज संभव है..जैसे नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। रैली

को संस्थापक ऐपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष व प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ.आर.के.सुरेका व आई इंडिया के संस्थापक प्रभाकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में आई इंडिया एनजीओ व अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि पास से टीवी बैठकर देखने से मिर्गी के दौरे पड़ सकते है...मिर्गी के जल्द उपचार से दौरों का नियंत्रण संभव है...जैसे स्लोगन के माध्यम से आमजन को मिर्गी के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर सेन्ट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक पर लोगों ने भी मिर्गी रोग के बारे में जाना। रैली में चल रहा जन जागृत वाहन भी आमजन को मिर्गी की जानकारी दे रहा था।

इस मौके पर डॉ.सुरेका ने आमजन को बताया कि लोगों की भ्रांतियों को दूर करने व उन्हें जागरूक करने के लिए फाउंडेशन की ओर से 9610114345 नाम से कॉल नंबर भी जारी किया गया है। इस नंबर के माध्यम से आमजन को मिर्गी रोग की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

city भास्कर

'संभव है मिर्गी का उपचार' दिया रैली से आमजन को संदेश

सिटी रिपोर्टर ▪ आमजन में मिर्गी रोग को लेकर कई भ्रांतियां बनी हुई है। इन्हीं भ्रांतियों को दूर करने व आमजन को इस रोग के संबंध में जागरूक करने के लिए एपिलेप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन की ओर से वर्ल्ड एपिलेप्सी डे के तहत जनजागृत रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सेंट्रल पार्क से स्टेच्यू सर्किल से तक निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को देर रात जागने से मिर्गी के दौर पड़ सकते है..., नींद की कमी व शराब के सेवन से मिर्गी के दौर पड़ सकते है....मिर्गी रोग का इलाज संभव है..जैसे नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2019

दैनिक उद्योग आस-पास
सीकर, बुधवार 02 जनवरी 2019

एक दवाई से मिर्गी का नियन्त्रण संभव- डॉ.सुरेका

चूरू। हर माह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 25 वर्षों से लगने वाला 297 वां निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में जिले के रतननगर कस्बें में भारत वर्ष के 700 मिर्गी रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि अब तक हुए 297 निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में करीब 7000 मरीजों ने 1994 से 2018 तक इस शिविर में लाभ लिया है। इस अनुसंधान के अनुसार पुरूषों में यह बिमारी ज्यादा पाई गई है। करीब 60 प्रतिशत रोगी 11 साल से 30 साल तक की उम्र के थे। ज्यादातर मरीज गांव से आते है। करीब 50 प्रतिशत मरीजों के एक दवाई से ही दौरे नियत्रिंत हो गये है। 30 प्रतिशत मरीजों में दो दवाई से व 18 प्रतिशत मरीजों में 3 या उससे ज्यादा दवाईयों से दौरे नियत्रिंत हुवे। डॉ.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के मुख्य कारण 30 प्रतिशत लोगों में ही मालुम किये जा सकते है। जिनमें की मुख्य कारण सिर में चोट लगना, मिर्गी के लार्वा, मस्तिष्क कका संक्रमण, नसों के गुच्छे व शराब एवं नशे की दवाईयां लेना आदि है। शिविर में डॉ.जयसिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, विनोद सुरेका, ताजु खान आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान किया।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 6 फरवरी, 2019

मिरगी रोग से बचाव के लिए पूरे चेतना शिविर लगाएंगे

रतननगर | राजकीय सामुदायिक स्व[illegible] केंद्र में त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटबल ट्रस्ट की ओर से लगाए जा रहे मिरगी रोगी निदान शिविर में मंगलवार को एसएमएस के पूर्व प्रो. न्यूरो फिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि एपिलेप्सी का इलाज संभव है। हालांकि एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि आज मिरगी रोग के सबसे अधिक शिकार युवा हो रहे है। जिसका कारण बचपन में चोट लगना, जन्मजात विकृतियां, दिमाग में कीड़ों का संक्रमण, दिमाग की टीबी आदि है। यद्यपि अन्य और भी कई कारण है, जिससे एपिलेप्सी होती है। इसी को देखते हुए ट्रस्ट इस वर्ष मिर्गी रोग पर चेतना जागृत करने के लिए प्रदेशभर की स्कूलों में प्रतिमाह जन चेतना शिविर लगाए जाएंगे। जन चेतना कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जीबीवीएम सीनियर सैकंडरी स्कूल में डा.सुरेका ने कहा कि मिरगी रोग अभिशाप नहीं है। इसका इलाज संभव है, लेकिन जागरूकता जरूरी है।

राजस्थान पत्रिका चूरू, बुधवार, 06 फरवरी 2019

मिर्गी रोग के शिकार हो रहे हैं युवा, उपचार से निदान संभव

प्रदेश में आयोजित करेंगे जन चेतना शिविर

रतननगर के एक विद्यालय में आयोजित जन चेतना कार्यक्रम को संबोधित करते डा.आरके सुरेका।

रतननगर. कस्बे की सीएचसी में त्रिवेणीदेवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में ढाई दशक से अनवरत चलने वाले मिर्गी रोगी निदान शिविर के क्रम में मंगलवार को आयोजित शिविर में 715 रोगियों की जांच कर उन्हें एक माह की निशुल्क दवा दी गई। एसएमएस के पूर्व प्रो. न्यूरो फिजीशियन डा. आरके सुरेका ने कहा एपिलैप्सी का इलाज संभव है। हालांकि एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि आज मिर्गी रोग के सबसे अधिक शिकार युवा हो रहे है। जिसका कारण बचपन में चोट लग जाना, जन्मजात विकृतियां, दिमाग में कीड़ों का संक्रमण आदि है। अन्य और भी कई कारण है। जिससे एपिलैप्सी होती है। इसी को देखते हुए ट्रस्ट इस वर्ष मिर्गी रोग पर चेतना जागृत करने के लिए प्रदेशभर की स्कूलों में प्रतिमाह जन चेतना शिविर लगाए जाएंगे। इसी के अंतर्गत कस्बे की गांधी बाल विद्या मंदिर उमावि में मंगलवार को जन चेतना कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डा. सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोग अभिशाप नहीं है। इसका इलाज संभव है लेकिन इसके लिए जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके आस-पास कोई मिर्गी जैसे लक्षण वाला रोगी दिखे तो उसकी वे मदद करें और इलाज के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में आया है कि जब कोई व्यक्ति सक्रिय होता है तो उसे मिर्गी की संभावना कम होती है। इसलिए मिर्गी ग्रस्त कुछ लोगों के लिए टेनिस, बॉस्केटबाल, वॉलीबाल, बैडमिंटन और बैडमिंटन जैसे खेल खेलना चाहिए। मिर्गी रोग के इलाज के लिए नई दवा का विकास हुआ है, जिनमें पूरे दिन की औषधि को एक गोली के रूप में उपलब्ध करवा दिया गया है। शिविर में अशोक सुरेका, विनोद सुरेका, डा.जयसिंह, डा. अभिनव सरीन, डा. रोहित सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, डा. एफएच गौरी, ताजु खां व मनोज आदि ने सेवा दी।

दैनिक युगपक्ष | बीकानेर | बुधवार 6 मार्च 2019 | 6

निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर आयोजित

चूरू। रतननगर के राजकीय चिकित्सालय में श्रीमती त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में रोगियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतवर्ष में एपिलेप्सी 5 से 10 प्रति हजार की संख्या में पाया जाता है। बच्चे, जवान, बुजुर्ग सभी अवस्थाओं में करीब-करीब बराबर संख्या में पाया जाता है। शहर के बनस्पत गांव में इस रोग के प्रति फैली भ्रांतियों एवं अंधविश्वास की वजह से गांव में इसे छिपाने की प्रवृति है। वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन एवं एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के सचिव व मिर्गी रोग के विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ.आर.के सुरेका जो कि रूरल एपिलेप्सी में पिछले 24 वर्षों से चूरू जिले में निःशुल्क प्रतिमाह कैम्प लगाते है जिसमें कि 7000 मरीज पंजीकृत है एवं आज 700 मरीजों को पूरे महीने की दवाईयां एवं निदान निःशुल्क वितरित की गई।

राजस्थान पत्रिका | जयपुर, रविवार, 24 मार्च 2019

मस्तिष्क की तरंगों के कारण शरीर में होने वाला परिवर्तन है मिर्गी का दौरा

मेंटल हैल्थ

मस्तिष्क में कई कोशिकाएं होती है। इनमें तरंगों का संचार होता है। अत्यधिक मात्रा में तरंगें आने से शरीर में होने वाली गति व परिवर्तनों को मिर्गी का दौरा कहते हैं।

कारण: दुर्घटना से मस्तिष्क में गंभीर चोट आना। सिर के बल ऊंचाई से गिरना, तेज बुखार, मस्तिष्क ज्वर, मस्तिष्क में रक्त नलियों की विकृति व पक्षाघात, शराब पीना, रक्त में सोडियम कैल्शियम व शर्करा की असामान्यता। मस्तिष्क में बैक्टीरिया मैनिन जाइटिस होना।

लक्षण व इलाज: शरीर का असामान्य मुड़ना व अकड़ना, होश खो देना, कपड़ों को बार-बार छूना, दांतों, जबड़ों व जीभ को भींचना, मुंह से झाग आना, होश खो देना। मिर्गी का इलाज 3 से 5 साल तक चलता है।

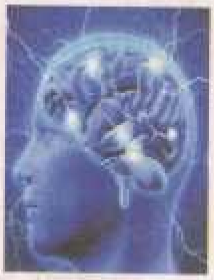

रखें ध्यान

दौरा आने पर मरीज को आराम से लिटाकर कपड़े ढीले करें। खुली हवा में सांस लेने दें। दौरे के समय मुंह में पानी डालने, दवा खिलाने, जबड़े को खोलने, तीव्र गंध सुंघाने का प्रयास न करें।

अन्य सावधानियां

रोगी को तैरने न दें। ड्राइविंग न करें। दुपहिया वाहन में पीछे बैठते समय भी ध्यान रखें। नॉनवेज, तैलीय भोजन न खाएं। फल, हरी सब्जी खाएं व दूध पीएं।

डॉ आर.के. सुरेका
वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट,
महात्मा गांधी अस्पताल

(संदर्भ: मिर्गी व न्यूरोलॉजिकल जागरूकता के लिए 26 मार्च को पर्पल डे मनाते हैं)

दैनिक नवज्योति | जयपुर, बुधवार 08 मई 2019

शिविर में 720 मिर्गी रोगियों को किया लाभान्वित

न्यूज सर्विस/नवज्योति, चूरू

चूरू के निकटवर्ती रतननगर कस्बे में हर माह की भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 25 वर्षों से लगने वाला 301 वां निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 720 मिर्गी रोगियों को निःशुल्क दवाई देकर उपचार किया। न्यूरोफिजीशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर में 7000 रोगियों ने 1994 से 2018 तक कैम्प का लाभ लिया। डॉ.सुरेका ने कहा कि 50 प्रतिशत रोगियों के दौरे एक दवाई से, 30 प्रतिशत रोगियों के दो दवाई एवं 10-20 प्रतिशत के दौरे तीन या ज्यादा दवाईयों से नियंत्रण किए जा सकते है। अतः जनसाधारण में यह गलत भ्रांति है कि मिर्गी का ईलाज महंगा है। ट्रस्ट के चैयरमेन अशोक सुरेकरा ने बताया कि ट्रस्ट की तरफसे आशीष सुरेका मेमोरियल बुक बैंक की स्थापना की गई है। कैम्प डॉ.जग सिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, अशोक सुरेका, विनोद सुरेका व ताजु खां आदि ने सहयोग किया।

दैनिक भास्कर | सीकर, बुधवार 5 जून, 2019

मिर्गी शिविर में 700 रोगी लाभान्वित

रतननगर | राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर लगा। शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 700 रोगियों की जांच कर दवा वितरित की गई। हिदायत दी कि गर्मी के मौसम में मिर्गी रोगी को धूप से बचना चाहिए। कैंप में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव सीरीन, मनोरोग चिकित्सक जयसिंह, डॉ. एफएच गोरी ने रोगियों की जांच की। विनोद सुरेका, ताजू खां, मुकेश सिंह चौहान, निर्मल सैनी, राजेश प्रजापत, अयूब व रफीक ने सहयोगी भूमिका निभाई।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2019

दैनिक उद्योग आस-पास
सीकर, बुधवार 03 जुलाई 2019

नियमित दवा लेने से मिर्गी रोग से पाई जा सकती है मुक्ति -सुरेका

303 वां निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ

चूरू। श्रीमती त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रतननगर के राजकीय अस्पताल में आयोजित 303वें निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में सात सौ रोगियों की जांच कर उन्हें एक माह की निशुल्क दवा दी गई। शिविर में मुख्य चिकित्सक न्यूरोफिजिशियन डा.आर के सुरेका ने बताया कि अब तक 297 निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविरों में करीब सात हजार रोगी लाभान्वित हुए हैं। 1994 से अनवरत चल रहे मिर्गी रोग शिविरों के माध्यम से अनेक रोगी मिर्गी से मुक्त होकर सामन्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बताया कि अनुसंधान के अनुसार पुरुषों में यह बीमारी ज्यादा पाई गई है। जिनमें 60 प्रतिशत रोगी ग्यारह साल से 30 साल तक की उम्र के थे। उन्होंने बताया कि अधिकर मरीज गांव से आते हैं, जिनमें 50 प्रतिशत मरीजों के एक दवाई ही से दौरे नियंत्रित हो गए। 30 प्रतिशत रोगी दो दवाई से और 18 प्रतिशत रोगी में तीन या उससे अधिक दवाईयों से दौरे नियंत्रित हुए। डा.सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के मुख्य कारण 30 प्रतिशत लोगों में ही मालुम किए जा सकते हैं। जिनमें मुख्य कारण सिर में चोट लगाना, मिर्गी लार्वा, मस्तिष्क संक्रमण, नसों में गुच्छे एवं शराब या नशे की दवाई लेना आदि रहा। शिविर में डा.जयसिंह, डा. एफएच गौरी, डा. सरीन, विनोद सुरेका, अशोक सुरेका व ताजू खान आदि ने सेवाएं दी।

दैनिक भास्कर सीकर, बुधवार 7 अगस्त, 2019

मिरगी जांच शिविर में 700 रोगी लाभान्वित

रतननगर | राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से निशुल्क मिरगी रोग जांच व परामर्श शिविर लगाया गया। डॉ. एनके सुरेका ने 700 रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। शिविर में डॉ. एफएच गोरी, डॉ. अभिनव सरिन, मनोरोग चिकित्सक जयसिंह आदि ने रोगियों की जांच कर परामर्श दिया।

दैनिक अंबर बुधवार 07 अगस्त, 2019

शिविर में 700 रोगियों को किया लाभाविन्त

दैनिक अंबर

चूरू(नि.सं.)। रतननगर में सुरेका चेरिटेकल ट्रस्ट की ओर से आयोजित 304 वां निन्शुल्क मिंगी निदान शिविर में 700 रोगियों को निन्शुल्क दवा वितरित की गई। शिविर प्रभारी चिकित्सक न्युरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने बताया अब तक लगाये गये शिविरों में निन्शुल्क मिर्गी निदान शिविर में 7000 मरीजों ने 1994 से 2019 तक इस कैम्प में लाभ लिया। इस शिविर में ज्यादा रोगी 11 से 30 साल तक की उम्र के थे।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 07 अगस्त 2019

शिविर में 700 रोगी लाभान्वित

रतननगर. कस्बे चिकित्सालय में सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 700 रोगियों को निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर प्रभारी न्युरोफि जिशियन डा आरके सुरेका ने बताया कि 1994 से 2019 तक अब तक लगाए गये शिविरों में 7000 मरिजों ने लाभ लिया। इस शिविर में ज्यादा रोगी 11 से 30 साल तक की उम्र के थे। शिविर में डा जयसिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, विनोद सुरेका, ताजु खांन, मुकेश सिंह आदि ने सहयोग किया।

दैनिक उद्योग आस-पास

सीकर बुधवार, 04 सितम्बर 2019

निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में रोगियो कि जांच

चूरू। हर माह कि भांति त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में पिछेले 25 वर्षों से लगने वाला 307वा निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर चुरू जिले के रतननगर कस्बे में आज सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में भारत वर्ष के कोने कोन से मिर्गी रोगी प्रतिमाह आते है। एंव उनके निदान कर इस बार 720 रोगियों को एक महीने की पुर्ण दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्युरोफिजिशियन डा. आर के सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग का मुख्य कारण सर में चोट लगना होता है। इससे बचने के लिए वाहन चलाने वक्त हेलमेट का प्रयोग करना जिससे कि सडक दुघर्टना से सर में चोट नही लगेगी। उसी तरह बच्चे के जन्म के समय, बच्चे को सास नही आने से कारण मिर्गी रोग जन्म से ही जो जाता है। इससे बचने के लिए स्त्रिओं को अस्पताल में ही डिलिवरी करानी चाहिए। डा. सुरेका ने आगे बताया कि किर्मी के कीडों से दिमाग में गांठ हो सकती है। जिससे कि दौरे सलाद, सब्जियों व फल खाने से हो सकती है। अतः मिर्गी से बचने के लिए फलों और सब्जियों को धोकर खाना चहिए। इस कैम्प में डा. जयसिंह, डा. सरीन, डा. गौरी, डा. रोहित, सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, ताजु खान आदि ने सहयोग किया।

जागरूक टाइम्स

जयपुर, बुधवार, 2 अक्टूबर 2019

शिविर में 730 रोगियों को लाभान्वित किया

[illegible]

[illegible]

दैनिक जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार, 02 अक्टूबर 2019

शिविर में 730 रोगियों को किया लाभाविन्त

[illegible]

[illegible]

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2019

दैनिक भास्कर
सीकर, बुधवार, 06 नवम्बर 2019

715 रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा दी

चूरू. निशुल्क मिर्गी रोग शिविर को संबोधित करते डॉ. एफएच गौरी।

भास्कर न्यूज | रतनगढ़

त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से कलेक्टर संदेश नायक के आतिथ्य में मिर्गी रोग निदान शिविर व जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस दौरान 715 रोगियों को एक माह की निशुल्क दवाएं दी गई। एपिलैप्सी केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन की तरफ से मिर्गी रोग से पीड़ित बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई। कार्यक्रम में डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि उचित इलाज मिलने व समय पर दवाएं लेने से मिर्गी रोग के मरीज जल्द ही स्वस्थ हो जाते है। इसके बाद बच्चों ने फाइट अगेंस्ट एपिलैप्सी जागरूकता रैली निकाली। इस अवसर पर अशोक सुरेका, प्रकाश सुरेका, प्रधानाध्यापक नारायण सैनी, संपत सैनी, ताजू खान, पवन कुमार, डॉ. एफएच गौरी, डॉ.जयसिंह, डॉ.रोहित, डॉ. अखिल सुरेका आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 06 नवम्बर 2019

मिर्गी रोग के बारे में फैली भ्रांतियों से अवगत कराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

रतननगर. कस्बे की सौरुखी में में एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

मुख्य अतिथि जिला कलक्टर संदेश नायक थे। इस अवसर पर मिर्गी रोग को जानिए नामक एक प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें मिर्गी के बारे में प्रचलित भ्रांतियों व संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मिर्गी रोग से ग्रसित बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई एवं बच्चों को पुरस्कार वितरित किये गये। जिला कलक्टर संदेश नायक ने फाइट अगेंस्ट एपिलेप्सी नामक एक रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिला कलक्टर संदेश नायक ने मिर्गी रोग के बारे में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने की बात कही। डॉ. आरके सुरेका ने कहा कि एपिलेप्सी का इलाज संभव है।

चूरू. प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते जिला कलक्टर संदेश नायक व डा.आरके सुरेका।

समाचार जगत
चूरू, बुधवार, 06 नवम्बर 2019

मिर्गी रोग दैवीय प्रकोप नहीं : जिला कलक्टर

दैनिक अंबर
चूरू, बुधवार, 04 दिसम्बर 2019

शिविर में 730 रोगियों को किया लाभान्वित

दैनिक अंबर

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2020

राजस्थान पत्रिका
चूरू, बुधवार, 08 जनवरी 2020

निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर

रतननगर. कस्बे की सीएचसी में मंगलवार को त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 314वां निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 750 मिर्गी रोगियों को निशुल्क दवा दी गई। मुख्य चिकित्सक डॉ. सुरेका ने बताया कि इस मौके पर डॉ जयसिंह, डा अभिनव सरिन, डॉ एफएच गौरी, विनोद सुरेका, डा रोहित सुरेका, डॉ रक्षित आदि मौजूद थे।

राजस्थान पत्रिका
चूरू, गुरुवार, 06 फरवरी 2020

शिविर में 730 रोगियों को किया लाभान्वित

चूरू. रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 310 वां निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 730 रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में न्यूरोफिजिशियन डॉ.आरके सुरेका ने 80 फीसदी मिर्गी रोगियों का उपचार 1 या 2 दवाइयों के नियमित सेवन से हो सकता है। दवाईयां लम्बी चलती हैं। अगर मरीज दवाईयां 3-5 वर्ष तक लगातार ले और उसे एक भी दौरा नहीं आए तो यह देखा गया है कि 60-70 फीसदी रोगी पूर्ण ठीक हो जाते हैं। डॉ.सुरेका ने बताया कि 80 फीसदी रोगियों के दौरे दवाईयों से ही नियंत्रित किए जा सकते हैं। केवल दस बीस फीसदी रोगियों को दौरे जो अनियंत्रित रहते हैं। शिविर में डॉ.जय सिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, डॉ.रोहित सुरेका, डॉ.रक्षित सुरेका, आशीष सुरेका व राजू खान आदि ने सहयोग किया।

दैनिक नवज्योति
चूरू, गुरुवार, 09 जनवरी 2020

मिर्गी के 750 रोगियों ने शिविर का लाभ उठाया

न्यूज सर्विस/नवज्योति, चूरू

त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में गत 26 वर्षों से लगने वाला 314वां निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर रतननगर में संपन हुआ। शिविर में देश के कोने-कोने से आए 750 रोगियों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में मुख्य चिकित्सक न्यूरोफिजिशियन डा. आरके सुरेका ने बताया कि अनुसंधान के अनुसार पुरूषों में यह रोग महिलाओं से अधिक होता है। वहीं 60 प्रतिशत रोगी 11 साल से 30 साल तक की उम्र के होते है। इस मौके पर डा. जयसिंह, डा. अभिनव सरिन, डा. एफएच गौरी, विनोद सुरेका, डा. रोहित सुरेका, डा. रक्षित आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर
जयपुर, मंगलवार, 11 फरवरी 2020

नई तकनीक से मिर्गी रोग का इलाज सरल

सिटी रिपोर्टर | एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के तत्वाधान में सोमवार को स्वास्थ्य कल्याण चिकित्सा संस्थान के सभागार में इंटरनेशनल एपिलेप्सी दिवस मनाया गया। अन्तराष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर वरिष्ठ न्यूरोफिजिशियन एवं लिम्बा बुक रिकार्ड होल्डर व गिनिज बुक रिकार्ड होल्डर डॉ. आर.के. सुरेका जो कि रूरल एपिलेप्सी में पिछले 25 वर्षों से चुरू जिले में निःशुल्क प्रतिमाह कैम्प लगाते हैं का कहना है कि आजकल मिर्गी रोग का निदान व इलाज नई तकनीकी विकास की वजह से बहुत सरल हो रहा है। आजकल मोबाईल फोन पर ऐसे एप्स उपलब्ध है जिनकी सहायता से मिर्गी रोग का निदान आसानी से किया जा सकता है।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2020

राजस्थान पत्रिका

चूरू, गुरुवार, 05 मार्च 2020

डॉ.सुरेका ने 782 रोगियों को किया लाभान्वित

चूरू. त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 316 वां निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर रतननगर कस्बे में हुआ। डॉ.आरके सुरेका ने 782 रोगियों का उपचार कर निशुल्क दवा वितरित की। कैम्प में डॉ.जय सिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, विनोद सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ.रोहित सुरेका, डॉ.रक्षित सुरेका व कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार, 04 मार्च 2020

चिकित्सा शिविर में 782 रोगी लाभान्वित

चूरू | रतननगर में त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को मासिक निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 782 रोगियों को उपचार कर निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में डॉ. आरके सुरेका, डॉ.जय सिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.एफएच गौरी, विनोद सुरेका, प्रकाश सुरेका, डॉ.रोहित सुरेका, डॉ.रक्षित सुरेका व कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान पत्रिका

चूरू, सोमवार, 01 जून 2020

निशुल्क दवाई वितरण 2 जून को

चूरू. कोरोना महामारी के चलते मिर्गी रोग से पीड़ित मरीजों की सेवार्थ रतननगर चिकित्सालय में 2 जून को निशुल्क दवाई वितरित की जाएगी। सुबह 9 बजे से त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मिर्गी रोग विशषज्ञ दवाई का वितरण करेंगे। उन्होंने इस दौरान मास्क और सोशयल डिस्टेंस का पालन करने की भी अपील की है।

दैनिक भास्कर

सीकर, बुधवार, 01 जुलाई 2020

जन्मभूमि से लगाव में मरीजों की सेवा ही बन गया फर्ज

राष्ट्रदूत

जयपुर, बुधवार, 08 जुलाई 2020

मिर्गी रोग शिविर का आयोजित

चूरू, (का. सं.)। निकटवर्ती रतननगर कस्बे में लंबे अर्से से लग रहे मिर्गी रोग निदान शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर डॉ आरके सुरेका व स्वंयसेवक ग्रुप के सदस्यों ने मिर्गी रोगियों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवा वितरित की। शिविर के दौरान डॉ. सुरेका ने कहा कि कोरोना महामारी राजस्थान के साथ-साथ पूरे देश में तेजी से फैल रही है। इसके संक्रमण के चलते दूसरी बीमारियों का इलाज मुश्किल हो रहा है। ऐसे वातावरण में निर्धन गरीब मरीज मिर्गी रोग के इलाज के लिए चिकित्सक से परामर्श नहीं ले पा रहे है। शिविर में डॉ. एफएच गौरी, प्रकाश सुरेका, डॉ. रक्षित सुरेका, ताजू खान, मनोज व मास्टर रफीक आदि ने सहयोगी भागीदारी निभाई।

समाचार –पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2020

चूरू पत्रिका

सादुलपुर, सुजानगढ़, रतनगढ़, सरदारशहर, बीदासर, तारानगर, लाडनूं

मिर्गी रोगियों को मास्क वितरित

चूरू. केयर रिसर्च फाउण्डेशन के तहत लगने वाला मासिक निशुल्क मिर्गी निदान शिविर रतननगर में आयोजित किया गया। इसमें 480 रोगियो का परामर्श कर निशुल्क दवाई वितरित की गई। डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों को मास्क वितरित किए गए। इस दौरान एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें मिर्गी रोग के बारे में फैली हुई भ्रांतियो को दूर किया गया। उन्होंने कहा कि मिर्गी रोग आने पर मुंह में पानी नही डालना चाहिए। इस कैम्प में डॉ. जयसिंह, डॉ. एफएच गौरी, डॉ. अभिनव सरीन, प्रकाश सुरेका, ताजु खां, मनोज आदि ने सहयोग किया।

जन्मभूमि से लगाव में मरीजों की सेवा ही

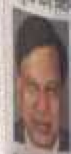

युगपक्ष

शिविर में 592 रोगियों को किया लाभान्वित

चूरू। रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ.आर.के. सुरेका ने 592 रोगियों की जांच कर एक महीने की निशुल्क दवा वितरित की गई। मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ.आर.के. सुरेका ने बताया कि हाल ही में मिर्गी रोगियों पर किये गए अध्ययन में यह पाया कि मरीजों के दौरे नियंत्रित नहीं होने के निम्न कारण है, जिसमें सर्वप्रथम मिर्गी रोगी का नियमित रूप से दवाईया न लेना, जिसके कई कारण पाए गए जैसे की गांवो में दवाइयों की अनुपलब्धता, दवाई होते हुये भी न लेना, दवाइयों से होने वाले हानिकारक प्रभाव से भय, दवाइयों को लेने के लिए पैसे न होना, दवाइयों को नियमित लेने के महत्व को न समझना। डॉ.सुरेका ने इस अवसर पर सभी मरीजों को समझाने की कोशिश की कि नियमित रूप से दवाइयां लेने के दौरे 70 प्रतिशत मरीजों में पूरे ठीक हो जाते है। बाकी मरीजों में भी बहुत कम हो जाते है। अतः मिर्गी पर विजय का मूलमंत्र है, नियमित दवाई का सेवन। इस अवसर पर डॉ.एफ.एच. गौरी, डॉ.जयसिंह, डॉ.अभिनव सरीन, डॉ.रक्षित सुरेका, प्रकाश सुरेका, ताजू खां व मनोज आदि सहयोग प्रदान किया।

सीमा किरण

भ्रांतियों से बचें, मिर्गी रोगी को दें सही उपचार : डॉ. सुरेका

चूरू (मदन मोहन आचार्य)। हर माह की भांति केयर रिसर्च फाउण्डेशन के तहत लगने वाला मासिक निशुल्क मिर्गी निदान शिविर मंगलवार को यहां रतननगर में सम्पन्न हुआ। शिविर में 480 रोगियों का परामर्श कर निशुल्क दवाई वितरण की गई। इसके मुख्य न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों को आज राष्ट्रीय मिर्गी दिवस जो कि 17 नवंबर को होता है, के अवसर पर सभी मिर्गी रोगियों को मास्क वितरित किये गये एवं एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मिर्गी रोग के बारे में फैली हुई भ्रांतियो को दूर किया गया एवं रोग की अवस्थाये निदान व उपचार के बारे में बताया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरा आने पर जूते, प्याज नहीं सुंघाना चाहिए। मुंह में पानी नहीं डालना चाहिए व देवी देवताओं का असर नहीं मानना चाहिए बल्कि उनके कपड़े ढीले कर कर मुह को करवट देकर एक तरफलेटा देना चाहिए एवं मुह से आते हुये झाग पोंछ देना चाहिए। थोड़ी देर में मरीज को स्वयं होश आ जाता है, तब उसे चिकित्सक को दिखाना चाहिए। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोग न तो भूत का असर है न ही ऊपरी हवा का असर है जबकी यह तो मस्तिष्क का रोग है। जिसको तीन साल तक बिना एक बार भी छोड़े हुये दवा लेने पर मरीज पूरा ठीक हो जाता है। इस अवसर पर मरीजों को रोग के सम्बन्ध में एक ज्ञानवर्धन पुस्तीका का वितरण किया गया। इस कैम्प में डॉ. जयसिंह, डॉ. गौरी, डॉ. सरीन, प्रकाश सुरेका जी, ताजु खां, मनोज आदी ने सहयोग किया।

समाचार –पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2021

349 Sample received in state : 6,99,326
Sample negative : 6,80,233

30% epileptic patients reported more seizures during pandemic, says study

This Has Been Mainly Due To Fear & Anxiety Over Covid-19

Jaipur: Anxiety levels among epileptic patients during the pandemic have gone up leading to increase in seizures during the lockdown period. This has been mainly due to fear of Covid-19, and despite being assured that they were not infected, they continued to be anxious, revealed a study by city-based neurologists.

Rampal (name changed), a 50-year-old epileptic patient from Churu, called his neurologist in Jaipur expressing fear of getting infected. He did not have any symptoms, but the anxiety caused frequent seizures. His doctors counselled him to make him believe that he is not infected.

When the city-based neurologists investigated further to find out if other epileptic patients were facing the same, they found that Rampal was not the only one, there were other epileptic patients who complained of the same problem.

The stress of pandemic induces sleep deprivation and lifestyle changes and can make a person prone to seizures, says the study titled 'Impact of COVID-19 on people suffering with epilepsy' by the neurologists Dr RK Sureka and Dr Medha Gupta and psychiatrist Dr Vikas Garg.

The pandemic had affected epileptic patients and increased seizure frequency, depression, anxiety, unemployment and financial difficulty in obtaining medication, the report added.

"We found that 33.8% patients were worried about getting infected and could not stop thoughts coming and bothering them. Around 36.8% of patients were afraid of the ailment and 15.8 % thought that they had been infected by corona despite being reassured by other people," Sureka said.

The study shows that 30.3% patients had increased seizure frequency during the pandemic. Majority of the patients (72.9%) had consulted their doctors by going to hospitals and only 30% patients had used telemedicine facility to consult. Around 55.3% patients also reported to have faced problems in obtaining medicine due to lack of money. More than 40% of patients were afraid of going to hospital and had faced difficulties in reaching hospitals.

As many as 132 patients suffering with epilepsy participated in the study. Majority (67.7%) of patients was unemployed and 60.4% cases were from low socioeconomic class with 30% patients with income of less than Rs 5,000 per month.

During the study, it was found that all the epileptic patients had heard about coronavirus and was acquainted with its symptoms.

VARIOUS KINDS OF SYMPTOMS

- Coronavirus has caused a psychological crisis but investigators were not able to observe any significant effect of the epidemic on epileptic patients
- Around 17-22% of patients reported depression symptoms while another 20-22% showed anxiety symptoms
- Overall, around 25 (18.9%) participants admitted that epidemic has negatively affected their personal, social and occupational life
- Epilepsy is one of the most common problems in neurology clinical practice

Awareness drive on coronavirus begins

Jaipur: At a time when the state government has stepped up measures to prevent spread of Covid-19, it launched a state-wide awareness campaign on Sunday for prevention and treatment. The campaign will conclude on June 15. Various activities have been started at district level across the state, including villages and colonies, so that people understand the precautions to be taken to ward off the risk of infection. The campaign has been started to reach every doorstep. It will be conducted with the help of anganwadi workers, auxiliary nurse midwives, ASHA workers, gram sevaks, patwari and public representatives. The objective is to ensure that people follow the protocol, particularly after the restart of various commercial and other activities in the state. Meanwhile, the Bharatpur district administration flagged off 'Corona bachao nature walk' (nature walk for preventing Covid-19) at Keoladeo National Park. TNN

राजस्थान

जागरूक टाइम्स
जयपुर, शुक्रवार, 26 मार्च, 2021

मिर्गी रोगियों के लिए इलाज मुश्किल नहीं: डॉ. सुरेका

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। इंडियन ऐपिलेप्सी एसोसिएशन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष व ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने के लिए गिनीज बुक रिकॉर्ड होल्डर डॉ.आर के सुरेका ने 25 मार्च को मनाए जाने पर्पल दिवस के एक दिन पूर्व अपने अनुभव साझा किए। राजस्थान मेडिकल जर्नल में हाल ही में उनके द्वारा किए गए शोध में उन्होंने बताया कि 6993 मिर्गी रोगियों का अध्ययन उन्होंने 1994 से अब तक चूरू जिले के रतन नगर गांव में किया जिसमें यह पाया गया कि 70 प्रतिशत रोगी 30 वर्ष से कम आयु के थे। महिलाओं की अपेक्षा यह रोग पुरुषों में अधिक पाया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस रोग से ग्रसित 40 फीसदी अपने रोग के बारे में सबसे पहले चिकित्सक को ना दिखाकर जादू टोने वाले तांत्रिक,झोलाछाप वालों व आयुर्वेद वैद्य को दिखाया व 40 फीसदी रोगियों ने 3-10 वर्षों तक दौरा आने के बाद उपचार नहीं किया। इस अनुसंधान में यह निकलकर के सामने आया कि लोगों को निरक्षर रोग के बारे में जानकारी की कमी व गरीबी की वजह से सब हुआ। यह भी देखा गया कि केवल 40 प्रतिशत रोगी ही विवाहित थे क्योंकि मिर्गी रोगियों में विवाह से संबंधित कई गलत धारणाएं प्रचलित है। इस शोध में यह भी समाने आया कि करीब 50 प्रतिशत मरीज एक ही दवाई व 40 फीसदी रोगी दो दवाई से ठीक हो जाते हैं। डॉ.सुरेका ने बताया कि गांवों में बड़ी जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं होती है और न ही विशेषज्ञ उपलब्ध होते है,इन गांवों में ही 1 या 2 दवाई से उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगियों का 1 दवाई लेने का खर्चा 97 रूपए प्रतिमाह व दो दवाई लेने का खर्चा 321 रूपए प्रतिमाह आता है,जो कि गरीब से गरीब वहन कर सकता है। पर्पल दिवस के अवसर पर डॉ.सुरेका ने बताया कि यह अनुसंधान दिखाता है कि एक या दो दवाई से 80 फीसदी रोगियों का इलाज संभव है। मिर्गी रोगी 100 रूपए प्रतिमाह की दवाई से अपना इलाज करवाकर इस मिर्गी रोग से निजात पा सकता है।

राजस्थान

जागरूक टाइम्स
जयपुर, बुधवार, 3 फरवरी, 2021

मिर्गी अभिशाप नहीं, निदान संभव

चूरू। त्रिवेणी देवी सुरेका चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रति माह लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर 324 वां मंगलवार को रतननगर में सम्पन्न हुआ। शिविर में करीब 551 मरीजों को निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई। शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि आज विश्व मिर्गी दिवस के अवसर पर एक मिर्गी रोग को लेकर फैली हुई भ्रांतियों एवं उनको दूर करने के तरीकों पर व मिर्गी रोग के नवीनतम उपचार पर पोस्टरों के माध्यम से एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। एपिलेप्सी केयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन एवं इंडियन एपिलेप्सी असोसिएशन के जयपुर चेप्टर की तरफ से मिर्गी रोगियों के लिए एक फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें कलाकारों द्वारा फिल्म में एक्ट करके मिर्गी रोग की प्रचलित भ्रांतियों एवं दूर करने के तरीकों को फिल्म के माध्यम से दिखाया गया। डॉ. आर के सुरेका ने मिर्गी रोगियों को यह संदेश दिया कि मिर्गी रोग अभिशाप नहीं है, इसमें लम्बे व नियमित इलाज से मिर्गी रोगी पूर्ण रुप से ठीक हो सकते है। आजकल बहुत सारी नई औषधियां एवं शल्य चिकित्सा मिर्गी रोग के लिए उपलब्ध है एवं मिर्गी रोगी को घबराना नहीं चाहिए। शिविर में डॉ. अजयसिंह, डॉ. गौरी, डॉ. सतीश, डॉ. रश्मि सुरेका, ताजू खान एवं अन्य लोगों ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2021

तेज

स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. सुरेका की सेवाएं सराहनीय: वर्मा

जिला कलेक्टर
श्री सांवरमल वर्मा द्वारा
मिर्गी निदान शिविर नं. 322 दिनांक: 6 जुलाई 2021
का उद्घाटन व गरीब मरीजों
को 1 माह का फ्री अनाज वितरण

युगपक्ष

शिविर में 592 रोगियों को किया लाभान्वित

दैनिक जलतेदीप

स्वास्थ्य के क्षेत्र डॉ. सुरेका की सेवाएं सराहनीय : वर्मा

जलतेदीप, प्रेबि, चूरू। कोरोना की स्थिति कुछ नियंत्रण में आते ही रतननगर में प्रतिमाह त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट सुरेका ट्रस्ट की ओर से होने वाला मिर्गी निदान शिविर मंगलवार को संपन्न हुआ। शिविर में 425 रोगियों को पूरे माह की निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। जिला कलक्टर सांवर मल वर्मा ने शिविर का अवलोकन किया और यहां की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की।

राजस्थान जागरूक टाइम्स
जयपुर, बुधवार, 7 अप्रैल, 2021

गरीब मिर्गी रोगियों के लिए भी इलाज मुश्किल नहीं : डॉ.सुरेका

निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 593 रोगी लाभावित

जागरुक टाइम्स संवाददाता

चूरू। रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान शिविर में न्यूरोजिलिस्ट डॉ.आरके सुरेका ने 593 रोगियों को जांचकर व निशुल्क दवा देकर लाभाविन्त किया। इण्डियन ऐपलेप्सी एसोसिएशन जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष व ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने के लिए गिनीज बुक रिकॉर्डधारी डॉ.आरके सुरेका ने 25 मार्च को मनाये पर्पल दिवस के एक दिन पूर्व अपने अनुभव साझा किये। डॉ.सुरेका ने बताया कि गांवों में बड़ी जांच सुविधा उपलब्ध नहीं है। 1 या 2 दवाई से उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगियों का एक दवाई लेने का खर्चा 97 रूपये प्रतिमाह व दो दवाई लेने का खर्चा 321 रूपये प्रतिमाह आता है जोकि गरीब से गरीब वहन नहीं कर सकता है। पर्पल दिवस के अवसर पर डॉ.आरके सुरेका ने बताया कि यह अनुसंधान दिखाता है कि एक या दो दवाई से 80 प्रतिशत रोगियों का इलाज संभव है। मिर्गी रोगी 100 रूपये प्रतिमाह की दवाई से अपना इलाज करवाकर इस मिर्गी रोग से निजात पा सकता है। इस अवसर पर डॉ. एफएच गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. अभिनव सरीन, डॉ. रक्षित सुरेका, श्रीप्रकाश सुरेका, ताजु खान, मनोज शर्मा व अन्य लोगों ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
वर्ष 2021

राजस्थान
जागरूक टाइम्स
जयपुर, सोमवार, 31 मई, 2021

निशुल्क मिर्गी निदान शिविर 6 जुलाई को

चूरू। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में लगाये जाने वाले मासिक निशुल्क मिर्गी निदान शिविर के संदर्भ में ट्रस्ट के चेयरमैन व मुख्य चिकित्सक डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि शिविर 6 जुलाई मंगलवार को रतननगर में लगेगा। डॉ. सुरेका ने कहा कि मिर्गी रोगी अपनी दवाई बन्द न करें अन्यथा दौरे पड़ सकते हैं। मिर्गी रोगी कोरोना से लड़ने के लिए वैक्सीन का टीका जरूर लगवाएं।

दैनिक सीमा किरण
हमेशा एक कदम आगे
स्थापित : 1981
श्रीगंगानगर, बुधवार, 07 जुलाई 2021

स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. सुरेका की सेवाएं सराहनीय : वर्मा

चूरू (मदन मोहन आचार्य)। कोरोना की स्थिति कुछ नियंत्रण में आते ही रतननगर में प्रतिमाह त्रिवेणीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट सुरेका ट्रस्ट की ओर से होने वाला मिर्गी निदान शिविर मंगलवार को संपन्न हुआ। शिविर में 425 रोगियों को पूरे माह की निश्शुल्क दवाएं वितरित की गई। जिला कलक्टर सांवर मल वर्मा ने शिविर का अवलोकन किया और यहां की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की। इस मौके पर जिला कलक्टर ने शिविर में हो रहे कोरोना प्रोटोकॉल पालन के लिए आयोजकों की सराहना की और कहा कि पिछले कुछ समय में हमने देख लिया कि स्वास्थ्य व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा काया निरोगी नहीं हो तो सारी सुविधाएं और सुख महत्वहीन हो जाते हैं। ऐसे में जरूरत है कि हम सभी अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक हों। इस दौरान उन्होंने आयोजक संस्था और डॉ आर के सुरेका की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा का दृष्टिकोण लेकर लोगों के सुस्वास्थ्य के लिए इस तरह का योगदान निस्संदेह सराहनीय है। उन्होंने मिर्गी रोगियों से अपील करते हुए कहा कि यदि डॉक्टर के द्वारा बताए गए प्रोटोकॉल को फॉलो किया जाता है तो मरीज के ठीक होने की संभावना काफी अच्छी रहती है। हमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं रखनी चाहिए। कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोगियों के लिए पिछले 27 वर्षों से निःशुल्क शिविर लगाकर मुफ्त दवाएं वितरित की जा रही हैं। उनका नाम इस कार्य के लिए लिम्का बुक और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। भारतीय एपिलेप्सी एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डॉ सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के बारे में प्रचलित बहुत सी भ्रांतियां हैं, जिनको दूर करके मिर्गी रोग पर विजय पाई जा सकती है। इस अवसर पर 200 निर्धन मिर्गी रोगियों को 15 दिन का राशन पूरे परिवार के लिए निःशुल्क वितरित किया गया। सभी मिर्गी रोगियों को कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 100 मरीजों को वैक्सीन लगाई गई। शिविर में चूरू पीएमओ डॉ. एफ.एच. गौरी, डॉ. जयसिंह, डॉ. सतीन, डॉ. रक्षित सुरेका, प्रकाश सुरेका, राहुल मीणा महासभा जिलाध्यक्ष किरोड़ीमल मीना, राजू खान, मनोज आदि ने सहयोग किया। इस अवसर पर रतन नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जयपुर
महानगर टाइम्स

नियमित दवाई से मिर्गी का इलाज सम्भव : डा. सुरेका

महानगर संवाददाता

रतननगर। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 332 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 547 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज में सबसे मुख्य बात नियमित रूप से इलाज लेना है क्योंकि मिर्गी रोग का इलाज लम्बे समय तक चलता है, करीब तीन से पाँच साल तक चलती है। अगर मरीज इलाज के दौरान दवाइयों को अपने मन से बंद या कम कर देता है तो उसे वापस से दौरे आने की सम्भावना बढ़ जाती है और दौरे आने के बाद इलाज फिर से तीन से पाँच साल के लिए बढ़ सकती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाईयां डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक चूके बिना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे न पड़े इसलिए रोगी को नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम छह घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और न ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि यदि मिर्गी रोगी को मिर्गी के इलाज के दौरान कोई अन्य बिमारी जैसे सर्दी, खांसी, जुकाम, दमा या अन्य कोई बिमारी हो जाए तो भी उसे मिर्गी की दवाईयां नियमित रूप से लेनी चाहिए। अत्यधिक तनाव एवं नशे का सेवन भी मिर्गी रोगी को दौरे पड़ सकते है। इसीलिए मिर्गी रोगी को नशे के सेवन से बचना चाहिए। इस अवसर पर 71 पैर के रोगियों का भी निदान कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
अक्टूबर-नवम्बर 2021

राजस्थान पत्रिका patrika.com

दैनिक भास्कर

मिरगी रोग जांच-निदान शिविर में 450 मरीज हुए लाभान्वित

दैनिक भास्कर

450 मिर्गी रोगियों की जांच, निशुल्क दवा दी

राजस्थान पत्रिका patrika.com

दैनिक भास्कर

लक्ष्मणगढ़ में शिविर • न्यूरोफिजिशियन डॉ. सुरेका ने शिविर में रोगियों की जांच कर परामर्श दिया

शिविर में 520 मिर्गी रोगियों की जांच की, निशुल्क दवा दी

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
दिसम्बर 2021

राजस्थान पत्रिका patrika.com

हैल्थ

झाड़-फूंक का रोग नहीं मिर्गी, इलाज लें

इसलिए पड़ते हैं दौरे

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 17 नवंबर

दौरे पर यह करें

यह न करें

-डॉ. आर. के. सुरेका, न्यूरोफिजिशियन, जयपुर

महात्मा गांधी अस्पताल : मिर्गी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

05 राजस्थान पत्रिका patrika.com

महात्मा गांधी अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम

मिर्गी रोग अभिशाप नहीं, संभव है इलाज

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
जनवरी 2022

देश का सबसे मतिमंद अखबार

तीसरी आँख की ज्वाला

विवाह कर सकते है मिर्गी रोगी-डा. सुरेका

तीसरी आंख की ज्वाला

चूरू। पिछले 27 सालो से माह के पहले मंगलवार को लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर आज रतन नगर जिला चुरु में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में यह 328 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 506 मरीजो के इलाज कर पुरे माह की दवाई नि:शुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने मिर्गी रोग से ग्रसित महिलाओ कि समस्या पर ध्यान देते हुए बताया कि जो महिलाए मिर्गी रोग से ग्रसित होती है उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता परन्तु विवाह के समय यह समस्या कई मुश्किले पैदा करती है। इसलिए विवाह के समय मिर्गी रोग के परिवार वाले वर पक्ष से इस समस्या को छुपाने का प्रयास करते है जो की उचित नही होता है क्योंकि यह लड़की के आगामी जीवन को प्रभावित करती है। इस प्रकार की समस्या को समाज से हटाने के लिए हम सब को मिलकर समाज को जाग्रत करना होगा और लोगो को बताना होगा कि जो महिलाए इस रोग से ग्रसित होती है वो भी एक सामान्य महिला कि तरह ही विवाह कर अपना घर बसा सकती है, वो गर्भधारण कर सकती है, अपने बच्चे को जन्म दे सकती है और दुध पिला सकती है। मिर्गी रोग का वैवाहिक जीवन पर कोई ज्यादा असर नही होता है। बस महिला को गर्भावस्था के दौरान फोलिक एसिड की दवाई जरुर लेनी चाहिए। जिससे सवस्थ बच्चे का जन्म हो सकें। इस अवसर पर 61 पेट के रोगियों का भी निदान कर नि:शुल्क दवाई वितरित की गई।

तेज

विवाह कर सकते हैं मिर्गी रोगीः डा. सुरेका

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

पिछले 27 सालो से माह के पहले मंगलवार को लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर आज रतन नगर जिला चुरु में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में यह 328 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 506 मरीजो के इलाज कर पुरे माह की दवाई नि:शुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने मिर्गी रोग से ग्रसित महिलाओ कि समस्या पर ध्यान देते हुए बताया कि जो महिलाए मिर्गी रोग से ग्रसित होती है उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता परन्तु विवाह के समय यह समस्या कई मुश्किले पैदा करती है। इसलिए विवाह के समय मिर्गी रोग के परिवार वाले वर पक्ष से इस समस्या को छुपाने का प्रयास करते है जो की उचित नही होता है क्योंकि यह लड़की के आगामी जीवन को प्रभावित करती है। इस प्रकार की समस्या को समाज से हटाने के लिए हम सब को मिलकर समाज को जाग्रत करना होगा और लोगो को बताना होगा कि जो महिलाए इस रोग से ग्रसित होती है वो भी एक सामान्य महिला कि तरह ही विवाह कर अपना घर बसा सकती है, वो गर्भधारण कर सकती है, अपने बच्चे को जन्म दे सकती है और दुध पिला सकती है। मिर्गी रोग का वैवाहिक जीवन पर कोई ज्यादा असर नही होता है। बस महिला को गर्भावस्था के दौरान फोलिक एसिड की दवाई जरुर लेनी चाहिए। जिससे स्वस्थ बच्चे का जन्म हो सकें। इस अवसर पर 61 पेट के रोगियों का भी निदान कर नि:शुल्क दवाई वितरित की गई। यह सेवा पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका द्वारा दी गई। इन्होने बताया कि अब से यह सुविधा माह के हर मंगलवार को कैम्प में उपलब्ध होगी। इस कैम्प में डा. आर. के. सुरेका के साथ डा. रोहित. सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, डा. जयसिंह, ताजु खान, डा. सरीन, डा. गौरी, प्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
मार्च- फरवरी 2022

राजस्थान
जागरूक टाइम्स
जयपुर, बुधवार, 3 मार्च, 2021

मिर्गी पर विजय का मूलमंत्र नियमित दवाई का सेवन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। रतननगर कस्बे में त्रिवेणी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में डॉ. आरके सुरेका ने 592 रोगियों की जांच कर एक महीने की निशुल्क दवा वितरित की गई। मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आरके सुरेका ने बताया कि हाल ही में मिर्गी रोगियों पर किये गए अध्ययन में यह पाया कि मरीजो के दौर नियंत्रित नही होने के निम्न कारण है। जिसमे सर्वप्रथम मिर्गी रोगी का नियमित रूप से दवाईयां न लेना, जिसके कई कारण पाए गए। जैसे की गांवों में दवाईयों की अनुपलब्धता, दवाई होते हुए भी न लेना। दवाइयों से होने वाले हानिकारक प्रभाव से भय दवाइयों को लेने के लिए पैसे न होना, दवाइयों को नियमित लेने के महत्व को न समझना। डॉ. सुरेका ने इस अवसर पर सभी मरीजों को समझने की कोशिश की कि नियमित रूप से दवाइयां लेने के दौर 70 प्रतिशत मरीजों में पूरे ठीक हो जाते हैं। बाकी मरीजों में भी बहुत कम हो जाते हैं। अतः मिर्गी पर विजय का मूलमंत्र है, नियमित दवाई का सेवन। इस अवसर पर डॉ एफएच गौरी, डॉ जय सिंह, डॉ अभिनव सरीन, डॉ रक्षित सुरेका, प्रकाश सुरेका, ताजू खा व मनोज आदि सहयोग प्रदान किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
मार्च-फरवरी 2022

समाचार जगत

मिर्गी रोग दैवीय प्रकोप नहीं : डॉ. सुरेका

महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर में विश्व में मिर्गी दिवस मनाया

राजस्थान पत्रिका 21

अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस

जल्द इलाज से पहले वर्ष में ठीक हो जाते 70% से अधिक मरीज

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
अप्रैल 2022

दैनिक स्वर्ण आभा

नियमित दवाई से मिर्गी का इलाज सम्भव- डा. सुरेका

स्वर्ण आभा न्यूज

रतननगर। पिछले 28 वर्षो से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में यह 332 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 547 मरीजो के इलाज कर पूरे माह की दवाई नि:शुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज में सबसे मुख्य बात नियमित रूप से इलाज लेना है क्योंकि मिर्गी रोग का इलाज लम्बे समय तक चलती है, करीब तीन से पाँच साल तक चलती है। अगर मरीज इलाज के दौरान दवाईयों को अपने मन से बंद या कम कर देता है तो उसे वापस से दौरे आने की सम्भावना बढ़ जाती है और दौरे आने के बाद इलाज फिर से तीन से पाँच साल के लिए बढ़ सकती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाईयां डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक भूले बीना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे ना पड़े इसलिए रोगी को नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम छ घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और ना ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि यदि मिर्गी रोगी को मिर्गी के इलाज के दौरान कोई अन्य बिमारी जैसे सर्दी, खासी, जुकाम, दस्त या अन्य कोई बिमारी हो जाए तो भी उसे मिर्गी की दवाईयां नियमित रूप से लेनी चाहिए। अत्यधिक तनाव एवं नशे को सेवन भी मिर्गी रोगी को दौरे ला सकते है। इसलिए मिर्गी रोगी को नशे के सेवन से बचना चाहिए। इस अवसर पर 71 पेट के रोगियों का भी निदान कर नि:शुल्क दवाई वितरित की गई। यह सेवा पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका द्वारा दी गई। इन्होंने बताया कि अब से यह सुविधा माह के हर मंगलवार को कैम्प में उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर डॉ.रोहित सुरेका, डॉ.रक्षित सुरेका, डॉ.जय सिंह, तालु खान, डॉ.अभिनव सनीन, डॉ.एफएच गौरी व श्रीप्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

राजस्थान
जागरूक टाइम्स
जयपुर, बुधवार, 4 मई, 2022

नियमित दवाई से मिर्गी का इलाज सम्भव : डॉ. सुरेका

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 332वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 547 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई नि:शुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज में सबसे मुख्य बात नियमित रूप से इलाज लेना है क्योंकि मिर्गी रोग का इलाज लम्बे समय तक चलती है, करीब तीन से पांच साल तक चलती है। अगर मरीज इलाज के दौरान दवाईयों को अपने मन से बंद या कम कर देता है तो उसे वापस से दौरे आने की सम्भावना बढ़ जाती है और दौरे आने के बाद इलाज फिर से तीन से पांच साल के लिए बढ़ सकती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाईयां डॉक्टर के सलाह अनुसार लेनी चाहिए।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
मई 2022

Email- tisriaankhkijwala@ gmail.com
देश का सबसे भरोसेमंद अखबार
Reg. No RAJHIN/27865
तीसरी आँख की ज्वाला

मिर्गी नही अभिशाप - डॉ. सुरेका

तीसरी आँख की ज्वाला

चूरू । पिछले 28 वर्षो से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर आज रतन नगर जिला चुरु में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में यह 331 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 553 मरीजो के इलाज कर पुरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने हाल ही में सम्पन्न पर्पल डे (विश्व मिर्गी जागरूकता दिवस के अवसर पर मिर्गी रोगियो को बताया कि मिर्गी रोग कोई अभिशाप नहीं है और ना ही यह देवी-देवता के प्रकोप या जादू-टोने से होता हैं। झाड-फुंक या ताबीज से इस बिमारी का इलाज सम्भव नही है। मिर्गी रोग मस्तिष्क में विद्युत तरंगे ज्यादा बनने के कारण होता है जिसका ठीक होना केवल डॉक्टर के इलाज से ही सम्भव हैं। डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के बारे में यह भी भ्रांती है कि या छूत की बिमारी है या साथ खाने-पीने, उठने-बैठने या साथ रहने से होता है लेकिन तथ्य यह है कि मिर्गी रोग साथ खाने-पीने, उठने-बैठने या साथ रहने से नही होता है, व्यक्ति मिर्गी रोगी के साथ सामान्य तरीके से रह सकते है। इसी तरीके से उन्होंने बताया कि एक भ्रांति यह भी है कि मिर्गी रोगी मंदबुद्धी होते है पढ़ने-लिखने में कमजोर होते है और शादी नहीं कर सकते है। लेकिन सत्य यह है कि मिर्गी रोगी भी पढ़-लिख कर अपना भविष्य उज्जवल बना सकते है वे सभी क्षेत्र में अच्छा कर सकते है साथ ही वे शादी कर सकते है और माता-पिता भी बन सकतें है और सामान्य व्यक्ति की तरह ही जीवन जी सकते है। प्राथमिक उपचार के बारे में डा. सुरेका ने बताया कि दौरा पड़ने पर मरीज को प्याज या जूता नही सुंघाना चाहिए, कोई वस्तु या पानी मुंह में नही डालना चाहिए बल्कि मरीज को टेढा कर लेटा देना चाहिए और मुंह के झाग साफ कर देना चाहिए। कुछ देर में मरीज स्वयं ही ठीक हो जाता है।इस कैम्प में डा. रोहित. सुरेका, डा. रक्षित सुरेका, डा. जयसिंह, ताजू खान, डा. सरीन, डा. गौरी, श्री प्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

नियमित दवाई से मिर्गी का इलाज सम्भव : डा. सुरेका

महानगर संवाददाता

रतननगर। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में यह 332 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 547 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के इलाज में सबसे मुख्य बात नियमित रूप से इलाज लेना है क्योंकि मिर्गी रोग का इलाज लम्बे समय तक चलती है, करीब तीन से पाँच साल तक चलती है। अगर मरीज इलाज के दौरान दवाईयों को अपने मन से बंद या कम कर देता है तो उसे वापस से दौरे आने की सम्भावना बढ़ जाती है और दौरे आने के बाद इलाज फिर से तीन से पाँच साल के लिए बढ़ सकती है। ... डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक भूले बीना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे ना पड़े इसलिए रोगी की नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम छह घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और ना ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि यदि मिर्गी रोगी को मिर्गी के इलाज के दौरान कोई अन्य बिमारी जैसे सर्दी, खासी, जुकाम, दस्त या अन्य कोई बिमारी हो जाए तो भी उसे मिर्गी की दवाईयां नियमित रूप से लेनी चाहिए। अत्यधिक तनाव एवं नशे का सेवन भी मिर्गी रोगी को दौरे पड़ा सकते है। इसलिए मिर्गी रोगी को नशे के सेवन से बचना चाहिए। इस अवसर पर 71 पेट के रोगियों का भी निदान कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई।

समाचार-पत्र में प्रकाशित न्यूज
जून 2022

सत्यमेव जयते
दैनिक **स्वर्ण आभा**
साहसी, संयमी और विश्वसनीय
शुभ-प्रभात...

मिर्गी रोगी को जागरूक रहना चाहिए-डॉ. सुरेका

स्वर्ण आभा न्यूज

चूरू। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। किशोरी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 333 वां कैम्प सम्पन्न हुआ।

इस कैम्प में 573 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के मरीज को रात देर तक नहीं जागना चाहिए, रोगी को शराब व नशीली दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए, बिना धुली हुई फल व सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे कीड़े पेट में जाने का डर रहता है।

मिर्गी के रोगी को तैरना व वाहन चलाने के लिए भी मना करते है क्योंकि इससे दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाईयां डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक भूले बीना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे ना पड़े इसलिए रोगी को नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम 6 घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और ना ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इस अवसर पर 76 पेट के रोगियों का भी निदान कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई। यह सेवा पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका द्वारा दी गई। इन्होंने बताया कि अब से यह सुविधा माह के हर मंगलवार को कैम्प में उपलब्ध होगी। इस कैम्प में डा. रोहित, सुरेका, डा. रश्मि सुरेका, डा. जयसिंह, ताजू खान, डा. अभिनव सतीन, डा. एसएच गौरी, ओमप्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

तेजकेसरी

मिर्गी रोगी को जागरूक रहना चाहिए - डा. सुरेका

चूरू, 07 जून। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। किशोरी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 333 वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 573 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर. के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के मरीज को रात देर तक नहीं जागना चाहिए, रोगी को शराब व नशीली दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए, बिना धुली हुई फल व सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे कीड़े पेट में जाने का डर रहता है। मिर्गी के रोगी को तैरना व वाहन चलाने के लिए भी मना करते है क्योंकि इससे दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाईयां डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक भूले बीना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे ना पड़े इसलिए रोगी को नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम 6 घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और ना ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इस अवसर पर 76 पेट के रोगियों का भी निदान कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई। यह सेवा पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका द्वारा दी गई। इन्होंने बताया कि अब से यह सुविधा माह के हर मंगलवार को कैम्प में उपलब्ध होगी। इस कैम्प में डा. रोहित, सुरेका, डा. रश्मि सुरेका, डा. जयसिंह, ताजू खान, डा. अभिनव सतीन, डा. एसएच गौरी, ओमप्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

कोटा, बुधवार
8 जून, 2022
मूल्य : 1 रुपया
पृष्ठ : 8
वर्ष : 9 । अंक : 187

जयपुर **महानगर टाइम्स**
निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रहरी
www.mahanagartimes.com

मिर्गी रोग के मरीज को रात देर तक नहीं जागना चाहिए

मिर्गी रोगी को जागरूक रहना चाहिए : डॉ. सुरेका

महानगर संवाददाता

चूरू। पिछले 28 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला निःशुल्क मिर्गी निदान एवं उपचार शिविर रतननगर में सम्पन्न हुआ। किशोरी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 333वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 573 मरीजों के इलाज कर पूरे माह की दवाई निःशुल्क वितरित की गई। इस कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशियन डा. आर.के. सुरेका ने बताया कि मिर्गी रोग के मरीज को रात देर तक नहीं जागना चाहिए, रोगी को शराब व नशीली दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए, बिना धुली हुई फल व सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे कीड़े पेट में जाने का डर रहता है। मिर्गी के रोगी को तैरना व वाहन चलाने के लिए भी मना करते है क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना रहती है। इसलिए मिर्गी रोगी को दवाइयां डॉक्टर के सलाह अनुसार और एक भी खुराक भूले बीना लेनी चाहिए। दूसरा उन्होंने बताया कि मिर्गी रोगी को दौरे ना पड़े इसलिए रोगी को नींद कमी नहीं होनी चाहिए, रोगी को कम से कम 6 घण्टे की दैनिक नींद लेनी चाहिए व मिर्गी रोगी को रात्रि में देर तक नहीं जागना चाहिए और ना ही सुबह जल्दी उठना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण दौरे पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इस अवसर पर 76 पेट के रोगियों का भी निदान कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई; यह सेवा पेट रोग विशेषज्ञ डा. रोहित सुरेका द्वारा दी गई। इन्होंने बताया कि अब से यह सुविधा माह के हर मंगलवार को कैम्प में उपलब्ध होगी। इस कैम्प में डा. रोहित, सुरेका, डा. रश्मि सुरेका, डा. जयसिंह, ताजू खान, डा. अभिनव सतीन, डा. एसएच गौरी, ओमप्रकाश सुरेका आदि ने सहयोग किया।

वर्ष 2021 मिर्गी निदान शिविर कैम्पों की फोटोज

वर्ष 2022 मिर्गी निदान शिविर कैम्पों की फोटोज

333 वॉ मिर्गी निदान शिविर जून 2022
रतन नगर चूरू फोटोज

Guinness World Record

वर्ष - 2018

दैनिक भास्कर जयपुर, शुक्रवार 23 फरवरी, 2018

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुरेका का नाम गिनीज बुक में

जयपुर | न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। डॉ. सुरेका ने मिर्गी रोग के इलाज के लिए सर्वाधिक 737 लोगों को एक ही सत्र में प्रशिक्षित कर इतिहास रचा है और इसी कारण उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। मोतीडूंगरी स्थित स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के ऑडिटोरियम में सत्र के दौरान डॉ. सुरेका ने प्रतिभागियों को मिर्गी को लेकर प्रचलित भ्रांतियों, तथ्यों, रोग के कारणों और प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।

इसमें आगे उन्होंने 250 लोगों को प्रशिक्षित किया था। इससे पूर्व डॉ. सुरेका का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स-2016 में भी दर्ज हो चुका है। चूरू जिले के रतन नगर में हर माह निःशुल्क शिविर लगाने वाले डॉ. सुरेका अब तक 7000 रोगियों को निःशुल्क दवाएं देकर मिर्गी से छुटकारा दिला चुके हैं। इन शिविरों में प्रदेशभर के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के रोगी भी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

दैनिक उद्योग आस-पास

सीकर, बुधवार 07 मार्च 2018

शिविर में 720 रोगियों को किया लाभांवित

चूरू। रतननगर कस्बे में बीजीदेवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 24 वर्षों से लगने वाला 285 वां निःशुल्क मिर्गी रोग निदान शिविर में 720 रोगियों को 1 माह की पूर्ण दवा निःशुल्क देकर लाभान्वित किया। न्यूरोफिजिशियन डॉ.आर.के. सुरेका जिनका गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उन्होंने मिर्गी रोग के ईलाज के संबंध में सबसे अधिक 737 लोगों को एक साथ में प्रशिक्षित करने का रिकॉर्ड बनाया। उनका नाम राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में मिर्गी रोगियों के लिए सर्वाधिक निःशुल्क शिविर लगाने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज हो चुका है। वह चूरू जिले के रतननगर गांव में हर माह निःशुल्क शिविर लगाते है। अभी तक इस कैम्प में 7000 मिर्गी रोगी पंजीकृत है। डॉ.सुरेका रोगियों और उनके परिजनों में मिर्गी रोग के प्रति चेतना जगाने का काम भी करते है। वह इसके लिए पैम्फलेट, चार्ट, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों की सहायता लेते है। इस कैम्प में प्रकाश सुरेका, डॉ.जय सिंह, डॉ.एस.एच.गौरी, ताबु खान व मनोज आदि ने सहयोग दिया।

THE TIMES OF INDIA, JAIPUR
MONDAY, MARCH 26, 2018

Epileptic pregnant women need more care

intishab.Ali@timesgroup.com

STUDY RESULT SHOWS

- The **health of the fetus would be better** if the patient does not have seizures
- Stopping drugs can endanger the health of fetus by producing seizures
- After delivery, **mother should definitely feed her baby as mother's milk is not going to harm the baby** inspite of mother taking the drug
- It has been found in the studies that **concentration of drug in milk is negligible and not harmful** for the infant

Jaipur: Pregnant women with epilepsy are always at a higher risk of giving birth to an infant with birth defects in comparison to normal women. Aiming to minimise the chance of fetal malformation, the health department is alert on it and has categorised such pregnancies with epilepsy as high risk.

"Whenever a case of pregnancy with epilepsy is reported in the hospital, we immediately put her in high risk category. It helps in providing her treatment for preventing birth defects in infants. Such pregnant women need proper care and treatment for birth of healthy baby," said Dr Mohan Meena, professor gynaecology, Sawai Man Singh (SMS) Medical College.

Dr Meena said that they provide folic acid tablets to pregnant women. "We prescribe folic acid tablets for initial three months in normal pregnancies but for epileptic pregnant women, we give folic acid tablets for entire pregnancy period to prevent any sort of complications," said Dr Meena. The state government is providing free-of-cost folic acid tablets to pregnant women under free medicine scheme.

According to the neurology experts, epilepsy is most frequently encountered neurological condition in women after migraine. A city-based neurologist, former professor neurology, SMS Medical College Dr RK Sureka conducted a study on pregnant women with epilepsy.

"In our study we compared the obstetrical and neonatal outcomes of women with epilepsy with similar matched control subjects. It showed that women with epilepsy have increased risk of fetomaternal complications. The most

WORLD PURPLE DAY

important observation in our study was the increased frequency of congenital malformations in the offspring of women with epilepsy. In our study we have found cases of infants born with deformity to women with epilepsy," said Dr Sureka.

He said it is a myth that epileptic women cannot bear children or are infertile. The percentage of infertility is not very different from normal women. Similarly all women should continue to take the antiepileptic medicines during pregnancy and should not fear that taking medicine would produce epilepsy in their children.

The study found that the pregnant women with epilepsy were given five mg of simple vitamin tonic - Folic Acid which was started from the initial stage of pregnancy, prevented fetal malformations as compared to those women who did not take folic acid.

Dr Sureka expressed the need for pregnancy registry which looks after the health of pregnant epileptic women throughout India. Very few registries are functioning in the country.

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका देशभर में करते हैं 260 मेडिकल कैंप आयोजित

737 लोगों को प्रशिक्षित कर बनाया रिकॉर्ड

गणपति नगर • एक घंटे में 737 लोगों को मिर्गी रोग के इलाज संबंधी प्रशिक्षित कर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज कराया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सुरेका ने जयपुर क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि 30 मार्च 2017 को मोतीडूंगरी स्थित स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में कैम्प आयोजन किया गया। जिसमें एक घंटे के सत्र में 737 लोगों को मिर्गी रोग के इलाज संबंधी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सत्र में स्टूडेंट्स, पेशेंट और उनके परिजनों को मिर्गी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ने पर क्या क्या करना चाहिए, इसके बारे में वीडियो और चार्ट के माध्यम से बताया। इस दौरान सुरेका ने बताया कि देशभर में 260 मेडिकल कैंप आयोजित करने और सात हजार मिर्गी रोगियों का उपचार करने पर 2016 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करवाया था।

मिर्गी समझो एप्प

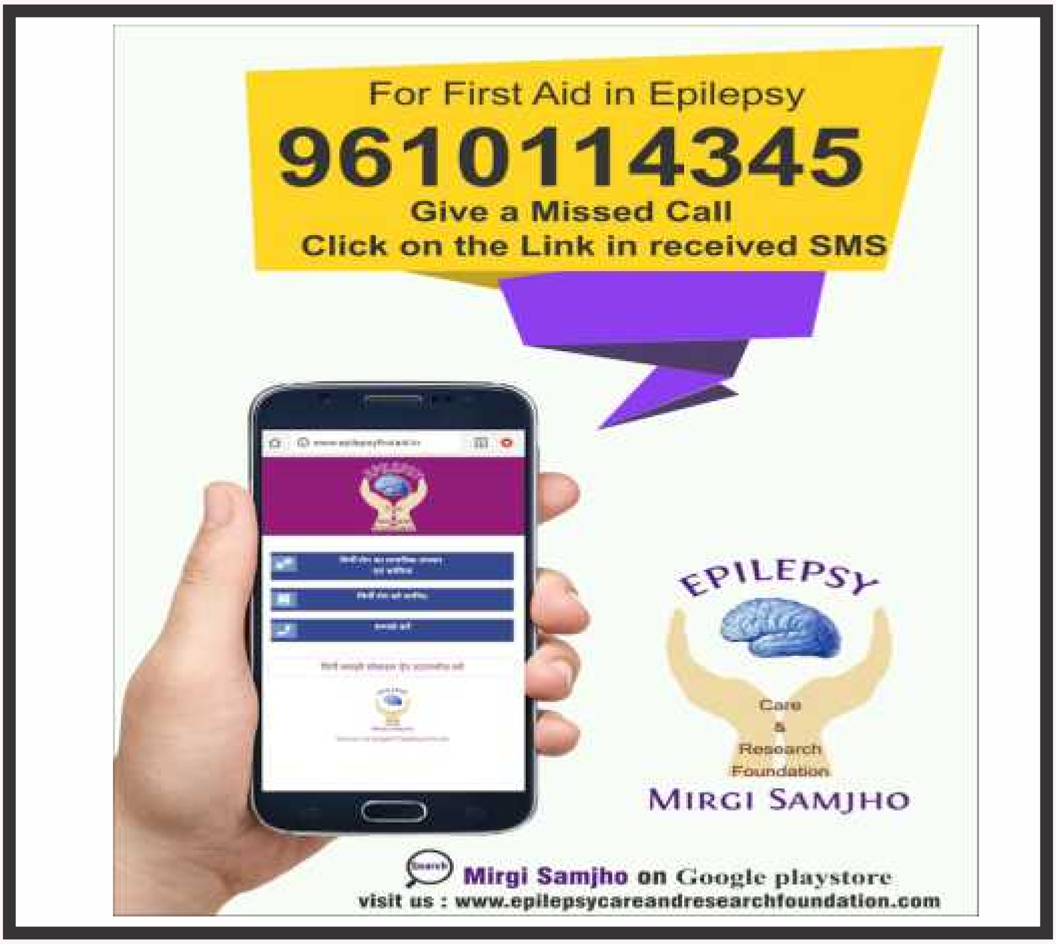

हैल्पलाईन नं.

मिर्गी रोगियों के लिये वेबसाईट (website)